CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, बुधवार 19 मार्च 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 226 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | चैत्र कृष्ण पक्ष 3 विक्रमी सम्वत् 2082 | 18 रमजान 1446 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

तापमान: अधिकतम :28°C न्यूनतम: 11°C

सेंसेक्स: 75,301.26 निफ्टी: 22,84.30

सोना: 90,870 चांदी: 1,04,000

18वां रोज़ा

कुरआने-पाक में जाहिर कर दिया गया है-जो लोग ईमान लाए, नेक अमल किए व अपने परवरदिगार के आगे आजिजी की, यही साहिबे- जन्नत हैं। हमेशा इसमें रहेंगे। मजकूर आयत की रोशनी में अठारहवां रोज़ा बेहतरीन तरीके से समझा जा सकता है। 'नेक अमल' से मुराद है ऐसे काम जो पाकीज़गी, परहेजगारी, इंसानियत और शरई उसूल के मुताबिक सब्र और सदाकत की मिसाल हों। नेक अमल। परवरदिगार से मुराद अल्लाह से है।

सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद सबसे लंबा अवैध कब्जा कश्मीर पर: जयशंकर

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ रायसीना डायलाग के दूसरे दिन बोले विदेश मंत्री, पश्चिमी देशों के दोहरे रवैये पर भी उठाए सवाल

नई दिल्ली। नई दिल्ली में चल रहे रायसीना डायलॉग 2025 के दूसरे दिन विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने वैश्विक व्यवस्था में निष्पक्षता की जरूरत पर जोर दिया और पश्चिमी देशों के दोहरे मानकों पर सवाल उठाए।

थ्रोन्स एंड थॉर्न्स: डिफेंडिंग द इंटेग्रिटी ऑफ नेशंस सत्र में बोलते हुए, जयशंकर ने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को वैश्विक नियमों की नींव बताया। उन्होंने कश्मीर मुद्दे का जिक्र करते हुए इसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अब तक का सबसे लंबा अवैध कब्जा करार दिया। जयशंकर ने कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र गए। एक आक्रमण को विवाद बना दिया गया। हमलावर और पीड़ित को एक ही श्रेणी में रख दिया गया। इसके लिए जिम्मेदार पक्ष कौन थे? ब्रिटेन, कनाडा, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका? इसलिए मेरे इस पूरे विषय पर कुछ सवाल हैं। जयशंकर ने कहा कि यह दिखाता है कि कैसे पश्चिमी ताकतों ने कश्मीर की वास्तविकता को तोड़-मरोड़कर पेश किया। उन्होंने राजनीतिक हस्तक्षेप पर पश्चिमी देशों के नजरिये पर भी सवाल उठाए। जयशंकर के अलावा पैनल में लिचेंस्टीन की विदेश मंत्री डोमिनिक हसलर, स्लोवाक रिपब्लिक के विदेश मंत्री जुराज ब्लानर, स्वीडन के पूर्व प्रधानमंत्री कार्ल बिल्ड्ट भी शामिल हुए। इस बार के रायसीना डायलॉग की थीम: कालचक्र- पीपुल, प्लेस एंड प्लेनेट है। इसमें करीब 125 देशों के 3500 से ज्यादा लोग शामिल होंगे। इससे पहले सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10वें रायसीना डायलॉग के उद्घाटन में शामिल हुए। इस दौरान न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने बतौर चीफ गेस्ट समिट को संबोधित किया। 3 दिन का यह सम्मेलन 19 मार्च तक चलेगा।

नागपुर में हिंसा के बाद 11 इलाकों में कर्फ्यू, 50 गिरफ्तार

नागपुर, वार्ता

नागपुर में औरंगजेब का पुतला जलाने पर हुई हिंसा के बाद मंगलवार को 11 इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। सोमवार शाम हुई हिंसा में 33 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, इनमें 3 डीसीपी हैं। 5 आम लोग भी घायल हैं, इनमें से एक आईसीयू में भर्ती है।

दंगाइयों ने 12 बाइक, कई कारें, 1 जेसीबी जला दी। पुलिस ने दंगे के आरोप में 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कब्र की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। हर आने-जाने वालों की जांच की जा रही है। नागपुर में हिंसा के बाद

33 पुलिसकर्मी घायल, घायलों में तीन डीसीपी शामिल

संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र के पास बैरिकेडिंग की

संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र के पास बैरिकेडिंग कर दी गई है। औरंगजेब की कब्र देखने आने वाले पर्यटकों के नाम, मोबाइल नंबर और आधार कार्ड की जांच की जा रही है। नागपुर में हिंसा के बाद संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र के पास बैरिकेडिंग कर दी गई -शेष पृष्ठ दो पर

इजरायल का गाजा पर कहर, 413 मरे

दो महीने पुराना सीजफायर टूटा, गाजा को नरक बना देंगे: काट्ज

तेल अवीव, वार्ता

इजरायल ने मंगलवार सुबह गाजा में फिर से एयरस्ट्राइक शुरू कर दी है। करीब 12 घंटे से जारी इजरायली हमलों में अब तक 413 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि सैकड़ों घायल हैं। इस हमले के साथ ही 19 जनवरी को गाजा और इजरायल के बीच हुआ दो महीने पुराना सीजफायर टूट गया है। इजरायल का दावा है कि वह हमले की प्लानिंग कर रहे आतंकियों को निशाना बना रहा है।

सैकड़ों नागरिक घायल, हमास की चेतावनी: अब 24 इजरायली बंधकों का जिंदा बचना मुश्किल

हमास का कहना है कि नेतन्याहू का फिर से युद्ध शुरू करने का फैसला इजरायली बंधकों के लिए मौत की सजा की तरह है। इस हमले के बाद हमास की कैद में मौजूद लगभग 2 दर्जन इजरायली बंधकों की रिहाई को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई है। दूसरी तरफ इजरायली फोर्सेज ने लोगों को पूर्वी गाजा खाली करने का आदेश दिया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने यह हमले इसलिए कराए, क्योंकि सीजफायर पर हो रही बातचीत आगे नहीं बढ़ रही थी। नेतन्याहू कई बार फिर से जंग शुरू करने की धमकी दे चुके हैं। वहीं, इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने चेतावनी दी है कि अगर बंधकों को रिहा नहीं किया, तो गाजा में नरक के दरवाजे खोल देंगे। हमास ने इजरायली हवाई हमलों को सीजफायर का उल्लंघन बताया है। हमास ने धमकी दी है कि इस कदम से उसकी कैद में मौजूद इजरायली बंधकों की जान खतरे में आ गई है। हमास ने कहा कि इजरायल ने बिना किसी उकसावे के हमले किए हैं। इजरायल ने पिछले दो हफ्तों से -शेष पृष्ठ दो पर

लेबनान और सीरिया में भी हवाई हमले किए

तेल अवीव। इजरायल ने गाजा के साथ ही लेबनान और सीरिया में भी हवाई हमले किए। इन हमलों में कम से कम 10 लोगों के मारे जाने की रिपोर्ट्स हैं। सीरिया में दारा इलाके में रिहायशी क्षेत्र में हवाई हमले किए गए। लेबनान में भी इजरायल ने दो हिजबुल्ला आतंकियों को मारने का दावा किया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि गाजा में किए गए हमलों को लेकर इजरायल ने ट्रंप प्रशासन और व्हाइट हाउस से सलाह ली थी। जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है, हमास, हूती, ईरान को अमेरिका और इजरायल को आतंकित करने की कीमत चुकानी पड़ेगी। सबकुछ तहस-नहस कर दिया जाएगा। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि अगर बंधकों को रिहा नहीं किया गया, तो गाजा में और बुरी हालत होगी। उन्होंने कहा कि हम तब तक लड़ाई नहीं रोकेंगे, जब तक हमारे सभी बंधक घर नहीं पहुंच जाते। मिस्र और कतर के साथ मध्यस्थता प्रयासों का नेतृत्व कर रहे अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने पहले ही आगाह किया था कि हमास को जीवित बंधकों को तुरंत रिहा करना चाहिए या फिर भारी कीमत चुकानी होगी।

बहुचर्चित दिहुली हत्याकांड में तीन को फांसी सुनाई

■ 44 साल बाद आया फैसला, 24 दलितों की हुई थी सामूहिक हत्या

मैनपुरी। उप्र में फिरोजाबाद के जसराना के गांव दिहुली में 18 नवम्बर 1981 को हुई 24 दलितों की सामूहिक हत्या के मामले में मंगलवार को कोर्ट ने तीन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। इसके साथ ही दो दोषियों पर दो-दो लाख और एक दोषी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। कोर्ट से आदेश होने के बाद पुलिस तीनों को जिला कारागार मैनपुरी ले गई।

वहां उन्हें दाखिल किया गया। एडीजे विशेष डकैती इंदिरा सिंह की अदालत में सुबह 11.30 बजे दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को मैनपुरी जिला कारागार से भारी सुरक्षा के बीच लाकर पेश किया गया। इनकी पेशी के बाद 12.30 बजे करीब फिर से इनको दीवानी की अदालत में भेज दिया गया। लंच बाद कोर्ट से फिर इनकी पुकार हुई। दोपहर 3 बजे तीनों दोषियों को फिर से पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में अभियोजन की ओर से रोहित शुक्ला ने तमाम दलीलें पेश करते हुए नरसंहार के साक्ष्यों और गवाही का हवाला देते हुए फांसी की मांग की। कोर्ट ने साक्ष्यों और गवाही के आधार पर उस भयावह नरसंहार के दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को फांसी की सजा सुनाई। कप्तान सिंह, रामसेवक को दो-दो लाख और रामपाल को एक लाख रुपये के जुर्माने से भी दंडित किया गया। सजा सुनते ही तीनों के चेहरों पर मायूसी छा गई। यह रोने लगे। कोर्ट के बाहर इनके परिजन भी मौजूद थे, वह भी रोने लगे। इसके बाद पुलिस ने इन्हें जेल ले जाकर दाखिल कर दिया। फांसी की सजा पाने वाले रामपाल, रामसेवक और कप्तान सिंह अपने कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करते हुए फांसी की सजा के खिलाफ 30 दिन के भीतर हाईकोर्ट में अपील भी कर सकते हैं।

भड़काऊ भाषण केस में मंत्री कपिल मिश्रा की बढ़ीं मुश्किलें

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया है। अदालत ने ट्रायल कोर्ट द्वारा मिश्रा को दोषी करार दिए जाने के आदेश पर स्टे लगाने से इन्कार करते हुए मामले को 19 जुलाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। हाल ही में राउज एवेन्यू कोर्ट ने वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान दो समुदायों के बीच विद्वेष बढ़ाने के आरोप में कपिल मिश्रा को दोषी करार दिया था। इस आदेश के खिलाफ कपिल मिश्रा ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रविंद्र डुडेजा की अदालत कर रही है।

श्रीलंका नौसेना ने तीन भारतीय मछुआरों को पकड़ा

रामेश्वरम। श्रीलंका की नौसेना ने मंगलवार को तीन भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और उनके मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर को जब्त कर लिया। अधिकारियों ने यहां बताया कि रामेश्वरम के रहने वाले मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया, जब वे अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के करीब समुद्र में मछली पकड़ रहे थे। श्रीलंका की नौसेना ने दावा किया कि वह द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने वाली विदेशी मछली पकड़ने वाली नौकाओं की मछली पकड़ने की प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए नियमित गश्त और अभियान चलाती रहती है।

हंगामे के कारण लोस की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयागराज महाकुंभ पर दिए वक्तव्य पर विपक्ष को बोलने का मौका नहीं देना नियमों का उल्लंघन बताते हुए मंगलवार को हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकपाल मसला: रंजीत कुमार न्यायमित्र नियुक्त

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने लोकपाल की ओर से मौजूदा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ शिकायत की जांच करने के अधिकार क्षेत्र से संबंधित विवाद मामले में मंगलवार को वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार को न्यायमित्र नियुक्त किया।

न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अभय एस. ओका की पीठ ने स्पष्ट किया कि वह लोकपाल के 27 जनवरी, 2025 के आदेश की वैधता से संबंधित मामले में अधिकार क्षेत्र के मुद्दे की जांच करेगी, न कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की योग्यता की। लोकपाल के उस आदेश में कहा गया था कि भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था मौजूदा उच्च

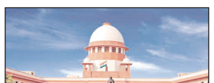

न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ शिकायत की जांच कर सकती है। शीर्ष अदालत के समक्ष शिकायतकर्ता व्यक्तिगत रूप से पेश हुए और कहा कि उन्होंने लिखित दलीलें दाखिल की हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि लोकपाल ने अपना हलफनामा दाखिल किया है, जिसमें आदेश में उनके द्वारा अपनाए गए रुख को दोहराया गया है। उन्होंने कहा कि लोकपाल के पास ऐसी शिकायतों की जांच करने का कोई अधिकार नहीं है।

सक्षम और दिव्यांग उम्मीदवार से अलग यूपीएससी परीक्षा नहीं ले सकते: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व आईएएस प्रोबेशनर अधिकारी पूजा खेडकर मामले में कहा कि सक्षम और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए अलग-अलग परीक्षा नहीं ली जा सकती। पूजा खेडकर पर फर्जी तरीके से सिविल सेवा परीक्षा में दिव्यांग और ओबीसी कोटे का फायदा लेने और धोखाधड़ी करने का आरोप है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने पूजा खेडकर की याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तारीख तय की है। पूजा खेडकर के वकील ने दिल्ली सरकार के हलफनामे का जवाब देने के लिए कुछ समय देने की मांग की थी, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल की तारीख तय की।

ताशकंद के व्यापारियों को उत्तराखंड में निवेश का आमंत्रण

एम. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। उत्तराखंड में विदेशी निवेश को लेकर लगातार कोशिशें जारी हैं। उन प्रवासी उत्तराखंडियों पर विशेष फोकस है जो विदेशों में कारोबार कर रहे हैं।

उत्तराखंड के परिपेक्ष में भारतीय दूतावास ताशकंद में आयोजित व्यापार निवेश तथा पर्यटन संवर्द्धन से संबंधित कार्यक्रम को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअली संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने ताशकंद में भारतीय दूतावास द्वारा उत्तराखंड में व्यापार, निवेश और पर्यटन के अवसरों को उजागर करने के लिए उत्तराखंड दिवस के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह हमारे लिए गौरव का विषय है कि पहली बार उत्तराखंड की उज्बेकिस्तान में इस प्रकार का अभिनव मंच मिल रहा है। एक ऐसा देश जिसके साथ भारत 2011 से आपसी संबंध साझा करता आ रहा है। प्रवासी उत्तराखंड वासियों से विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड के प्रवासी बंधुओं की सुविधा के लिए राज्य में प्रभावी व्यवस्था बनाई गई है। उत्तराखंड में हाल ही में देश व विदेश में रह रहे उत्तराखंड वासियों का सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें

■ मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने भारतीय दूतावास ताशकंद में कार्यक्रम को किया संबोधित

बड़ी संख्या में प्रवासी बंधुओं के द्वारा प्रतिभाग कर राज्य के विकास में सहयोगी बनने का आश्वासन दिया गया। कहा कि देवभूमि उत्तराखंड, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत, आध्यात्मिक स्थलों, वेलनेस टूरिज्म, आयुर्वेद और एडवेंचर टूरिज्म के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। भारत के प्रमुख शहरों के साथ अच्छी हवाई कनेक्टिविटी, विश्व स्तरीय सड़कों का नेटवर्क, अच्छी कानून व्यवस्था और स्थिर राजनीतिक नेतृत्व, -शेष पृष्ठ दो पर

देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में स्थिति पहले से हुई है खराब: विपक्ष

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्षी दलों ने देश में स्वास्थ्य क्षेत्र की बदहाल स्थिति की तस्वीर पेश करते हुए कहा कि कुछ मानकों में देश बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से भी पीछे है, जबकि सत्ता पक्ष ने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से स्वास्थ्य क्षेत्र में कई गुना सुधार हुआ है।

विपक्षी सदस्यों ने यह भी दावा किया कि कई राज्यों में स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति केन्द्र की तुलना में कहीं बेहतर है। द्रविड मुनेत्र कषगम के तिरूचि शिवा ने मंगलवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि देश में स्वास्थ्य क्षेत्र की हालत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुल बजट में इसके लिए मात्र 1.4 प्रतिशत का आवंटन किया गया है जो जीडीपी का केवल 0.02 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों में यह आंकड़ा कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा

■ कहा: कुछ मानकों में भारत बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से भी पीछे

कि स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजट का आवंटन करते समय स्थायी समिति की सिफारिशों को नजरंदाज किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका और थाइलैंड जैसे देश भी स्वास्थ्य पर भारत से अधिक खर्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार को इस स्थिति की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। श्री शिवा ने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने राज्य के कुल बजट का 4.9 प्रतिशत स्वास्थ्य के लिए आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में सबसे अधिक 79 मेडिकल कॉलेज हैं और राज्य में डाक्टर तथा रोगी का अनुपात देश भर में सबसे बेहतर है। उन्होंने कहा कि सरकार गैर संचारी रोगों पर काबू पाने में पूरी तरह विफल रही है। मानसिक रोगियों और मानसिक स्वास्थ्य को भी देश में नजरंदाज किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए नीट परीक्षा को राज्यों पर थोपने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यह परीक्षा राज्यों से विचार-विमर्श के आधार पर तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से दक्षिण के राज्य केन्द्र की तुलना में कहीं बेहतर स्वास्थ्य सुविधा ढांचा उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में 50 प्रतिशत अस्पताल सरकारी हैं और 48 प्रतिशत निजी अस्पताल हैं, जबकि अन्य राज्यों में सरकारी अस्पतालों की संख्या कम है। उन्होंने स्वास्थ्य बीमा पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाए जाने का भी मुद्दा उठाया और इसे वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि मदुरै एम्स अभी भी कागजों में ही अटका हुआ है और इसका काम जल्द शुरू किया जाना चाहिए। द्रमुक सदस्य ने कहा कि तमिलनाडु को परिवार नियोजन के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने के लिए परिसीमन के नाम पर दंडित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिसीमन प्रक्रिया आबादी के आधार पर नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर के राज्यों में भी परिवार नियोजन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के भागवत कराड़ ने इसका प्रतिवाद करते हुए मोदी सरकार के कार्यकाल में अस्पतालों से लेकर मेडिकल कॉलेज, मेडिकल सीटों, टीकाकरण और स्वास्थ्य ढांचे में कई गुना सुधार होने का दावा किया। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजट निरंतर बढ़ा रही है और इस बार भी इसे 1.9 प्रतिशत से बढ़कर 1.97 प्रतिशत किया गया है।

फायरिंग मामले में कुंवर प्रणव चैंपियन को मिली जमानत

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ 26 जनवरी को निर्दलीय विधायक के कार्यालय पर चली थी गोलियां

देहरादून। खानपुर सीट से निर्दलीय विधायक के कार्यालय पर गोली कांड में आरोपी और 27 जनवरी को गिरफ्तार हुए पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन को डिस्ट्रिक्ट कोर्ट हरिद्वार से मंगलवार को जमानत मिल गई है।

डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन को राहत देते हुए उनके वकील द्वारा लगाई गई जमानत याचिका पर सुनवाई करने के बाद जमानत दे दी है। मामले में सुप्रीम कोर्ट के सीनियर अधिवक्ता ने बहस की थी। जबकि विधायक उमेश कुमार के अधिवक्ता उत्तम सिंह चौहान ने दलील दी कि चैंपियन को जमानत नहीं मिलनी चाहिए। कुंवर प्रणव चैंपियन की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल चतुर्वेदी ने जमानत के लिए दलील पेश की। 15 फरवरी को जेल में तबीयत बिगड़ने पर चैंपियन को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गौरतलब है कि खानपुर विधायक उमेश कुमार व चैंपियन के बीच सोशल मीडिया में जंग हो गई थी। उमेश कुमार के लंढौरा के रंगमहल के बाहर गाली गलौज करने के बाद चैंपियन व समर्थकों ने 26 जनवरी को विधायक के कार्यालय पर गोली चला दी थी। इधर, जमानत मिलने के बाद चैंपियन ने समर्थकों का आभार जताया।

दिल्ली के लोगों को नई सरकार से बहुत अधिक अपेक्षाएं: बिरला

दिल्ली विधानसभा सदस्यों के दो दिवसीय कार्यक्रम में बोले लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, वार्ता

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को दिल्ली विधान सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों से इसे आदर्श विधान सभा बनाने का आग्रह करते हुए कहा कि नई सरकार से लोगों को बहुत अधिक अपेक्षाएं हैं।

बिरला ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में दिल्ली विधानसभा सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्यों को लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करते समय लोकतांत्रिक भावना और संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखते हुए सदन के नियमों, प्रक्रियाओं और परंपराओं का पालन करना चाहिए। उन्होंने विधानमंडल को कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए अधिक प्रभावी मंच बनाने के लिए तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग और सदस्यों के क्षमता

सार्वजनिक जीवन में नैतिकता व आचरण बनाए रखें सदस्य

निर्माण पर भी जोर दिया। बिरला ने कहा कि सदन में किसी भी प्रकार का गतिरोध नहीं होना चाहिए तथा असहमति को गरिमापूर्ण ढंग से तथा सार्थक संवाद के माध्यम से व्यक्त किया जाना चाहिए।

उन्होंने सदयों से सार्वजनिक जीवन में आचरण तथा नैतिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का आग्रह किया। अध्यक्ष ने सदस्यों से परंपराओं को कायम रखने तथा उन्हें और मजबूत बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विधायकों का आचरण तथा विधानसभा में उनके कार्य तथा चर्चाएं देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाती हैं। बिरला ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अच्छे श्रोता बनने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि सुनना भी उतना ही जरूरी है जितना अपनी बात कहना।अच्छा वक्ता बनने के लिए अच्छा श्रोता बनना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पुरानी चर्चा-संवाद के अध्ययन के साथ ही कानूनों तथा नए विचारों को सीखने तथा समझने की सोच के साथ काम करना आवश्यक है। जनप्रतिनिधियों को विधान सभा के नियमों और प्रक्रियाओं, भारत के संविधान, विशेषकर उन धाराओं से परिचित होना चाहिए जो आपके राज्य, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों से संबंधित हैं।

राज्य के विकास में सार्थक योगदान दे सकते हैं

बिरला ने विधाई प्रारूपण के ज्ञान के महत्व को दोहराते हुए कहा कि विधाई प्रारूपण में कुशल जनप्रतिनिधि अपने राज्य के विकास और शासन में सार्थक योगदान दे सकते हैं। अच्छे विधाई प्रारूपण के माध्यम से, विधायक विधानसभा की मदद कर सकता है तथा प्रभावी कानून बनाने और लोगों तक सेवाएं बेहतर ढंग से पहुंचाने में सरकार की मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का आधार संवाद और आम सहमति है, इसलिए संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सकारात्मक और रचनात्मक होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी घेर दिया कि सदस्यों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी भाषा, आचरण और तर्क संसदीय मानदंडों के अनुरूप हों। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और उनके सकारात्मक योगदान से लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत होती है। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रबोधन कार्यक्रम न केवल विधायी दायित्वों को बेहतर ढंग से समझने का अवसर है, बल्कि एक-दूसरे से सीखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का मंच भी है।

आधार कार्ड से लिंक होगा मतदाता पहचान पत्र

नई दिल्ली, वार्ता

मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से लिंक किया जाएगा। मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और केंद्रीय गृह सचिव की बैठक में यह फैसला लिया गया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त डा. सुखबीर सिंह संधू और डा. विवेक जोशी ने निर्वाचन सदन नई दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव, विधाई विभाग के सचिव, इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ तथा चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बैठक की। बैठक में निर्णय लिया गया कि मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने का काम संविधान के अनुच्छेद 326 के प्रावधानों के अनुसार ही किया जाएगा। कहा गया कि इस संबंध में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण

मुख्य चुनाव आयुक्त और केंद्रीय गृह सचिव की बैठक में लिया गया महत्वपूर्ण फैसला

और चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञ जल्द ही आगे की चर्चा करेंगे।

संविधान में भी वोटर आईडी को आधार से जोड़ने का प्रावधान है। बताया जाता है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23, जिसे चुनाव कानून (संशोधन) अधिनियम, 2021 कहा जाता के मुताबिक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी मौजूदा या भावी मतदाताओं से स्वैच्छिक आधार पर पहचान स्थापित करने के लिए आधार संख्या प्रदान करने की मांग कर सकते हैं। यह कानून मतदाता सूची को आधार डाटाबेस के साथ स्वैच्छिक रूप से जोड़ने की अनुमति देता है। इन दिनों संसद के भीतर और बाहर जिस डुप्लीकेट वोटर कार्ड (ईपीआईसी) के नंबरों को लेकर जमकर बवाल हो रहा है। साथ ही राजनीतिक दल इसके जरिए चुनाव आयोग की वैधता पर ही सवाल उठे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी यह मुद्दा उठाया था। बीते शुक्रवार को चुनाव आयोग (ईसी) ने कहा था कि वह दशकों पुरानी डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबरों की समस्या को अगले तीन महीने में हल कर लेगा। इसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ने मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई थी।

संक्षिप्त समाचार

सीनियर कैडर कोर्स की परेड में 115 एनसीओ शामिल हुए

लखनऊ। सीनियर कैडर कोर्स-4 के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के हिस्से के तौर पर मंगलवार को लखनऊ छावनी स्थित आर्मी मेडिकल कोर सेंटर और कॉलेज के ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉलेज में कोर्स समापन परेड आयोजित की गई जिसमें 115 गैर-कमीशन अधिकारियों (एनसीओ) ने भाग लिया। मध्य कमान के प्रवक्ता ने बताया कि ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉलेज में गहन प्रशिक्षण प्राप्त ये सभी अधिकारी आनेवाले समय में उच्च पद ग्रहण करेंगे।

मणिपुर में पुलिस ने किया तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में पिछले 24 घंटों के दौरान तीन अलग-अलग घटनाओं में पुलिस ने तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फेल-पीएस के अंतर्गत मैरीकॉम क्षेत्रीय मुक्केबाजी फाउंडेशन के पास लांगोल गेम विलेज जोन 3 से आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया। एक अन्य घटना में पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के पीआरईपीएके/यूपीपीके के एक कैडर को उसके आवास से गिरफ्तार किया। इसके अलावा पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक कैडर को उसके आवास से गिरफ्तार किया।

सुरक्षा बलों ने कश्मीर में तीसरा आईईडी निष्क्रिय किया

श्रीनगर। कश्मीर में सुरक्षा बलों ने रविवार से अब तक तीसरा देशी विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया है और उसे निष्क्रिय कर दिया है। तीसरा आईइडी मंगलवार को शोपियां जिले में बरामद किया गया। अधिकारियों के अनुसार शोपियां के हबदीपोरा इलाके में नियमित गश्त के दौरान विस्फोटक उपकरण का पता चला। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि आईइडी का पता लगने के बाद, एक बम निरोधक दस्ते को तुरंत तैनात किया गया, जिसने समय रहते आईईडी को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना होने से टल गई। पिछले तीन दिनों में कश्मीर में इस तरह की यह तीसरी घटना है।

नागपुर हिंसा पर विधानसभा के बाहर विपक्ष का प्रदर्शन

मुंबई, वार्ता

भाजपा के विधायक एवं राज्य सरकार में नितेश राणे को हटाने की मांग

महाराष्ट्र में विपक्ष ने मंगलवार को नागपुर हिंसा को लेकर यहां महाराष्ट्र विधान सभा भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और भारतीय जनता पार्टी के विधायक एवं राज्य सरकार में मंत्री नितेश राणे को हटाने की मांग की।

विपक्ष का आरोप है कि राणे ने बयान के कारण शहर में सोमवार को हिंसा भड़की। शहर में उपद्रव के दौरान कल कम से कम 45 वाहनों में तोड़फोड़ की गई। सत्तापक्ष के विभिन्न नेताओं ने नागपुर की घटना की निंदा की है और कहा है कि हिंसा में शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इस बीच जिला संरक्षक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया और कहा कि अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखने के लिए सोशल मीडिया अकाउंट की निगरानी की जा रही है। फडणवीस सरकार में मंत्री संजय शिरसाट ने कहा कि नागपुर में हुई हिंसा के पीछे महा विकास अघाड़ी का हाथ है। विपक्ष के लोग यह दिखाने में लगे हैं कि वे ही मुसलमानों के साथ खड़े हैं, लेकिन उन्हें यह एहसास नहीं है कि मुसलमान ऐसा नहीं चाहते। शिवसेना विधायक मनीषा कायंदे ने नागपुर हिंसा की निंदा की और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि हम नागपुर हिंसा की निंदा करते हैं। अफवाह फैलाने वालों को सलाखों के पीछे डाला जाना चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।

कब्र या मजार को क्षति पहुंचाना ठीक नहीं: मायावती

लखनऊ। नागपुर में हुई हिंसक झड़प पर चिंता व्यक्त करते हुए बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने कहा कि महाराष्ट्र में किसी भी कब्र अथवा मजार को क्षति पहुंचाना ठीक नहीं है और महाराष्ट्र सरकार को हिंसा के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। सुश्री मायावती ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट किया कि महाराष्ट्र में किसी की भी कब्र व मज़ार आदि को क्षति पहुंचाना व तोड़ना ठीक नहीं, क्योंकि इससे वहां आपसी भाईचारा, शान्ति व सौहार्द आदि बिगड़ रहा है। सरकार ऐसे मामलों में खासकर नागपुर के अराजक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे वरना हालात काफी बिगड़ सकते हैं, जो ठीक नहीं।

विपक्ष को भी कुंभ पर बोलने का देते मौका : राहुल-प्रियंका

सदन में हमें नहीं बोलने देते प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, वार्ता

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बात का समर्थन करते हुए कहा कि इस आयोजन से सबकी भावनाएं जुड़ी रही, इसलिए विपक्ष को भी बोलने का मौका देने के साथ ही श्री मोदी को भगदड़ में मारे लोगों को भी श्रद्धांजलि देनी चाहिए थी।

गांधी ने यहां संसद भवन परिसर में पत्रकारों से महाकुंभ पर लोकसभा में मोदी के संबोधन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बात का समर्थन करना चाह रहा था। कुम्भ हमारी संस्कृति है, हमारा इतिहास है, मगर प्रधानमंत्री को भगदड़ के मृतकों को श्रद्धांजलि भी देनी चाहिए थी। हमारी एकमात्र शिकायत यही है कि प्रधानमंत्री ने कुंभ में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि नहीं दी। महाकुंभ में गए युवा भी श्री मोदी से एक और चीज चाहते हैं, वह है रोजगार। लोकसभा में विपक्ष के नेता संसद में बोलने नहीं दिए जाने संबंधी विपक्ष के आरोप पर कहा कि हां हमें बोलने नहीं दिया जाता है। लोकतांत्रिक ढांचे के अनुसार नेता प्रतिपक्ष को बोलने का मौका मिलना चाहिए, लेकिन वे हमें बोलने नहीं देते। यह नया भारत है। वाड्रा ने कहा लोकसभा में विपक्ष को महाकुंभ पर बोलने का मौका नहीं दिए जाने पर निराशा जताते हुए कहा पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री ने महाकुंभ के बारे में सकारात्मक तरीके से बात की, लेकिन विपक्ष की भी महाकुंभ के प्रति भावनाएं हैं। विपक्ष की बात सुनने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए थी। मुझे लगता है कि विपक्ष को महाकुंभ पर बोलने के लिए कम से कम दो मिनट का समय दिया जाना चाहिए था। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि जब बजट सत्र शुरू हुआ तो हम पहले दिन से ही कुंभ पर चर्चा की मांग कर रहे थे, लेकिन चर्चा का मौका नहीं दिया गया और हमारी मांग को नज़रअंदाज़ कर दिया। आज प्रधानमंत्री ने बिना किसी पूर्व सूचना के कुंभ पर बयान दिया, जबकि एक प्रक्रिया है कि सदन को इसके बारे में सूचित किया जाना चाहिए। सदन को सूचित किए बिना अचानक प्रधानमंत्री ने आकर कुंभ के बारे में बयान दिया यह नियमों का उल्लंघन भी है। इसके पीछे क्या गोपनीयता है। विपक्ष के नेता भी इस बारे में अपनी बात कहना चाहते थे। यह सदन की परंपरा है, लेकिन सरकार का व्यवहार पूरी तरह से अलोकतांत्रिक है।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मिले कांग्रेस नेता

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज यहां भारत यात्रा पर आए न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात की। कांग्रेस सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि दोनों नेताओं के बीच आज सुबह यहां मुलाकात हुई, जिसे दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ाने को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी ने कहा कि गांधी और लक्सन की यह मुलाकात बहुत महत्वपूर्ण है। मुलाकात को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों नेताओं ने इस दौरान आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों पर चर्चा की। यह मुलाकात भारत और न्यूजीलैंड के बीच सहयोग को बढ़ाने की दिशा में एक कदम हो सकता है।

हमारी सरकार ने तेलंगाना में आरक्षण बढ़ाने का निभाया वादा: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि उनकी पार्टी की सरकार ने तेलंगाना में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की सीमा की 50 प्रतिशत की दीवार को पार कर ऐतिहासिक कम कर दिया है। गांधी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने का वादा पूरा कर दिया है। राज्य में वैज्ञानिक तरीके से हुई जातिगत गिनती से मिली ओबीसी समुदाय की वास्तविक संख्या स्वीकार की गई और शिक्षा, रोजगार और राजनीति में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विधानसभा में 42 प्रतिशत आरक्षण का बिल पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की दिशा में यह वाकई एक क्रांतिकारी कदम है, जिसके द्वारा राज्य में आरक्षण पर से 50 प्रतिशत की दीवार भी गिरा दी गई है। जातिगत सर्वेक्षण के डेटा से हर समुदाय के सामाजिक और आर्थिक हालात का विश्लेषण कर ऐसी नीतियां बनाई जाएंगी जिनसे सबकी बेहतरी सुनिश्चित हो। तेलंगाना सरकार ने इसके लिए एक इंडिपेंडेंट एक्सपर्ट ग्रुप भी बनाया है। गांधी ने कहा कि मैं लगातार कह रहा हूं कि एक्सरे 'यानी जातिगत जनगणना' से ही पिछड़े और वंचित समुदायों को उनका उचित हक़ मिल सकता है। तेलंगाना ने रास्ता दिखा दिया है, यही पूरे देश की जरूरत है। भारत में जाति जनगणना हो कर रहेगी, हम करवाकर रहेंगे।

अर्थ व्यापार

लिवाली की बदौलत शेयर बाजार हुआ गुलजार

मुंबई, वार्ता

चीन की अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ते आशावाद से विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत मंगलवार को शेयर बाजार तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1131.31 अंक अर्थात 1.53 प्रतिशत की छलांग लगाकर तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर 75 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 75,301.26 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले 21 फरवरी को यह 75,311.06 अंक पर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 325.55 अंक यानी 1.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,834.30 अंक हो गया। दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली

और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर लिवाली हुई, जिससे आज बाजार को पंख लग गए। इससे मिडकैप 2.10 प्रतिशत मजबूत होकर 40,189.53 अंक और स्मॉलकैप 2.73 प्रतिशत की उड़ान भरकर 45,031.45 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4159 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2815 में लिवाली जबकि 1221 में बिकवाली हुई वहीं 123 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 47 कंपनियां हरे जबकि अन्य तीन लाल निशान पर बंद हुईं। विश्लेषकों के अनुसार, चीन की अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ते आशावाद और एशियाई बाजारों में मजबूती के चलते मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार के दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने तेजी के साथ कारोबार किया। हालांकि, अमेरिका में टैरिफ बढ़ोतरी, फेडरल रिजर्व के बुधवार को ब्याज दर पर आने वाले फैसले और मौजूदा भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 439 अंक की तेजी के साथ 74,608.66 अंक पर पहुंच गया लेकिन ऊंचे भाव पर हुई मुनाफावसूली से थोड़ी देर बाद ही 74,480.15 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। वहीं इसके बाद शुरू हुई लिवाली की बदौलत यह लगातार चढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 75,385.76 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

चांदी पहली बार एक लाख के पार

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमत आज यानी, 18 मार्च को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 253 बढ़कर 88,354 हो गया है। इससे पहले गोल्ड कल 88,101 पर था। वहीं एक किलो चांदी आज 633 महंगी होकर 1,00,400 प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी का भाव 99,767 प्रति किलो था। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार इस साल सोना 92 हजार तक जा सकता है। 4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत- दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपए है। मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,000 रुपए है।

खाद्य तेलों में टिकाव, मीठे के बाजार में स्थिरता

नई दिल्ली, वार्ता

विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से मंगलवार को दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अप्रैल का पाम ऑयल वायदा 91 रिंगिट लुढ़ककर 4603 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं अप्रैल का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.30 सेंट की तेजी के साथ 42.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज: अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:- दाल-दलहन : चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7300-7400, मूंग दाल 9250-9350, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 8500-8600 रुपए प्रति क्विंटल रहे। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3100-3200 रुपए और चावल: 3150-3250 रुपए प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस. 4280-4380, चीनी एम. 4400-4500, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4250-4350 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेल : सरसों तेल 16116 रुपए, मूंगफली तेल 18168 रुपए, सूरजमुखी तेल 16849 रुपए, सोया रिफाइंड 15531 रुपए, पाम ऑयल 13553 रुपए और वनस्पति तेल 16336 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा है।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

इजरायल का...

गाजा में भोजन, दवाइयों, ईंधन और अन्य सप्लाई को रोक दिया है और मांग की है कि हमास सीजफायर समझौते में बदलाव स्वीकार करे। सीजफायर का पहला चरण एक मार्च को खत्म हो गया है। पहले चरण में हमास ने 33 बंधक छोड़े हैं, इनमें 8 शव शामिल हैं। वहीं इजरायल ने दो हजार फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। इजरायल और हमास के बीच सीजफायर के दूसरे चरण पर अभी तक बातचीत शुरू नहीं हो पाई है। इस फेज में लगभग 60 बंधकों को रिहा किया जाना था। साथ ही जंग को पूरी तरह से खत्म करने पर बात होनी थी। हमास के पास अभी 24 जिंदा बंधक और 35 के शव हैं। इजरायल और फलस्तीन के बीच सीजफायर डील तीन चरण में पूरी होनी थी। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कैदियों की अदला-बदला पर समझौता हुआ था। पहला चरण पूरा हो चुका है। दूसरे चरण पर बात नहीं बन पाई। पहला चरण: 19 जनवरी से एक मार्च तक गाजा में पूरी तरह से युद्धविराम रहा। हमास ने 33 इजरायली बंधकों को रिहा किया। इजरायल रोजाना अपने एक बंधक के बदले 33 फलस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा। हर एक इजरायली महिला सैनिक के बदले 50 फलस्तीनी बंदियों को रिहाई मिलेगी। दूसरा चरण: कहा गया था कि पहले फेज के 16वें दिन, यानी 3 फरवरी तक सब कुछ ठीक रहा, तो दूसरे चरण की योजना पर बातचीत शुरू होगी। इस दौरान हमला नहीं किया जाएगा। जिंदा बचे हुए बाकी बंधकों को रिहा किया जाएगा। हालांकि बातचीत अभी तक शुरू नहीं हो सकी है। इजरायल एक हजार फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा, इनमें लगभग 190 कैदी 15 साल से ज्यादा समय से सजा काट रहे हैं। तीसरा चरण: इस डील के आखिरी चरण में गाजा को दोबारा बसाया जाएगा। इसमें 3 से 5 साल का समय लगेगा। हमास के कब्जे में मारे गए बंधकों के शव भी इजरायल को सौंपे जाएंगे। सीजफायर का पहला चरण एक मार्च को खत्म हो गया है। पहले चरण में हमास ने 33 बंधक छोड़े हैं, इनमें 8 शव शामिल हैं। वहीं इजरायल ने दो हजार फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। इजरायल और हमास के बीच सीजफायर के दूसरे चरण पर अभी तक बातचीत शुरू नहीं हो पाई है। इस फेज में लगभग 60 बंधकों को रिहा किया जाना था। साथ ही जंग को पूरी तरह से खत्म करने पर बात होनी थी। हमास के पास अभी 24 जिंदा बंधक और 35 के शव हैं। इजरायल और फलस्तीन के बीच सीजफायर डील तीन चरण में पूरी होनी थी। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कैदियों की अदला-बदला पर समझौता हुआ था। पहला चरण पूरा हो चुका है। दूसरे चरण पर बात नहीं बन पाई। पहला चरण-19 जनवरी से एक मार्च तक गाजा में पूरी तरह से युद्धविराम रहा। हमास ने 33 इजरायली बंधकों को रिहा किया। इजरायल रोजाना अपने एक बंधक के बदले 33 फलस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा। हर एक इजरायली महिला सैनिक के बदले 50 फलस्तीनी बंदियों को रिहाई मिलेगी। दूसरा चरण: कहा गया था कि पहले फेज के 16वें दिन, यानी 3 फरवरी तक सब कुछ ठीक रहा, तो दूसरे चरण की योजना पर बातचीत शुरू होगी। इस दौरान हमला नहीं किया जाएगा। जिंदा बचे हुए बाकी बंधकों को रिहा किया जाएगा। हालांकि बातचीत अभी तक शुरू नहीं हो सकी है। इजरायल एक हजार फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा, इनमें लगभग 190 कैदी 15 साल से ज्यादा समय से सजा काट रहे हैं। तीसरा चरण- इस डील के आखिरी चरण में गाजा को दोबारा बसाया जाएगा। इसमें 3 से 5 साल का समय लगेगा। हमास के कब्जे में मारे गए बंधकों के शव भी इजरायल को सौंपे जाएंगे।

नागपुर में... है। औरंगजेब की कब्र देखने आने वाले पर्यटकों के नाम, मोबाइल नंबर और आधार कार्ड की जांच की जा रही है। जिस जगह बवाल हुआ, वहां वाहनों की पार्किंग थी। बाइक-कार मिलाकर 50 से ज्यादा वाहनों में आग लगाई गई। औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र जलाने से बवाल हुआ सोमवार को नागपुर में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान गोबर के कंडों से भरा एक हरे रंग का कपड़ा जलाया गया। वीएचपी के मुताबिक, ये औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र थी। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद देर शाम 7:30 बजे नागपुर के महल इलाके में हिंसा भड़क गई। पथराव और तोड़फोड़ शुरू हो गई। उपद्रवियों ने घरों पर पथराव किया और सड़क पर खड़े दर्जनों वाहनों में तोड़फोड़-आगजनी की। सीएम ने घायल डीसीपी से वीडियो कॉल पर बात की मंगलवार को सीएम देवेंद्र फडनवीस ने विधानसभा में बताया कि नागपुर हिंसा को लेकर 5 एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, 31 पुलिसकर्मी और 7 नागरिक घायल हुए हैं। फडनवीस ने कुल्हाड़ी के हमले से घायल डीसीपी निकेतन कदम से वीडियो कॉल पर बात भी की। हिंसा के बाद शहर के गणेशपेठ, लकड़गंज, पचपावली, शांतिनगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाड़ा, यशोधरा नगर और कपिल नगर में कर्फ्यू लगाया गया है। इसके अलावा मुंबई में भी पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

ताशकंद के... उत्तराखंड को देश विदेश के निवेशकों के लिए एक आदर्श राज्य बनाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्बेकिस्तान की हस्तशिल्प कलाएं और उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहरें हस्तशिल्प, बांस कला और ऊन बुनाई जैसे पारंपरिक शिल्पकारों के बीच आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करती है। यह कार्यक्रम दोनों पक्षों के बीच व्यापार पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने उज्बेकिस्तान के सभी नागरिकों को उत्तराखंड आने और यहां की प्राकृतिक सुंदरता एवं समृद्ध संस्कृति को अनुभव करने के लिए भी आमंत्रित किया।

मणिपुर में शांति बहाली को सरकार प्रतिबद्ध:सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मल सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि मोदी सरकार मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है और मणिपुर का मुद्दा बहुत ही संवेदनशील है तथा इसमें सभी को एक दूसरे का समर्थन करना चाहिए। सीतारमण ने सदन में विनियोग विधेयक 2025, विनियोग (संख्या दो) विधेयक 2025, मणिपुर विनियोग (लेखानुदान) विधेयक 2025 और मणिपुर विनियोग विधेयक 2025 पर सोमवार को हुई चर्चा का मंगलवार को जवाब दिया और संघर्षग्रस्त मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को उचित ठहराते हुए कहा कि बजट का उद्देश्य जातीय संघर्षों से प्रभावित अर्थव्यवस्था की चिंताओं को दूर करना है। उन्होंने कहा कि मणिपुर एक संवेदनशील मुद्दा है और सभी दलों को राज्य में स्थाई शांति लाने के लिए सामूहिक रूप से काम करना चाहिए।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काशीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैंडसअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
हैल्थ प्लस सिरप
खून की कमी, भूख ना लगना, विटामिन व हार्मोन्स की कमी, शारीरिक दुर्बलता, गर्भवती महिला, दूध का कम बनना, लीवर व पेट की समस्याओं में उपयोगी
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मुकद्दस रमजान 18
सुन्नी
बुधवार अफतार 6:30 | गुरूवार सेहरी 5:02
शिया
बुधवार अफतार 6:35 | गुरूवार सेहरी 5:07

मुकद्दस रमजानुल मुबारक
की हार्दिक शुभकामनाएं

हाजी मौहम्मद सुलेमान अंसारी
प्रदेश सचिव
कांग्रेस कमेटी उत्तराखण्ड
पूर्व ग्राम प्रधान
मेहुंवाला माफी, देहरादून।

शिक्षा विभाग को कला वर्ग में मिले 789 अतिथि शिक्षक

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में शीघ्र ही 789 और अतिथि शिक्षकों की तैनाती की जायेगी। प्रवक्ता संवर्ग के इन शिक्षकों को प्रदेश के पर्वतीय व दूरस्थ क्षेत्र के विद्यालयों में कला वर्ग के विभिन्न विषयों के सापेक्ष नियुक्त किया जायेगा। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने इस संबंध में विभागीय अधिकारियों को अतिथि प्रवक्ताओं को जनपद व विषयवार शीघ्र नियुक्ति देने के निर्देश दिये हैं।

राज्य सरकार ने प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के दृष्टिगत प्रवक्ता संवर्ग के रिक्त पदों के प्रति अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति करने का निर्णय लिया था। समय-समय पर तात्कालिक व्यवस्था के तहत विभाग द्वारा रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों की तैनाती की गई। विद्यालयों में

■ मैरिट के आधार पर चयन कर जिलों को भेजी सूची, माध्यमिक विद्यालयों में रिक्त पदों के सापेक्ष होंगे तैनात, शिक्षा मंत्री डॉ. रावत ने शीघ्र तैनाती के दिए निर्देश

शिक्षकों की कमी और राज्य लोक सेवा आयोग से प्रवक्ता शिक्षकों के मिलने में हो रही देरी को देखते हुये एक बार फिर कला वर्ग में 789 और अतिथि प्रवक्ताओं को तैनाती दी जायेगी। कला वर्ग के इन सभी अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति प्राथमिकता के आधार पर पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्र माध्यमिक विद्यालयों में दी जायेगी। इस संबंध में विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों को अतिथि शिक्षकों की शीघ्र तैनाती के निर्देश दिये हैं। इससे पहले विभाग द्वारा विज्ञान वर्ग में 157 अतिथि प्रवक्ताओं की नियुक्ति की गई।

प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के दृष्टिगत कला वर्ग के विषयों के 789 अतिथि प्रवक्ताओं की मेरिट सूची तैयार कर जनपदों को भेज दी गई है। इन अतिथि शिक्षकों को रिक्त पदों के सापेक्ष शीघ्र तैनाती देने हेतु सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये है। प्रदेश के नौनिहालों को बेहतर शिक्षा सुलभ हो इसके लिये सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।
-डॉ. धन सिंह रावत, विद्यालयी शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड सरकार।

किस विषय में अतिथि अतिथि शिक्षक

हिन्दी विषय में 193, भूगोल 90, अर्थशास्त्र 194, नागरिकशास्त्र 217 तथा इतिहास विषय में 95 अतिथि शिक्षक शामिल है। इन सभी अतिथि प्रवक्ताओं को मेरिट के आधार पर जनपद आवंटित कर दिये गये हैं, जहां विभिन्न राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में इन्हें संवर्गवार व विषयवार नियुक्त दी जायेगी। जिसमें चमोली जनपद में विभिन्न विषयों के 101 अतिथि प्रवक्ताओं को तैनाती दी जायेगी। इसी प्रकार पिथौरागढ़ में 98, पौड़ी 154, अल्मोड़ा 90, उत्तराकशी 22, टिहरी 61, नैनीताल 39, चम्पावत 44, बागेश्वर 55, रूद्रप्रयाग 61, देहरादून 19, ऊधमसिंह नगर 42 तथा हरिद्वार में 03 अतिथि शिक्षक शामिल है।

मधु पालन प्रोत्साहन को सीएम आवास में शहद उत्पादन

सीएम पुष्कर धामी ने शहद महोत्सव आयोजन के दिए निर्देश

एम. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। उत्तराखंड को शहद उत्पादन के लिए एक मॉडल स्टेट बनाने के लिए कोशिशें तेज कर दी गई हैं। राज्य में रोजगार के साधन बढ़ाने के लिए लगातार कोशिशों के तहत अब मौन पालन यानी शहद उत्पादन को लेकर भी धामी सरकार ने रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। राज्य में वर्तमान में करीब 1700 मीट्रिक टन शहद का उत्पादन हो रहा है, जिसको बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए मुख्यमंत्री ने शहद महोत्सव आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री आवास में भी मधुमक्खी पालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री आवास परिसर में मंगलवार को शहद निष्कासन कार्य किया गया। पहले चरण में 57 किलोग्राम शहद निकाला किया गया है। अकेले मुख्यमंत्री आवास से ही इस बार लगभग 200 किलोग्राम तक शहद के निकालने का लक्ष्य रखा गया।

मुख्यमंत्री ने बी-कीपिंग कार्य को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लेते हुए शहद महोत्सव आयोजित करने के लिए उद्यान विभाग को निर्देश दिये गये। जिसमें मधुमक्खी द्वारा तैयार किए जाने वाले समस्त प्रोडक्ट महोत्सव में रखने और हर वर्ष शहद महोत्सव की एक तिथि भी निर्धारित करने को कहा गया। धामी सरकार ने मौन पालकों को सेब के बागीचों में

■ मुख्यमंत्री आवास में ही निकाला गया 57 किलो ग्राम शहद, राज्य में करीब 1700 मीट्रिक टन शहद का हो रहा उत्पादन, पर्वतीय क्षेत्रों में भी मौन पालन को प्रोत्साहित करने की योजना

मौन बक्से रखने के लिए प्रति बक्सा 350 रुपये से बढ़ाकर 750 रुपये प्रति बक्सा किया है। अपर निदेशक उद्यान रतन कुमार बताते हैं कि इस योजना से शहद उत्पादन के व्यवसाय की तरफ पर्वतीय क्षेत्रों में भी लोगों का रुझान बढ़ रहा है। वर्तमान में राज्य में 6162 मौन पालक हैं और करीब 2.71 लाख मौन वंश कॉलोनियां का इस्तेमाल करके 1700 मीट्रिक टन शहद उत्पादन हो रहा है। उद्यान प्रभारी दीपक पुरोहित का कहना है कि मुख्यमंत्री आवास में भी उच्च कोटि का शहद प्राप्त हो रहा है।

उत्तराखंड में मौन पालन की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में प्रचुर मात्रा में फूलों की प्रजातियां हैं, जो उच्च गुणवत्ता वाले जैविक शहद उत्पादन में सहायक हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में औषधीय गुणों वाला शहद तैयार करने के लिए लोगों प्रशिक्षण दिया जाए। मौन पालन को बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक किया जाए।
पुष्कर धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड'

नेशनल ब्रॉडबैंड मिशन 2.0 की तैयारियों को लेकर निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो देहरादून। नेशनल ब्रॉण्डबैण्ड मिशन 2.0 (एनबीएम) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर 7वीं स्टेट ब्रॉडबैण्ड कमेटी की बैठक मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में सचिवालय में आयोजित की गई। ये मिशन एक अप्रैल से आरंभ होगा। राज्य के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में सर्वव्यापी एवं समान ब्रॉण्डबैण्ड सेवाओं की आसान पहुंच सुनिश्चित करने को लेकर सीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने राज्य में नेशनल ब्रॉण्डबैण्ड मिशन 2.0 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी एवं प्रतिस्पर्धात्मक कनेक्टिविटी हेतु सेटेलाइट ब्रॉण्डबैण्ड को प्रोत्साहित करने तथा पिटकुल व यूपीसीएल की मदद से आप्टिकल ग्राउण्ड वायर के उपयोग के प्रोत्साहन हेतु निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने बीएसएनएल को 4जी सेचुरेशन स्कीम का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने को कहा है। बैठक में अपर सचिव निकिता खण्डेलवाल, विनीत कुमार सहित एडीजी टेलीकॉम राकेश कुमार सहित आईटी विभाग, बीएसएनएल, यूपीसीएल एवं पिटकुल के अधिकारी मौजूद रहे।

धामी सरकार 0.2 के तीन वर्ष पर होंगे कार्यक्रम आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य की पुष्कर सिंह धामी सरकार 0.2 के तीन वर्ष सफलता से पूरे हो रहे हैं। तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं कि 23 मार्च को वर्तमान सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार राज्य के जनपद मुख्यालयों में आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत जन सेवा थीम पर बहुदेशीय शिविरों एवं चिकित्सा शिविरों का आयोजन किये जाएगे।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने निर्देश जारी किये हैं कि प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार जनपदों में चिकित्सा शि. विरो एवं बहुदेशीय शिविरो का आयोजन 22 मार्च से 25 मार्च तक किया जायेगा। मुख्य कार्यकम 22 मार्च को जनपद अल्मोड़ा में तथा 23 मार्च को जनपद देहरादून में आयोजित किया जायेगा। समस्त जनपदों के जनपद मुख्यालयों में भी

23 मार्च 2025 को कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है. जिसमें सूचना विभाग द्वारा तैयार विकास पुस्तिका का विमोचन, बहुद्देशीय शि. विर तथा चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जायेगा। जनपद मुख्यालयों में कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्बन्धित जनपद के प्रभारी मंत्री जी के द्वारा की जायेगी। जिन जनपदों में कतिपय कारणों से मा० प्रभारी मंत्री जी की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, वहां कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद द्वारा की जायेगी। सम्बन्धित जिलाधिकारी कार्यक्रम

■ ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रमों की रूपरेखा को मुख्य सचिव ने समीक्षा कार्यक्रमों के आयोजन के सम्बन्ध में जिलाधिकारियों को निर्देश

की अध्यक्षता हेतु प्रभारी मंत्री/ सां. सदगण से निवेदन कर समन्वय स्थापित करेंगे। बहुउद्देशीय शिविर में आम जन को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की उपलब्धता, विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान की जाने वाली जनोपयोगी योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी, नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवाओं का वितरण आदि सुनिश्चित किया जाएगा, इसके साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेते हुए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लाभार्थियों की सक्सेस स्टोरीज का भी प्रचार-प्रसार किया जाय।

विमान अपहरण हो जाने की स्थिति से निपटने के गुर सिखाए

शाह टाइम्स संवाददाता देहरादून। जॉलीग्रांट एयरपोर्ट के एंटी हाइजैकिंग नियंत्रण कक्ष में एयरपोर्ट एरोड्रोम कमेटी की प्रथम बैठक उत्तराखंड की विशेष सचिव गृह रिद्धिम अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई जिसमें अकस्मात विमान अपहरण किए जाने की स्थिति से निपटने और उस के तत्काल समाधान पर विस्तार से जानकारी साझा की गई।एयरपोर्ट ऑथरिटी के निदेशक प्रभाकर मिश्र सहित अनेक सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों के द्वारा एन्टी हाईजैकिंग के समय पेश आने वाली समस्याओं के समाधान को सुझाव व उपायों के साथ साथ परीक्षण व स्मोक ड्रिल की गई। ड्रिल में अस्थाई विमान को अपहरण कर उसके लिए सेना, एयरफोर्स, अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने त्वरित उपाय व नियोजित एन्टी हाइजैकिंग स्कीम कर विमान को मुक्त कराने की प्रक्रिया को अंजाम दिया।इस अवसर पर दून विश्विद्यालय

■ जॉलीग्रांट एयरपोर्ट के एंटी हाइजैकिंग नियंत्रण कक्ष में एयरपोर्ट एरोड्रोम कमेटी की प्रथम बैठक आयोजित

से प्रोफेसर मधुरेन्द्र झा को चीनी भाषा और उत्तराखंड उर्दू अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष डा अफजल मंगलोरी को उर्दू भाषा के ज्ञाता के रूप में समिति में शामिल किया गया। इस बैठक व स्मोक एक्सरसाइज में सीआई एसएफ के डिप्टी कमांडेंट एनपीएस मुंग, सेना से ब्रिगेडियर हरीश सोनी, लेफ्टिनेंट कर्नल आई के गुरुंग, एयरफोर्स से नीरज शर्मा, स्टेशन मैनेजर आरती शर्मा, एयर इंडिया के स्टेशन हेड आशीष कुमार, आई बी से अशोक सती, उपनिदेशक बीसीएएस मनीष कुमार व मुख्य सुरक्षा अधिकारी विपिन यादव, अमित कुमार आदि शामिल हुए।

रुद्रपुर के भाजपा नेता पर पॉक्सो में मुकदमा कांग्रेस बोली, शर्म करो भाजपाइयों

पिछले 6 महीने के अंदर आधा दर्जन नेता महिला अपराध में संलिप्त पाए गए: गरिमा

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने कहा है कि पहले सल्ट के मंडल अध्यक्ष भगत बोरा, फिर चंपावत के मंडल अध्यक्ष कमल रावत, फिर लालकुआं दुग्ध संघ के अध्यक्ष मुक.ेश बोरा, फिर हरिद्वार बहादराबाद ओबीसी प्रकोष्ठ के सदस्य आदित्यराज सैनी, उपरोक्त चारों भाजपा नेताओं पर नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म के आरोप ही नहीं मुकदमे दर्ज हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि अब ताजा मामला रुद्रपुर से वार्ड नंबर 8 के भाजपा पार्षद शिव कुमार गंगवार का है। शिवकुमार पर आरोप है की होली के दिन उसने दो महिलाएं जिसमें एक नाबालिक युवती भी है उनके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। शिवकुमार गंगवार के ऊपर पोक्सो के तहत मुक.दमा दर्ज हो चुका है लेकिन विडंबना देखिए कि अभी तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने भी उस पर कोई एक्शन नहीं लिया है। सबको सांप सूंघ गया है। यही है उत्तराखंड भारतीय जनता पार्टी का चाल चरित्र चेहरा कि पिछले 6 महीने के अंदर आधा दर्जन नेता महिला अपराध में संलिप्त पाए गए हैं।

उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने लिया छात्रा की मौत का संज्ञान

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। वाइनबर्ग एलेन में छात्र की मृत्यु की दुखद घटना का उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष, डॉ. गीता खन्ना ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी, देहरादून को निर्देश दिए हैं कि एक मेडिकल टीम का गठन किया जाए। यह टीम बच्चे के डूबने और उसके तत्पश्चात दी जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) एवं अन्य सुविधाओं की जांच करेगी। साथ ही, अस्पताल में ऑक्सीजन की उपलब्धता, सुरक्षा कर्मियों, लाइफ गार्ड्स की तैनाती एवं उनमें प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड), लाइफ सपोर्ट और सीपीआर देने की क्षमता का भी मूल्यांकन किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून एवं जिला अधिकारी, चीफ मेडिकल ऑफिसर एवं मुख्य शिक्षा अधिकारी देहरादून को संपूर्ण मामले की जांच कर

■ आयोग की अध्यक्ष, डॉ. गीता खन्ना ने सीएमओ को दिए जांच के लिए मेडिकल टीम का गठन करने के निर्देश वाइनबर्ग एलेन में हुई थी छात्र की डूबने से मौत

विस्तृत आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। 15 मार्च को मुख्यमंत्री के आदेश के बाद भी इस विद्यालय ने छुट्टी नहीं दी थी ,इसके लिए अधिकारियों ने जाकर विद्यालय को बंद कराया

यह स्मरणीय है कि पिछले वर्ष हल्द्वानी के एक विद्यालय के छात्र की बरेली के पार्क में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस घटना के बाद आयोग ने सरकार को पत्र लिखकर शिक्षा विभाग एवं पर्यटन विभाग को सूचित किया था कि सभी एडवेंचर स्पोर्ट्स स्थलों एवं विद्यालयों में कम से कम 30 फीसदी स्टाफ को सीपीआर प्रशिक्षण प्राप्त होना अनिवार्य किया जाए, ताकि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में वे केवल बच्चे को लेकर भागने के बजाय त्वरित उपचार प्रदान कर सकें।

भट्ट ने वन अग्नि प्रबंधन परियोजना और सहकारी समिति के कंप्यूटरीकरण का मुद्दा उठाया

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने सदन में वन अग्नि प्रबंधन परियोजना और सहकारी समिति के कंप्यूटरीकरण का मुद्दा उठाया है।

उन्होंने सत्र में चर्चा के दौरान पूछे गए आतंरकित प्रश्न संख्या 1644 में उन्होंने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से संबंधित वन अग्नि प्रबंधन परियोजना की जानक.ारी मांगी। उन्होंने पूछा, इस परियोजना में केन्द्र सरकार द्वारा उत्तराखंड की वन अग्नि घटनाओं के लिए क्या प्रावधान किए गए हैं। जिसके जबाब में राज्य मंत्री कीर्तवर्धन सिंह ने बताया कि वित्त वर्ष 2017-18 से क्रियान्वित की जा रही वनाग्नि निवारण और प्रबंधन स्कीम के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करके वनाग्नि का निवारण और नियंत्रण करने में उत्तराखंड राज्य सहित अन्य राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों में सहायता प्रदान की जा रही है।

जिसमें संचार और सूचना प्रौघ्योगिकी के उपयोग, वन क्षेत्रों में फायर लाइनों के सृजन और अनुरक्षण, अग्नि सुरक्षा प्रहरियों की नियुक्ति, वन क्षेत्रों में जल का भंडार करने वाली संरचनाओं के निर्माण, वन अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, अग्निशमन उपकरणों की खरीद, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में मृदा और नमी संरक्षण संबंधी कार्यों, जागरूकता सृजन और ऐसे अन्य कार्यकलापों जैसे वनाग्नि निवारण और प्रबंधन संबंधी विभिन्न उपायों के लिए उत्तराखंड राज्य को भी सहायता प्रदान की जाती है।

■ राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने सदन में रखा विषय , श्रम और रोजगार मंत्रालय से घरेलू कामगारों की समस्याओं से जुड़े मुद्दे भी उठाए

वहीं सहकारिता समितियों के कंप्यूटीकरण के विषय से जुड़े सवाल उन्होंने प्रश्न संख्या 1452 में पूछे। जिसके जबाब में सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की तरफ से बताया गया कि भारत सरकार ने कुल ध्2,516 करोड़ के वित्तीय परिव्यय से कार्यशील पैक्स के कंप्यूटरीकरण की परियोजना को अनुमोदित किया है। जिसमें सभी कार्यशील पैक्स को एक ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) आधारित कॉमन राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर पर लाकर उन्हें राज्य सहकारी बैंकों और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के माध्यम से राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के साथ लिंक करना है। इस परियोजना के अधीन 30 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से कुल 67,930 पैक्स स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से दिनांक 27 जनवरी तक 50,455 पैक्स को म्त्च सॉफ्टवेयर पर ऑनबोर्ड किया गया है। जिसमें से उत्तराखंड के कुल चयनित 670 में 185 पैक्स ऑनबोर्ड किए गए हैं। सॉफ्टवेयर पर निर्बाध कार्यकरण की सुविधा के लिए नाबार्ड द्वारा संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें अब तक 17 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से पैक्स के 1,42,746 कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया है।इसी तरह उन्होंने प्रश्न संख्या 160 के तहत श्रम और रोजगार मंत्रालय से घरेलू कामगारों की समस्याओं से जुड़े मुद्दे उठाए।

दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार, तीन घटनाओं का पुलिस ने किया खुलासा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। नगर क्षेत्र में रहा चलती महिलाओं और लोगों के साथ लूट की वारदातों को अंजाम देकर फरार हो जाने वाले स्कूटी सवार दो शातिर लुटेरों को आखिरकार कोतवाली कैंट पुलिस ने चोरी की दो स्कूटी समेत गिरफ्तार कर लिया पकड़े गए दोनों लुटेरे से सम्मान खरीदने वाले एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गयास

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने मंगलवार को अपने कार्यालय में मीडिया कर्मियों को जानकारी देते हुए बताया कि विगत कुछ समय से नगर के कोतवाली कैंट क्षेत्र में सक्रिय रहे चेन लुटेरे द्वारा रहा चलती महिलाओं और लोगों के से मोबाइल फोन लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया जा रहा थास अजय सिंह ने बताया कि कोतवाली कैंट क्षेत्र में चौन लूट घटनाओं को देखते हुए उन्होंने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कैलाश भट्ट को लुटेरों को गिरफ्तार करने और उनके पास से लूट का समान बरामद करने के निर्देश दिए थे साथ ही साथ घटना में प्रयुक्त की गई स्कूटीयों को भी बरामद करने के निर्देश दिए गए थे और पार्किंग से स्कूटी चोरी करने के मामले पर भी अभियोग पंजीकृत किया गया थास

अजय सिंह ने बताया कि लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले लुटेरों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया था साथ ही साथ चेन लूट की वारदातों के बाद पीड़ित ऑन की तहरीर पर गाड़ी कैंट कोतवाली में तीन अभियोग पंजीकृत किए गए जिम सुरेश कुमार वर्मा द्वारा बताया गया था कि एक्सिस बैंक की पार्किंग से उनकी स्कूटी किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई है। तहरीर के आधार पर धारा 303 (2) ठछै पंजीकृत किया गया दूसरी और केंट कोतवाली में श्रीमती किरण तिवारी पत्नी आशीष तिवारी निवासी यमुना कॉलोनी देहरादून ने थाना कैंट पर लिखित सूचना दी की 3 मार्च की सांय लगभग जब वह यमुना कॉलोनी बाजार से सामान लेकर फोन पर बात करते हुए अपने घर की तरफ पैदल-पैदल जा रही थीं तो पीछे से दो अज्ञात स्कूटी सवार उनका मोबाइल छीनकर भाग गये। प्रार्थना पत्र के आधार पर कोतवाली धारा 304(2) भा0न्या0सं0 पंजीकृत किया गया।

वही 6 मार्च को 112 कंट्रोल रूम सूचना दी गई कि गोविंदगढ़ ईदगाह के पास दो अज्ञात स्कूटी सवार एक महिला का फोन छीनकर भाग गये हैं, जिसमें पीड़िता पूर्णिमा की तहरीर पर कोतवाली कैंट में धारा 304(2) भा0न्या0सं0 पंजीकृत किया गया।

कैंट क्षेत्र में लगातार हुई घटनाओं की गम्भीरता के दृष्टिगत गठित टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर वहां तथा आस-पास आने-जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों का तथा सीसीटीवी फुटेजों से प्राप्त संदिग्धों के की तलाश प्रारंभ की गई। पुलिस टीम दोबारा विगत दिवस 18 मार्च को चौकिंग के दौरान उक्त घटनाओ में शामिल दो लुटेरे कुबेर गुप्ता शुभम जलाल को घटनाओं में लूटे गये मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी संख्या: यू0के0-07-बीपी-9172 एक्टिवा के साथ गिरफ्तार किया गया।

चारधाम यात्रा में सुविधाओं को लेकर बड़े स्तर पर तैयारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार चारधाम यात्रा 2025 के दौरान तीर्थयात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध दिखा रही है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के मार्गदर्शन में विभाग ने यात्रा को और अधिक सुगम, सुरक्षित और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इस बार यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य के मद्देनजर व्यापक तैयारियां की हैं। इस बार चारधाम और यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सेवाओं में अभूतपूर्व विस्तार किया जा रहा है।

केदारनाथ-बद्रीनाथ में नए अस्पताल स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि इस बार केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में दो नए अस्पताल खोले जा रहे हैं। केदारनाथ में 17 बेड और बद्रीनाथ में 45 बेड के अस्पताल स्थापित किए जाएंगे, जो तीर्थयात्रियों को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे। इसके अलावा, यात्रा मार्ग पर 25 विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को त्वरित चिकित्सा सहायता मिल सके।

स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार

इस साल यात्रा मार्ग में 20 मेडिकल रिलीफ पोस्ट (एमआरपी) और 31 स्वास्थ्य जांच केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जो तीर्थयात्रियों की उच्च ऊंचाई से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं की जांच करेंगे। देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी और टिहरी जैसे ट्रांजिट जिलों में 37 स्थायी स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ किया गया है और नई स्क्रीनिंग इकाइयों की स्थापना की योजना बनाई गई है।

एम्बुलेंस, हेलीकॉप्टर, बोट एम्बुलेंस सेवाएं

स्वास्थ्य विभाग ने यात्रा मार्ग पर 154 एम्बुलेंस तैनात करने का निर्णय लिया है, जिनमें 17 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस शामिल हैं। इसके अलावा, एम्स ऋषिकेश द्वारा संचालित

■ स्वास्थ्य सेवाओं में बड़े सुधार, श्रद्धालुओं को बेहतरीन इलाज 154 एम्बुलेंस तैनात हेलीकॉप्टर व बोट एम्बुलेंस सेवाएं उपलब्ध ई-स्वास्थ्य धाम पोर्टल के माध्यम से स्वास्थ्य निगरानी

हेलीकॉप्टर एम्बुलेंस और टिहरी झील में बोट एम्बुलेंस भी उपलब्ध रहेंगी, ताकि आपातकालीन स्थिति में श्रद्धालुओं को त्वरित चिकित्सा सहायता मिल सके।

सुरक्षा को लेकर नई रणनीतियाँ

पिछले साल 34,000 से अधिक मेडिकल आपातकालीन मामले सामने आए थे, जिसमें 1,011 मरीजों को एम्बुलेंस द्वारा और 90 मरीजों को हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू किया गया था। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि इस साल स्वास्थ्य मित्रों (फर्स्ट मेडिकल रिस्पॉन्डर) की संख्या बढ़ाई जा रही है, ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सहायता मिल सके।

ई-स्वास्थ्य धाम पोर्टल के माध्यम से स्वास्थ्य निगरानी

स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीकी रूप से उन्नत किया जा रहा है। इस वर्ष ई-स्वास्थ्य धाम पोर्टल को अपग्रेड किया जाएगा, जिसमें एक ैै बटन जोड़ा जाएगा, ताकि तीर्थयात्री आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें। इसके अलावा, प्वाइंट ऑफ केयर टेस्टिंग डिवाइस के माध्यम से तीर्थयात्रियों की 28 महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मापदंडों की तुरंत जांच की जाएगी।

धामी सरकार की प्रतिबद्धता

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि पिछले वर्ष लाखों श्रद्धालुओं ने चारधाम यात्रा की थी। उच्च ऊंचाई से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण महज कुछ श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कते हुई। इस बार स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार किया गया है। इसके लिए केंद्र सरकार से धनरा.शि स्वास्थ्य कर्मियों को प्रोत्साहन के रूप में मंजूर की गई है और गुप्तकाशी में 50 बेड के अस्पताल के लिए बजट स्वीकृत किया गया है।

आगे की योजना और यात्रियों की सुरक्षा

इस बार तीर्थयात्रियों के लिए अनिवार्य स्वास्थ्य घोषणा को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि यात्रा से पहले ही हाई-रिस्क तीर्थयात्रियों की पहचान की जा सके। इसके अलावा, आपातकालीन कॉल सेंटर को और मजबूत किया जाएगा और यात्रा मार्ग पर होटल, धर्मशाला, खच्चर चालकों और अन्य स्थानीय सेवाओं से जुड़े लोगों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की नेतृत्व में राज्य सरकार का यह प्रयास है कि चारधाम यात्रा 2025 को श्रद्धालुओं के लिए न केवल आध्यात्मिक बल्कि स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी सुरक्षित और सुकूनदायक बनाया जाए।

एलयूसीसी मामले में मंत्री डा. रावत ने दिए जांच के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। गढ़वाल क्षेत्र में एलयूसीसी द्वारा स्थानीय लोगों के साथ किये गये घोटाले को लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य एवं सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने उत्तराखंड पुलिस से जल्द सीबीसीआईडी जांच कराने के निर्देश दिये है। उन्होंने डीजीपी उत्तराखंड दीपम सेठ को स्थानीय लोगों की मांग पर जल्द जांच बैठाकर ठोस कार्यवाही के निर्देश दिये है। उद्योग व्यापार मंडल श्रीनगर द्वारा भी सहकारिता मंत्री से लोगों के साथ अन्याय करने वालों के खिलाफ ठोस कार्यवाही की मांग रखी। द लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसायटी (एलयूसीसी) द्वारा गढ़वाल क्षेत्र में जगह-जगह मिनी बैंक की शाखाएं खोलकर लोगों को लालच देकर पैसा

जमा कराया गया, जिसके बाद कंपनी लोगों के रूपये लेकर फरार हो गयी। उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी एवं पूर्व पालिका अध्यक्ष विपिन चन्द्र मैठानी ने लोगों के साथ हुए अन्याय को लेकर प्रदेश के सहकारिता एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से दून में पहुंचकर मुलाकात करते हुए जल्द फरार कंपनी के खिलाफ कार्यवाही की मांग उठाई। कंडारी ने बताया कि उक्त मामले में प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मौके पर डीजीपी उत्तराखंड को बुलाकर एलयूसीसी के खिलाफ सीबीसीआईडी जांच कराने के निर्देश दिये है।

साथ ही कहा कि स्थानीय लोगों के साथ अन्याय करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्सा नहीं जायेगा। कंडारी ने स्थानीय लोगों को न्याय दिलाने के लिए सहकारिता मंत्री सीबीसीआईडी जांच कराने पर आभार प्रकट किया है। कहा कि सहकारिता मंत्री द्वारा लगातार जनता की परेशानियों को समझते है और उन्हें हल कराने का पूरा प्रयास करते है। कहा कि श्रीनगर में एलयूसीसी के निवेशकों द्वारा गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से वार्ता की थी, जिसमें भी जल्द कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

पैदल यात्रा करके दिल्ली जंतर मंतर को निकले शिक्षक-कर्मचारी

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर बना है आक्रोश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा का एनपीएस/यूपीएस का विरोध निरंतर जारी है। देहरादून शहीद स्मारक से दिल्ली जंतर मंतर तक पैदल यात्रा शुरू हो चुकी है, जो 23 मार्च को दिल्ली जंतर मंतर में पहुंचकर धरना प्रदर्शन करेगी। इस यात्रा में जनपद के कार्मिक भी प्रतिभाग कर रहे हैं।

जनपद से इस पैदल यात्रा में राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष अंकित रौथाण एवं ब्लॉक जखोली प्रवीण घिल्डियाल पैदल यात्री बनकर चल रहे हैं। इस पैदल यात्रा को कार्मिकों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। जिलाध्यक्ष अंकित रौथाण ने बताया कि इस यात्रा से पूर्व

भी पुरानी पेंशन बहाली के लिए जनपद से जनपद देहरादून तक पैदल यात्रा की गई थी। तत्पश्चात हजारों कार्मिकों ने देहरादून में मुख्यमंत्री आवास घेराव किया। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली की मांग बिल्कुल जायज मांग है। जब तक पुरानी पेंशन योजना को लागू नहीं किया जाता, तब तक उनका संघर्ष चलता रहेगा। ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण घिल्डियाल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली के लिए वर्ष 2023 जनवरी माह में रुद्रप्रयाग से देहरादून तक पांच सदस्यीय दल के साथ पैदल पहुंचे थे। आज फिर से शिक्षक-कर्मचारी पैदल यात्री बनकर दिल्ली जा रहे हैं। पैदल यात्रा में चल रहे समस्त पैदल यात्रियों ने पुरानी पेंशन बहाली के लिए संकल्प लिया और यात्रा में भाग ले रहे कार्मिक वर्ग का धन्यवाद ज्ञापित किया।

छात्र-छात्राओं ने हेवल नदी किनारे चलाया स्वच्छता अभियान

नई टिहरी। नमामि गंगा स्वच्छता पखवाड़े के तहत मंगलवार को राजकीय महाविद्यालय खाड़ी और राजकीय इंटर कॉलेज जाजल के छात्र-छात्राओं ने हेवल नदी के किनारे स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान स्थानीय वनस्पतियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए आमजन से अपील की गई। छात्रों ने पर्यावरण जागरूकता रैली निकाल. कर स्वच्छता और गंगा संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में सभी प्रतिभागियों ने नमामि गंगा की शपथ ली और गंगा की स्वच्छता व संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक निरंजना शर्मा, ईरा सिंह, शन्नोवर, मीना सहित कार्यालय के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा मौका, 250 पदों पर होगा चयन

शाह टाइम्सव संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिले के युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर आ रहा है। जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से 20 मार्च को प्रात: दस बजे से मुख्य बाजार स्थित कार्यालय परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले में कुल छह नामी कंपनियां प्रतिभाग कर रही हैं, जो विभिन्न पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। मेले में मानव संसाधन, सेल्स मैनेजर, डिजिटल मार्केटिंग, मशीन ऑपरेटर, ईएमटी, चालक, ईडीओ, बीमा एजेंट, बीमा सलाहकार सहित होटल से जुड़े कार्यों के लिए युवाओं का चयन किया जाएगा।

रुद्रप्रयाग में 20 मार्च को सुबह 10 बजे लगेगा भव्य रोजगार मेला

जिला सेवायोजन अधिकारी सुशील चंद्र चमोली ने बताया कि मेले में प्रतिभाग कर रही कंपनियों द्वारा कुल 250 रिक्त पदों पर सीधा साक्षात्कार लिया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को 8,500 रुपये से लेकर 19,500 रुपये प्रतिमाह तक का वेतन दिया जाएगा। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी की शैक्षिक योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, डी.फार्मा या बी. फार्मा होनी चाहिए। आपातकालीन सेवा 108 के चालक पद के लिए वैध ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है। आवेदकों की आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। यह रोजगार मेला जिले के युवाओं के लिए एक सुनहरा मौका है, जहां वे अपनी योग्यता के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक महिला एवं पुरुष अभ्यर्थी 20 मार्च को प्रात: 10 बजे जिला सेवायोजन कार्यालय मुख्य बाजार रुद्रप्रयाग में पहुंचकर मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को अपने समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र, बायोडाटा और एक पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य रूप से साथ लानी होगी। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 8449222574 और 9557511448 पर संपर्क किया जा सकता है। रोजगार मेले में भागीदारी के लिए किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

उत्तरकाशी: गंगा तटों पर चलाया स्वच्छता अभियान

उत्तरकाशी : जिला गंगा समिति, व गंगा विचार मंच उत्तराखण्ड ने उत्तरकाशी स्थित गंगा किनारे केदार घाट में गंगा तटों में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत अभियान चलाया। इस कार्यक्रम में वन विभाग से मुकेश रतूड़ी, वन क्षेत्राधिकारी बाडाहाट, श्रीमती कुसुम मुख्य सफाई निरीक्षक, नगर पालिका परिषद बाडाहाट, श्रीमती मधु बहुगुणा पी0जी0 कॉलेज उत्तरकाशी, श्रीमती हर्षा रावत बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रताप सिंह मटुडा पर्यावरण विशेषज्ञ स्वजल उत्तरकाशी, शंभु प्रसाद नौटियाल, गंगा विचार मंच के जिला संयोजक जयप्रकाश भट्ट, जिला गंगा समिति के समन्वयक से उत्तम पंवार, नगरपालिक के कर्मचारी एवं एन एस एस वो एन सीसी के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने ली जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक

हर घर जल योजना में प्रगति तेज करने के निर्देश, ग्राम पंचायत स्तर पर जल संरक्षण कार्यों में तेजी लाने पर जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के कार्यों को प्राथमिकता देने और गाइडलाइन के अनुसार उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य संपन्न करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संरक्षण अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर जल स्रोतों के विकास और रखरखाव के कार्यों में तेजी लाने को कहा।

बैठक में जिलाधिकारी ने विभिन्न पंपिंग और ग्रेविटी पेयजल योजनाओं, एफएचटीसी सहित अन्य परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने ष्हर घर जलष् योजना के तहत

सर्टिफिकेशन स्तर को 68 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने के निर्देश दिए। साथ ही डीपीआरओ को ग्राम प्रधानों के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन के लिए सूची तैयार करने को कहा। मिशन अमृत सरोवर के फेज-2 की समीक्षा के दौरान बताया गया कि सामुदायिक जल संचयन तालाबों, मत्स्य पालन तालाबों के निर्माण और जीर्णोद्धार के कार्य प्रगति पर हैं। इनमें चमियाला में तीन, लंबगांव में एक और घनसाली में चार सेप्टिक टैंक का निर्माण शामिल है।

बैठक में वास प्रोजेक्ट के तहत फेज-1 में चिन्हित 85 गांवों का सर्वे कार्य पूरा कर डीपीआर को अनुमोदित किया गया, जिसमें प्रताप. नगर, भिलंगना और जाखणीधार विकासखंड के गांव सम्मिलित हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, पीडीडीआरडीए पीएस चौहान, डीडीओ मौ. असलम, डीपीआरओ एम.एम. खान, ईई जल निगम केएन सेमवाल, सिंचाई विभाग के अनूप ड्यूंडी सहित जल संस्थान, पेयजल निगम और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पिटकुल के अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच नोक-झोंक

शाह टाइम्सव संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारघाटी के ग्राम पंचायत रूद्रपुर में गोचर भूमि पर सब स्टेशन निर्माण की कार्यवाही करने पहुंचे पिटकुल के अधिकारी-कर्मचारियों का ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया। ग्रामीणों ने घंटों सड़क पर जाम लगाकर सरकार और पुलिस प्रशासन का विरोध कर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस कर्मी, प्रशासन के नुमांइदों और आक्रोशित जनता के बीच नोक-झोंक और धक्कामुक्की भी हुई।

आक्रोशित महिलाओं को पुलिस कर्मियों ने पकड़ कर जबरत पुलिस वाहनों में बिठाया, जिससे आक्रोशित अन्य महिलाओं ने गुप्तकाशी जाखधार मोटरमार्ग को रूद्रपुर के निकट बड़े-बड़े बोल्डर रखकर सड़क जाम किया। घंटों तक पुलिस वाहनों में बैठी महिलाएं प्रशासन के विरूद्ध जमकर नारेबाजी करती रही। वहीं, राइंका से रूद्रपुर के बीच मोटरमार्ग छावनी में तब्दील किया गया था।

दरअसल, केदारघाटी की ग्राम पंचायत रूद्रपुर की लगभग छ: हेक्टेयर गोचर भूमि पर वर्ष 2013 में बिना ग्राम पंचायत के एनओसी के पिटकुल द्वारा विद्युत सब स्टेशन बनाने की पहल की गयी थी, जिसे लेकर सजग जनता ने पूर्व में भी कई बार इस पर हो रहे निर्माण कार्य को रोका था। बाद में ग्रामीणों ने हाईकोर्ट में जन हित याचिका दायर करके अवैध रूप से हो रहे निर्माण कार्य को रोकने की फरियाद की थी। हालांकि अभी कई दौरों की हेयरिंग के बाद कोई भी माकूल निर्णय नहीं निकल पाया है। क्षेत्रीय जनता की मानें तो

सब स्टेशन निर्माण को लेकर पहुंची मशीन के आगे बैठकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, केदारघाटी के रुद्रपुर में गोचर भूमि पर निर्माण कार्य का ग्रामीणों ने किया विरोध

मंगलवार को कोर्ट का निर्णय आना था, लेकिन इससे पूर्व पिटकुल मशीनों को लेकर उक्त गोचर भूमि पर निर्माण कार्य शुरू करना चाह रही थी, जिसे स्थानीय जनता की एकजुटता ने बाधित कर दिया। स्थानीय महिलाएं सुबह से देर सांय तक निराहार सड़क पर बैठी रहीं। तहसील और पुलिस प्रशासन ने उन्हें काफी समझाने की कोशिश की, लेकिन बिना किसी सक्षम अधिकारी की मध्यस्थता ना होने से ग्रामीण देर सांय तक सड़क पर अड़िग रहे। सामाजिक कार्यकर्ता गणेश शुक्ला, अनीत शुक्ला ने बताया कि उक्त विद्युत सब स्टेशन बरम्बाड़ी गांव के नाम पर स्वीकृत था, जिसे तत्कालीन ग्राम पंचायत विकास अधिकारी जो प्रशासक थे, उनके द्वारा बिना ग्रामीणों को अवगत कराये एनओसी जारी की थी। खास बात तो यह कि उक्त गोचर भूमि को इसी फर्जी एनओसी के आधार पर डीएफओ द्वारा पिटकुल को तीस वर्षों के लिये लीज पर दी गयी थी। जिसमें से लगभग पच्चीस वर्ष गुजर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब मामला कोर्ट में विचाराधीन है, तो पिटकुल कैसे उक्त भूमि पर निर्माण कार्य शुरू कर सकता है। साथ ही भूमि राजस्व के अधीन है। ऐसे में कैसे एक डीएफओ फर्जी तरीके से उक्त भूमि को लीज में दे सकता है। उन्होंने कहा कि साफ दृष्टिगोचर है कि प्रशासन और पुलिस डंडे के बल पर गुंडई करके ग्रामीणों की उक्त हैरिटेज गोचर भूमि को कब्जाना चाह रही है। उन्होंने कहा कि जब तक कोर्ट का अंतिम निर्णय नहीं आ जाता, तब तक उक्त भूमि पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं होने दिया जायेगा। यदि प्रशासन गुंडागर्दी करके कब्जे की फिराक में है तो स्थानीय जनता वृहद आंदोलन छेड़कर प्रशासन के विरूद्ध आंदोलन को बाध्य हो जायेगी। वहीं, इस मामले में जब तहसीलदार प्रदीप नेगी से बात करनी चाही तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इस दौरान सैकड़ों स्थानीय लोग और चार दर्जन से अधिक पुलिस कर्मी, राजस्व उपनिरीक्षक और पिटकुल के कर्मचारी मौजूद थे।

शराब की दुकानों से शत प्रतिशत प्राप्त हुआ राजस्व

गोपेश्वर। चमोली जिले में आबकारी विभाग की ओर से संचालित 15 विदेशी मदिरा की दुकानों का सम्पूर्ण राजस्व जमा करवा दिया गया है।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि राजस्व प्राप्ति के बाद आबकारी नीति के नवीनीकरण की प्रक्रिया 12 मार्च तक किया जाएगा। जबकि नवीनीकरण के बाद अवशेष दुकानों का आवंटन लॉटरी की प्रक्रिया से किया जाएगा। कहा कि दुकान आवंटन के लिये आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 मार्च निर्धारित की गई है। बताया कि दुकानों की आवेदन प्रक्रिया में सम्पूर्ण उत्तराखण्ड के स्थाई निवासी आबकारी नीति में निर्धारित शर्तों के अधीन आवेदन कर सकेंगे।

एक नजर ....

सीओ ने लम्बगांव थाने का किया अर्धवार्षिक निरीक्षण

नई टिहरी। सीओ ओसिन जोशी ने मंगलवार को लम्बगांव थाना पहुंचकर अर्धवार्षिक निरीक्षण किया और थाने की व्यवस्थाओं को दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम लोगों की शिकायतों का समय पर निस्तारण किया जाए और कोई भी मामला लंबित न रहे। निरीक्षण के दौरान सीओ जोशी ने सबसे पहले गार्ड ऑफ ऑनर लिया, इसके बाद थाना परिसर की सफाई व्यवस्था, कार्यालय, मालखाना, हवालात, भोजनालय, बैरक, महिला एवं शिशु कल्याण हेल्प डेस्क, सीसीटीएनएस कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने थाने में मौजूद असलहों और आपदा संबंधी उपकरणों की भी जांच की और निर्देश दिए कि सभी उपकरण चालू स्थिति में रखे जाएं तथा समय-समय पर उनकी मरम्मत और सर्विसिंग कराई जाए।

मेजर संध्या का प्रधानमंत्री से मिलने का सपना हुआ पूरा

नई टिहरी। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर की योग विज्ञान विभाग की छात्रा मेजर संध्या का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का सपना आखिर पूरा हो गया। प्रधानमंत्री ने उनसे बातचीत के दौरान कहा कि सैन्य अधिकारियों के लिए योग बेहद आवश्यक है और उनकी इस दिशा में की जा रही पढ़ाई सराहनीय है। युद्ध विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित मेजर संध्या हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट कर लौटी हैं। वर्तमान में वह श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में योग विज्ञान विभाग में एमएससी प्रथम वर्ष की छात्रा हैं और सेना से दो वर्षों के अध्ययन अवकाश पर यहां अध्ययन कर रही हैं। हाल ही में देहरादून में उनकी यूनिट के ब्रिगेडियर संजोग नेगी प्रधानमंत्री से भेंट करने पहुंचे, तो उनके साथ मेजर संध्या भी थीं। मेजर संध्या ने प्रधानमंत्री को बताया कि कोरोना काल के दौरान उन्होंने श्रीनगर और पुंछ में पत्थरबाजी जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सेवा दी।

प्रषिक्षु वन दरोगा ने किया हैप्रेक और वानिकी विभाग का भ्रमण

श्रीनगर। रामपुर मंडी देहरादून प्रशिक्षण केंद्र से पहुंचे प्रशिक्षु महिला वन दरागाओं ने मंगलवार को गढ़वाल विवि के हैप्रेक और वानिकी विभाग का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होने हैप्रेक संस्थान और वानिकी के ओर से किए जा रहें शोध कार्यों के बारे में भी जाना। इस मौके पर वन विभाग से पहुंची 38 महिला वन दारोग प्रशिक्षुओं को जड़ी-बूटी के बारे में जानकारी दी गई। हैप्रेक संस्थान डा. विजयकांत पुरोहित के निर्देशन पर सहायक प्राध्यापक डा. विजयलक्ष्मी त्रिवेदी ने प्रशिक्षु महिला वन दरोगाओं को हैप्रेक का भ्रमण करवाया। इस मौके पर दुलर्भ जड़ी-बूटी के महत्व और उसके उपयोग के बारे में बताया। वन प्रशिक्षुओं को उन्होने हैप्रेक संस्थान के शोधार्थियों द्वारा वैज्ञानिक विधि से उगाई जा रही संगन्ध एवं औषधीय पादपों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर महिला वन प्रशिक्षुओं ने ग्लास हाउस, आणुविक लैब और अत्याधुनिक मशीनों के के उपयोग के बारे में जाना। इस मौके पर वन दरोगा चांदनी नेगी, मनु नयाल के साथ ही हैप्रेक संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. सुदीप सेमवाल, डा. प्रदीप डोभाल, डा. जयदेव चौहान, पल्लवी नौटियाल, देवेश, अनसीका, शिवांगी डोभाल, अनिकेत, डोली, गेकैन रीबा सहित आदि मौजूद थे।

जिलाधिकारी ने दो महाविद्यालयों को कंप्यूटर प्रदान किए

शाह टाइम्सव संवाददाता

नई टिहरी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने मंगलवार को राजकीय महाविद्यालय पौखाल और राजकीय महाविद्यालय खाड़ी को सीएसआर मद से क्रय किए गए दो-दो कंप्यूटर प्रदान किए। उन्होंने बताया कि पूर्व में हुई बैठक के दौरान इन महाविद्यालयों

सीएसआर मद से राजकीय महाविद्यालयों को दो-दो कंप्यूटर मिले, छात्र-छात्राओं के हित में महाविद्यालयों को कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए

में कंप्यूटर की आवश्यकता जताई गई थी, जिसे देखते हुए सीएसआर मद से कंप्यूटर खरीदकर उपलब्ध कराए गए हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि छात्र-छात्राओं के हितों को ध्यान में रखते हुए ये कंप्यूटर दिए गए हैं, ताकि वे डिजिटल संसाधनों का लाभ उठा सकें और उनकी शैक्षणिक गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

लोकगीतों और भाषाई विविधता के संरक्षण की आवश्यकता पर बल

शाह टाइम्सव संवाददाता

श्रीनगर। गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर गढ़वाल के शैक्षणिक गतिविधि केंद्र में उत्तराखंडी लोक भाषाओं के विकास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला में लोक भाषाओं के समानार्थी शब्दों का प्रयोग एवं समरूप साहित्य के निर्माण को लेकर चर्चा की गई। मंगलवार को उत्तराखंड राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तराखंडी भाषा न्यास (उभान) एवं गढ़वाल विवि के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में कला एवं संचार संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. मंजुला राणा ने कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में विभिन्न लोकभाषाएं है, जिनमें उच्चारण का अंतर स्पष्ट होता

है। बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य लोक भाषाओं के समानार्थी शब्दों का प्रयोग एवं समरूप साहित्य के निर्माण में प्रयोग है। कहा कि यह कार्यशाला उत्तराखंडी लोक भाषाओं के संरक्षण और समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। कार्यशाला को तीन सत्रों में विभाजित किया गया, जिसमें पहले सत्र की शुरुआत उत्तराखंडी भाषा न्यास के सचिव डा. बिहारी लाल जलंधरी के उद्बोधन से हुई। उन्होंने अस्कोट से आराकोट तक एक समान उत्तराखंडी भाषा के निर्माण और कक्षा 1 से 10 तक इसे पढ़ाए जाने की बात रखी। गढ़वाल विवि के हिंदी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष डा. उमा मैठाणी ने उत्तराखंडी लोक साहित्य, लोकगीतों और भाषाई विविधता के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। सत्र की अध्यक्षता कर रहे वीरेंद्र दत्त सेमवाल ने अपने संबोधन में सभी हितधारकों से तन, मन, धन से उत्तराखंडी भाषा के उत्थान के लिए एकजुट होने की अपील की। इस अवसर पर डा. कपिल पंवार, लवकेश, विजेंद्र ध्यानी, सुल्तान सिंह तोमर समेत विभिन्न विभागों के प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यशाला का मंच संचालन डा. अनूप सेमवाल द्वारा किया गया।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य लखपत सिंह भंडारी दोषमुक्त

श्रीनगर। न्यायालय सिविल जज/न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीनगर ने सरकारी कामकाज में व्यवधान उत्पन्न करने के मामले में पूर्व जिला पंचायत सदस्य लखपत सिंह भंडारी को दोषमुक्त कर दिया है। बताते चले कि वर्ष 2022 में मांस दुकान के संचालक जहूर अहमद के बिना लाइसेंस के दुकान संचालन के विरूद्ध पूर्व जिला पंचायत सदस्य लखपत सिंह भंडारी ने तहसील कार्यालय पहुंचकर उपजिलाधिकारी कक्ष का दरवाजा बंद कर अपने आप को कैद कर दिया था। इस दौरान उन्होने मांस दुकान के संचालक जहूर अहमद के बिना लाइसेंस के दुकान का संचालन बंद न करने पर जहर खाने की धमकी देकर और तीन घंटे तक अपने को उपजिलाधिकारी कक्ष से कैद करने के बाद बाहर निकले थे।

थत्यूड थाना कार्यालय का अर्धवार्षिक निरीक्षण, सीईओ ने दिए अहम निर्देश

शाह टाइम्सव संवाददाता

थत्यूड। पुलिस उपाध्यक्ष (सीईओ) महेश चंद लखेड़ा ने मंगलवार को थाना कार्यालय थत्यूड का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान थाना परिसर में यातायात उपकरण, विभिन्न असलाह और आपदा प्रबंधन से जुड़े उपकरणों का बारीकी से निरीक्षण किया गया। पुलिस कर्मियों से शस्त्र अभ्यास भी कराया गया, जिससे उनकी दक्षता का मूल्यांकन किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान सीईओ ने थाना कार्यालय के अभिलेखों का अवलोकन किया और लंबित मुकदमों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि माल मुकदमाती सहित अन्य सभी लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। साथ ही, उन्होंने थाना पुलिस कर्मचारियों की

समस्याएं भी सुनीं और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया।

सीईओ लखेड़ा ने बताया कि थाना कार्यालय का अपना भवन न होने के कारण कई प्रशासनिक दिक्कतें सामने आ रही हैं। उन्होंने जानकारी दी कि भवन निर्माण के लिए भूमि का आवंटन हो चुका है और जल्द ही इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर शासन को भेजी जाएगी।

इसके अलावा, आगामी चारधाम यात्रा को देखते हुए पुलिस प्रशासन को यात्रा प्लान तैयार करने और यात्रियों के प्रति सौम्य व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान थाना अध्यक्ष महावीर सिंह रावत, पुलिस उपनिरीक्षक राहुल थापा, धनोल्टी चौकी प्रभारी बलवीर रावत, अपर उपनिरीक्षक आदेश शर्मा, जितेंद्र सिंह, गुमान सिंह तोमर, अजय भास्कर समेत अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

उत्तरकाशी: दम तोड रही सरकार की उड़ान योजना

महीनों से बंद देहरादून से उत्तरकाशी के जोशियाडा की हेली सेवा

चिरंजीव सेमवाल

उत्तरकाशी: उत्तरकाशी (जोशियाड़ा) के लिए पूर्व में संचालित उत्तराखंड सरकार की उड़ान" योजना के अंतर्गत शुरू की गई हेली सेवाऐं दम तोड़ती नजर आ रही है। आलम यह है कि यह योजना उद्घाटन के कुछ महिनों बाद ही बंद हो गई थी।

यह उड़ान योजना उद्घाटन के तीन महिने बाद से ही बंद हो गई है। हालांकि नागरिक उड्डयन अपर सचिव श्रीमती सोनिका ने बताया कि यहां योजना तीन फरवरी से बंद हुई थी दो तीन दिनों में पुन: शुरू किया जायेगा।

गौरतलब है कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में हेली कनेक्टिविटी को बढ़ाए जाने पर विशेष जोर देने का जनता से वादा जरूर किया लेकिन वादा उद्घाटन तक ही सीमित रह गया है। सरकार ने इसी क्रम में राज्य स्थापना दिवस से पहले प्रदेश के तीन स्थानों के लिए हवाई सेवा शुरू किया था। इसके तहत दिल्ली से पिथौरागढ़ वायुयान सेवा, देहरादून से जोशियाड़ा (उत्तरकाशी) और देहरादून से गौचर (चमोली) हेली सेवा शुरू किया था। नवंबर को तीनों हेली सेवाओं के शुभारंभ के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, वर्चुअल रूप से प्रतिभाग किया था। मुख्यमंत्री ने कहा था कि "उड़ान" योजना के अंतर्गत शुरू की गई इन चार हेली सेवाओं से राज्य में पर्यटन एवं आर्थिक विकास को गति मिलेगी। बेहतर कनेक्टिविटी से स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आयेंगे।

क्या कहते नागरिक उड्डयन अपर सचिव

देहरादून से उत्तरकाशी के जोशियाडा के लिए संचालित हेली सेवा तीन फरवरी से बंद है जल्द दो तीन दिनों में पुन: चालू किया जा रहा है।

सोनिका अपर सचिव नागरिक उड्डयन उत्तराखंड

प्रमुख विनीता ने नागरिक उड्डयन से की हेली सेवा पुन: शुरू करने की मांग

उत्तरकाशी: निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख भटवाड़ी / प्रशासक श्रीमती विनीता रावत ने देहरादून से उत्तरकाशी जोशियाडा की हेली सेवा पुन: शुरू करने की मांग उठाई है।

मंगलवार को श्रीमती विनीता रावत एवं भाजपा नेता जगमोहन सिंह रावत ने उत्तराखंड शासन की अपर सचिव नागरिक उड्डयन सहकारिता श्रीमती सोनिका से मुलाकात की देहरादून से उत्तरकाशी (जोशियाड़ा) के लिए पूर्व में संचालित हेली सेवा को पुन: शुरू करने के लिए एक पत्र सौंपा है। ब्लॉक प्रमुख विनीता रावत ने कहा कि यह हेली सेवा उत्तरकाशी के नागरिकों, विशेष रूप से स्वास्थ्य आपात स्थितियों में, अत्यंत लाभकारी साबित हुई थी।

इसके माध्यम से कई मरीजों को समय पर उपचार मिल सका, जिससे कई लोगों की जान बचाई जा सकी। उन्होंने इस सेवा को पुन: शुरू करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे स्थानीय निवासियों को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा, परिवहन सुविधा एवं अन्य आवश्यक सेवाओं में आसानी होगी। इस मांग पर अपर सचिव श्रीमती सोनिका ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और आश्वासन दिया कि हेली सेवा को पुन: शुरू करने की प्रक्रिया शीघ्र ही प्रारंभ की जाएगी, जिससे उत्तरकाशी के लोगों को फिर से इसका लाभ मिल सके।

Page 5-- (1)_Dummy page.qxd 3/18/2025 10:27 PM Page 1

उत्तरकाशी के विद्यालयों के लिए 15 बसों को सीएम ने किया रवाना

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तरकाशी जनपद के कलस्टर विद्यालयों में परिवहन सुविधा के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से 15 बसों का फ्लैग ऑफ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूली बच्चों के लिए बस की सुविधा उपलब्ध होने से उन्हें विद्यालय आवागमन में समय की बचत होगी। इस तरह के नवाचार से बच्चों को पठन-पाठन में सुविधा होगी। उत्तरकाशी जनपद के नगरीय क्षेत्र के 15 कलस्टर विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाये जाने के लिए जिलाधिकारी उत्तरकाशी द्वारा जिला खनिज न्यास फाउण्डेशन की मद एवं अन्टाईड फण्ड से 15 बस क्रय की स्वीकृति प्रदान की गयी। प्रति बस के लिए 20 लाख की दर से कुल 03 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई। जिन प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए यह बस की सुविधा दी जा रही है, उनमें विकासखण्ड नौगांव के लिए 05, विकासखण्ड भटवाडी और विकासखण्ड डुण्डा के लिए 03-03, विकासखण्ड पुरोला के लिए 02 जबकि विकासखण्ड चिन्यालीसौड और विकासखण्ड मोरी के लिए 01-01 बस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, विधायक भरत चौधरी, प्रमोद नैनवाल, सचिव शिक्षा रविनाथ रमन, जिलाधिकारी उत्तरकाशी डॉ. एम.एस. बिष्ट, महानिदेशक शिक्षा बंशीधर तिवारी, निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. मुकुल सती, बेसिक शिक्षा निदेशक अजय नौडियाल, जिला शिक्षा अधिकारी उत्तरकाशी शैलेन्द्र अमोली उपस्थित थे।

ऐतिहासिक झंडा मेला की मुख्यमंत्री धामी ने दी शुभकामनाएं

देहरादून (ब्यूरो)। ऐतिहासिक झंडा मेला के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि प्रतिवर्ष श्री गुरु राम राय जी के पावन जन्मोत्सव पर परंपरागत रूप से मनाया जाने वाला देहरादून का ऐतिहासिक एवं पावन श्री झंडा जी मेला मानवता और विश्वास से ओत-प्रोत विशिष्ट परंपराओं को समेटे हुए है। यह मेला श्रद्धा और आस्था का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेला हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक होने के साथ-साथ आपसी प्रेम एवं सौहार्द का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु राम राय जी महाराज की शिक्षाएं और उनके संदेश आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हैं।

महाकुंभ 2025 में उत्तराखंड की नाट्य संस्था 'संभव' मंच परिवार ने गंगा के प्रति लोगों को किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। महाकुंभ 2025 में उत्तराखंड की नाट्य संस्था 'संभव' मंच परिवार ने पूरे 45 दिन तक लोगों को गंगा स्वच्छता व स्वास्थ्य विषय पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक करने का कार्य किया ।परमार्थ निकेतन के सहयोग से चलाई गई इस अनूठी मुहिम में गंगा स्वच्छता के लिए नुक्कड़ नाटक के साथ-साथ गंगा की सफाई के लिए भी कई कार्यक्रम सफाई मित्रों के साथ मिलकर 'संभव' द्वारा किए गए। नाटक के माध्यम से पूरे विश्व भर से आए श्रद्धालुओं को गंगा की स्वच्छता का महत्व ,गंगा में पल रहे जीवों का महत्व बताने के साथ-साथ उन्हें गंगा व जलीय जीवों के संरक्षण की शपथ भी कलाकारों द्वारा दिलवाई गई। महाकुंभ में किए गए इस नाटक का लेखन/ निर्देशन अभिषेक मैंदोला द्वारा किया गया।

कलाकारों में कुसुम पंत ,संजय गैरोला , हेमा पंत ,नितिन भट्ट, अनुराग जोशी, राहत खान व अभिमन्यु शामिल थे। महाकुंभ का यह अनुभव सिर्फ नाटक की दृष्टि से ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक पारंपरिक व वैश्विक स्तर पर भी संभव के लिए अनूठा रहा।

दो एंबुलेंस व एक मोक्ष वाहन को विधायक और डीएम ने दिखाई हरी झंडी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। जिला चिकित्सालय कोरोनेशन की व्यवस्था में सुधार के साथ ही जिलाधिकारी सविन बंसल ने नारी निकेतन को पहली बार एंबुलेंस सुविधा प्रदान की है। जिलाधिकारी की पहल पर खनिज न्यास निधि से कोरोनेशन अस्पताल को 28 लाख की लागत से 1 एंबुलेंस तथा 1 मोक्ष वाहन और जिला योजना से 13 लाख की लागत से नारी निकेतन को पहली बार एंबुलेंस सेवा की सौगात मिली है ।विधायक खजान दास और जिलाधिकारी सविन बंसल ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर से इन तीनों वाहनों को हरी झंडी दिखाकर मानवता की सेवा के लिए रवाना किया। विधायक राजपुर खजान दास ने स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए जिलाधिकारी के द्वारा लिए गए निर्णय की सराहना की।

उन्होंने कहा कि 02 एंबुलेंस और 01 शव वाहन मिलने से निश्चित रूप से हमारे नारी निकेतन और कोरोनेशन अस्पताल की व्यवस्था में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में शव वाहन न होने से कई बार परेशानियां आती थी जो अब दूर हो गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि कोरोनेशन अस्पताल में अतिरिक्त एंबुलेंस की भी आवश्यकता थी। वही नारी निकेतन में आश्रय लिए असहाय, अनाथ बच्चों, मानसिक दिव्यांग महिलाओं को चिकित्सा हेतु अस्पताल आने जाने के लिए भी कोई डेडिकेटेड एंबुलेंस वाहन अभी तक उपलब्ध नहीं था।

मनोरंजन व सामाजिक सद्भाव का प्रतीक सिद्ध होगा राष्ट्रपति का तोहफा : डीएम

देहरादून। जिले में अवस्थित 'राष्ट्रपति आशियाना एवं उपवन वाटिका' राजपुर रोड़, देहरादून को आम जनमानस के भ्रमण/विहार के लिये खोला जाना प्रस्तावित है। उक्त के क्रम में आम जनमानस के सुचारू आवागमन के लिये परिवहन सुविधा एवं उक्त के व्यापक प्रचार-प्रसार के दृष्टिगत जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में मंथन सभागार राजपुर रोड में स्थानीय स्टेक होल्डर्स के साथ विस्तृत विमर्श बैठक की गयी है। राष्ट्रपति आशियाना एवं उपवन वाटिका 132 एकड़ भूमि को पार्क के रूप में विकसित करने तथा जनता के लिए भ्रमण विहार खोलने के जिलाधिकारी देहरादून के प्रस्ताव राष्ट्रपति सचिवालय ने स्वीकार किया है।

प्रदेश के असंगठित मजदूरों को जोड़ेगी कांग्रेस : माहरा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में अब असंगठित मजदूरों को कांग्रेस अपने श्रम प्रकोष्ठ के बैनर तले संगठित कर उनको कानूनी संरक्षण देगी। यह घोषणा मंगलवार को उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करण माहरा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के श्रम प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में बड़ी संख्या में गरीब श्रमिक जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ पाते इसलिए यह जरूरी है कि ऐसे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को कांग्रेस एक झंडे के नीचे ला कर उनको उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करे और फिर उनकी लड़ाई लड़ी जाए। उन्होंने

- **श्रमिकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करेगी कांग्रेस : धस्माना**
- **कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ का सम्मेलन हुआ आयोजित**

प्रदेश श्रम प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दिनेश कौशल को इस काम की जिम्मेदारी सौंपते हुए उनको निर्देश दिया कि वे पूरे प्रदेश में जिला व ब्लॉक स्तर पर श्रमिक प्रकोष्ठ का गठन कर इस कार्य को गति दें। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि राज्य में काम करने वाले अस्सी प्रतिशत मजदूर असंगठित हैं और उनको संगठित करने का कोई प्रयास आज तक नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि ध्याड़ी मजदूरी करने वाले मजदूर, राज मिस्त्री, प्लंबर, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, ठेली फड़ लगाने वाले, ई रिक्शा चलाने वाले , कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले सफाई कर्मचारियों समेत बड़ी तादाद में श्रमिक हैं जिनको संगठित कर पार्टी के साथ जोड़ कर उनके अधिकारों व उनकी समस्याओं के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार चाहे वो केंद्र की हो या उत्तराखंड की वो श्रमिक विरोधी सरकारें हैं और जो कानून भाजपा की केंद्र सरकार लाई है वो पूरी तरह से पूंजीपतियों व उद्योगपतियों के पक्ष व श्रमिकों के विरोधी कानून हैं। श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कौशल ने कहा कि वे अप्रैल माह से पूरे प्रदेश में असंगठित मजदूरों को पार्टी से जोड़ने का अभियान शुरू करेंगे और एक मई को मजदूर दिवस पर राज्य व्यापी कार्यक्रम आयोजित करेंगे। कार्यक्रम को महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विशाल डोभाल, किशोर उनियाल, पूनम कंडारी, आनंद जगूड़ी, हरिंदर बेदी, मनीष गर्ग, गोपाल गढ़िया, धर्मपाल घाघट, चंद्रपाल ,अरुण वाल्मीकि , अर्जुन शर्मा व अनीता शर्मा आदि ने भी संबोधित किया।

नमामि गंगे मिशन के तहत महाविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नमामि गंगे के तहत हुआ विभिन्न कार्यक्रमों शुभारम्भ। नमामि गंगे के तहत स्वच्छता पखवाड़ा एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य गंगा यमुना और उसके आसपास के क्षेत्रों की स्वच्छता और संरक्षण को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. राजेंद्र प्रसाद बडोनी ने कहा कि यह कार्यक्रम नमामि गंगे मिशन के तहत आयोजित किया जाता है, जो कि भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। जिनमें आज महाविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजित किया गया।

जिसमें छात्रों को गंगा और यमुना नदी की स्वच्छता और संरक्षण के महत्व पर पोस्टर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आयुषी पवार एवं खुशी ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान दीक्षा कश्यप, आंचल राठौर एवं गौरव राठौर ने प्राप्त किया एवं तृतीय स्थान ऋषभ, साक्षी एवं आंचल ने प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीएस नेगी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम और गतिविधियां नदियों के आसपास के क्षेत्रों की स्वच्छता और संरक्षण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ राधेश्याम गंगवार, डॉ0 वीर राघव खण्डूडी.एवं निर्णायक मंडल में डॉ0 राजकुमारी भण्डारी चौहान, डॉ0 माधुरी रावत एवं डॉ0 राजेश कुमार उपस्थित रहे।

गौना नदी पर पुल निर्माण किए जाने की मांग ने पकड़ा जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। रुद्रपुर क्षेत्र से बहने वाली बरसाती गौना नदी पर पुल निर्माण किए जाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। बीते अक्टूबर माह में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष रमेश चंद्र आजाद के नेतृत्व में स्थानीय जनता ने तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन किया था, लेकिन अभी तक सरकार की ओर से पुल निर्माण के संबंध में कोई दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। कांग्रेस की अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष ने कहा कि 31 मार्च तक पुल निर्माण के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं होने पर 6 अप्रैल से स्थानीय जनता के साथ अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष रमेश चंद्र आजाद ने बताया कि विकासनगर कस्बे को रुद्रपुर क्षेत्र के सोरना, डोभरी, बड़वा, गोडरिया, होरावाला, रजौली, कोठड़ा, कोटी, ढलानी आदि गांवों को जोड़ने वाले रुद्रपुर-डोभरी मार्ग पर बरसाती गौना नदी पड़ती है। बरसात के तीन महीने नदी का उफान स्थानीय बाशिंदों के लिए परेशानी का सबब बनता है। इस कारण यहां से वाहनों की आवाजाही बंद हो जाती है। इससे ग्रामीणों की दिनचर्या प्रभावित होती है।

वाइस चांसलर डॉ. ओंकार के विरुद्ध छात्रों का प्रदर्शन हुआ उग्र

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वीर माधो सिंह भडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्विद्यालय में चल रहे फर्जी डिग्री जाँच प्रकरण, भ्रस्टाचार, वित्तीय अनिमिताओ की शिकायतो को लेकर डी.ए.वी. छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में कई छात्र पिछले दो सप्ताह से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं ।उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय सुद्धोवाला में करोड़ों रूपए के घाल मेल पर सरकार की समिति के आदेश के बावजूद ई.आर.पी. अभी तक बंद नहीं किया गया है और परीक्षा नियंत्रक डॉ. वी के पटेल और कुलपति डॉ. ओंकार सिंह विश्वविद्यालय के कर्मचारियों पर बैक डेट के दस्तावेज बनाने का दवाब बनाया जा रहा हैं जिससे छात्रों में भारी रोष व्याप्त है। छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा बहुत बड़ी विडंबना है कि ये लोग भरस्टाचार के अहंकार में इतने लिप्त हो गए है कि शासन कि रिपोर्ट को ही झुठला रहे है एवं अपने रिश्तेदार के ईआरपी के वशीभूत होकर सॉफ्टवेयर घोटाले को रफा दफा करने का प्रपंच रच रहे है। धरने प्रदर्शन के दौरान उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जाँच सुनिश्चित करने के लिए उपरोक्त दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया जाए और उन्हें विश्वविद्यालय के सभी दस्तावेजों से दूर रखा जाए ।वही इस मामले पर डीएवी छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकताओं द्वारा उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय सुद्धोवाला में विरोध प्रदर्शन किया एवं कुलपति एवं परीक्षा नियंत्रक के इस्तीफे की मांग की।

क्षेत्राधिकारी प्रेमनगर ने किया थाना सेलाकुई का अर्धवार्षिक निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। श्रीमती रीना राठौर क्षेत्राधिकारी प्रेमनगर के द्वारा सेलाकुई का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। सीओ ने सर्वप्रथम थाना पर उपलब्ध सरकारी संपत्ति व अस्लहा तथा दंगा नियंत्रण उपकरण, आपदा उपकरण का निरीक्षण किया गया।

थाना सेलाकुई के अधिकारी/कर्मचारी को अपनी उपस्थिति में वेपन हैंडलिंग कराई गयी व हैंडलिंग तथा शस्त्रों की साफ सफाई संबंधी आवश्यक आदेश निर्देश दिए गए। तत्पश्चात उनके द्वारा थाना परिसर/भवन का निरीक्षण किया व बैरक का निरीक्षण किया गया व बेरक का रखरखाव व साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई। मालखाने का निरीक्षण किया गया जिसमें मालखाने के रखरखाव एवं संपूर्ण सरकारी संपत्ति को चेक किया गया तथा माल निस्तारण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। क्षेत्राधिकारी महोदय द्वारा थाना पर लंबित माल मुकदमाती, लावारिस, कुर्की आदि मालों का निरीक्षण किया गया। मालों के रखरखाव के संबंध में आवश्यक आदेश निर्देश दिए गए तथा एमवी एक्ट, लावारिश व अभियोगों से संबंधित मालों का शीघ्र निस्तारण व नीलामी प्रक्रिया के जाने हेतु मालखाना मोहर्रिर को निर्देशित किया गया। सीओ प्रेमनगर द्वारा थाना सेलाकुई कार्यालय, कंप्यूटर कक्ष का निरीक्षण करते हुए सीसीटीएनएस सीएएस सॉफ्टवेयर के संबंध में सभी अधिकारी व कर्मचारी को उक्त सॉफ्टवेयर में निरंतर रूप से कार्य किए जाने हेतु निर्देशित किया गया तथा सीएम पोर्टल अन्य पोर्टलों के माध्यम से प्राप्त होने वाली ऑनलाइन शिकायतों तथा चरित्र सत्यापन आदि को निश्चित समय सीमा के अंदर संबंधित अधिकारी/ विभाग को रिपोर्ट प्रेषित करने के लिए निर्देशित किया गया। सीओ ने अहकमात अदालत व पुलिस का समयबद्ध व शीघ्रता से विधिक निस्तारण किए जाने तथा उच्चाधिकारियों द्वारा चलाए जा रहे अभियानों में बढ़-चढ़कर रुचि लेने हेतु निर्देशित किया गया। तथा थाने पर उपस्थित सभी विवेचकों का ओआर लिया गया तथा लंबित विवेचनाओं को समय से निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना अध्यक्ष तथा समस्त अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

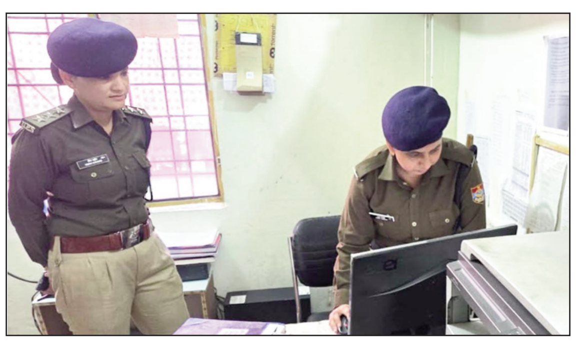

क्षैतिज आरक्षण के प्रमाणपत्र ना बनने से आंदोलनकारियों में आक्रोष

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के परिवार के सदस्यों को मिलने वाले क्षैतिज आरक्षण के प्रमाणपत्र ना बनने से आंदोलनकारियों में आक्रोष पनप रहा है। उनका कहना है कि प्रमाणपत्र बनवाने के लिए पटवारियों, लेखपाल, कानूनगो द्वारा आंदोलनकारियों के परिवार के सदस्यों को बेवजह परेशान कर तहसील के चक्कर कटवाए जा रहे हैं। उत्तराखंड आंदोलनकारी मंच पछवादून ने इस संबंध में एक ज्ञापन तहसील प्रशासन को आंदोलनकारियों के परिवार के सदस्यों के कागजातों पर उचित कार्यवाही किए जाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा है। मंच के पदाधिकारी अनिल कांडपाल ने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा कि वर्तमान में राज्य आंदोलनकारियों के परिवार के सदस्यों को सरकार द्वारा क्षैतिज आरक्षा देना स्वीकृत किया गया है लेकिन आंदोलनकारियों के परिवार के सदस्य अपने अपने कागजात तहसील कार्यालय में जमा कराने के लिए पटवारियों, लेखपाल, कानूनगो आदि द्वारा उनके परिवार के सदस्यों को बेवजह परेशान किया जा रहा है और तहसील के कई कई चक्कर कटवाये जा रहे है। उन्होंने कहा कि जिन दस्तावेजों पर कानूनगो, लेखपाल आदि की रिपोर्ट लग चुकी है वह दस्तावेज भी काफी समय से तहसाल कार्यालय में धूल फांक रहे है।

उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि आंदोलनकारियों के परिवार के सदस्यों को बेवजह परेशान न कर उनके कागजातों पर उचित

- **पटवारी, लेखपाल, कानूनगों पर तहसील के चक्कर लगवाये जाने का लगाया आरोप**

कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए जिससे सदस्यों को क्षैतिज आरक्षण का लाभ प्राप्त हो सके। एसडीएम को ज्ञापन सौंपने वालों में अनिल कांडपाल, शूरवीर सिंह चौहान, नरेश पैन्यूली, राजेंद्र सिंह रावत, सुधांशु कांडपाल, विपिन, नरेंद्र आदि हस्ताक्षर मौजूद हैं।

श्री झंडा महोत्सव 2025 : गुरु मंत्र पाकर धन्य धन्य हुई संगतें

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। प्रेम, सद्भावना, भाईचारा, मानवता, श्रद्धा व आस्था का प्रतीक ऐतिहासिक श्री झण्डा मेला इस साल भी बेहद भव्य स्वरूप में आयोजित हो रहा है। दरबार श्री गुरु राम राय महाराज में रौनकें देखते ही बन रही हैं। चारों और भक्ति और आस्था का सैलाब उमड़ा पड़ा है। दरबार श्री गुरु राम राय महाराज वह दरबार है जहां सबकी मन्नतें और मुरादें पूरी होती हैं। वर्ष भर संगतें व श्रद्धालु इस पावन बेला का इंतजार करते हैं। देश विदेश से भारी संख्या में संगतें व श्रद्धालु गुरु की नगरी देहरादून पहुंच चुके हैं। नगर वासियों की ओर से चारों ओर गुरु की प्यारी संगतों का आदर सत्कार हो रहा है। गुरु की नगरी देहरादून गुरु की प्यारी संगतों से निहाल है। बुधवार सुबह 7:00 बजे झण्डे को उतारने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच दरबार श्री गुरु राम राय महाराज के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास महाराज की अगुआई में झण्डे का आरोहण किया जाएगा। 21 मार्च को ऐतिहासिक नगर परिक्रमा होगी। काबिलेगौर है कि ऐतिहासिक झण्डे मेले में शीश नवाने व श्री गुरु राम राय महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए देश विदेश से लाखों की संख्या में संगतें हर साल देहरादून पहुंचती हैं। दरबार श्री गुरु राम राय महाराज, झण्डा मेला आयोजन समिति की ओर से मंगलवार देर शाम तक सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया। झण्डा आरोहण स्थल पर सभी आवश्यक तैयारियों को पूरा किया गया।

गुरु मंत्र पाकर धन्य-धन्य हुई संगत

दरबार श्री गुरु राम राय महाराज के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास महाराज ने झण्डा मेला की पूर्व संध्या पर मंगलवार को संगतों को गुरुमंत्र दिया। गुरुमंत्र पाकर संगतें धन्य-धन्य हो गई। संगतों ने गुरुमंत्र को आत्मसात करते हुए श्री झण्डा साहिब और श्री गुरु राम राय महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रीमहंत देवेन्द्र दास महाराज ने गुरु महिमा के महत्व को समझाया। उन्होने कहा कि जिस प्रकार सूर्य की किरणें सभी को समान रूप से प्रकाश और ऊष्मा देती हैं, उसी प्रकार एक आध्यात्मिक गुरु अपनी कृपा और करुणा सभी पर समान रूप से रखते हैं। गुरु यानी जो हमारे अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करते हैं।

पूरब की संगतों की विदाई

झण्डा मेला के मुख्य व्यवस्थापक मधुसूदन सेमवाल ने जानकारी दी कि झण्डे मेले की परंपरा के अनुसार झण्डे आरोहण से पूर्व मंगलवार शाम के समय पूरब की संगत को पगड़ी, ताबीज व प्रसाद वितरित किया गया। इसके साथ ही पूरब की संगत की विधिवत विदाई की गई।

द पॉली किड्स ने चंद्रबनी में खोली अपनी नई शाखा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। द पॉली किड्स स्कूल ने चंद्रबनी, देहरादून में अपनी नई शाखा खोली। यह एक भव्य समारोह के रूप में आयोजित किया गया जहाँ द पॉली किड्स स्कूल के चेयरमैन कैप्टन मुकुल महेंद्रू ने रिबन काटकर शाखा के उद्घाटन की घोषणा की, जिसमें लगभग 200 लोग शामिल हुए। चंद्रबनी शाखा की निदेशक श्रीमती प्रिया पंवार और सौरव पंवार ने सभी का स्वागत किया।

उद्घाटन समारोह के बाद कई बच्चों ने गायन और नृत्य गतिविधियों में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम स्थल पर निःशुल्क नेत्र जांच एवं दंत जांच तथा अच्छे स्पर्श एवं बुरे स्पर्श पर एक सत्र का आयोजन भी किया गया। द पॉली किड्स स्कूल बच्चों के सीखने और आगे बढ़ने के लिए एक सुरक्षित और सहायक वातावरण प्रदान करने का वादा करता है।

बहादुरपुर हत्याकांड में पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित छह आरोपियों को भेजा जेल

खाटू में उत्तराखंड के लोगों से गाली गलौज के वीडियो को लेकर विधायक उमेश कुमार से हुई थी रंजिश कार्यालय पर की थी फायरिंग

दिलशाद अंसारी

पथरी। बहादरपुर जट्ट हत्याकांड के 6 आरोपियों को पथरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में जतिन चौधरी के साथ उसके पिता एवं छोटे भाई समेत मेरठ, मुजफ्फरनगर, बिहार के निवासी है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जबकि जतिन के पक्ष में गांव निवासी पुलिस अधिकारियों से निष्पक्ष जांच के साथ दूसरे पक्ष के खिलाफ मुकदमें की मांग कर रहे हैं। मुख्य आरोपी जतिन पर 6 थानों में मुकदमें दर्ज हैं और विधायक उमेश कुमार के कैंप कार्यालय पर भी फायरिंग की थी। जतिन ने अपना उपनाम खाटू रखा हुआ था। वह इसी नाम से प्रसिद्ध था।

हरिद्वार जिले के पथरी थाना क्षेत्र के गांव बहादरपुर जट्ट में दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी की घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है। इस घटना में एक पक्ष के युवक राजन नामक युवक की मौत हो गई, जिसके बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। घटना के बाद, पुलिस ने मृतक राजन के शव का पोस्टमार्टम कराया और उसे परिजनों को सौंप दिया। परिजनों और ग्रामीणों ने शव का अंतिम संस्कार करने की बजाय, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर गांव के तिराहे पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। करीब तीन चार घंटे के दौरान पथरी पुलिस ने प्रकरण से जुडे कई लोग हिरासत में ले लिए। अन्य की गिरफ्तार का 36 घंटे में आश्वासन दिया।

इस प्रकरण में सोमवार 17 मार्च 2025 को बहादरपुर जट्ट थाना पथरी निवासी बाबूराम उर्फ अरुण की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ। शिकायतकर्ता के भाई राजन के साथ गाली गलौज, जाति सूचक शब्द प्रयोग कर जांघ में गोली मारना जिससे राजन की मृत्यु हो जाने के बाद। तहरीर के आधार पर थाना पथरी पर तत्काल आरोपियों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया।

इस मामले में पुलिस की 10 टीमें गठित कर क्षेत्र में रवाना की गई। संवेदनशीलता को देखते हुए बहादरपुर जट्ट गांव में शांति-व्यवस्था बहाल रखने के लिए पुलिस की आला अधिकारियों सहित पीएसी एवं स्थानीय पुलिस को नियुक्त किया गया। क्षेत्र में एक्टीव होकर विभिन्न माध्यमों से जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही पुलिस टीमों द्वारा आरोपित की धरपकड के लिए संभावित ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिशें दी गई तथा दिन रात की अथक मेहनत एवं टीम वर्क के बाद इस घटना में शामिल होने के 06 आरोपित को 02 अवैध तमंचों व कारतूस के साथ दबोचा। पकड़ में आए आरोपित में से एक जतिन चौधरी उर्फ खाटू ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने करीब 01 साल पहले उत्तराखंड के लोगों के बारे में भला बुरा कहते हुए वीडियो बनाकर वायरल कर दिया था जिसके कारण विधायक उमेश कुमार के साथ उसकी रंजीश चल रही थी। इस रंजिश के चलते उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर दिनांक 26 फरवरी 2025 की सुबह विधायक उमेश कुमार के कैंप कार्यालय पर भी फायरिंग की थी। विधिक कार्रवाई करते हुए पकड़े गए आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया। वहीं, अन्य फरार की तलाश हेतु लगातार दबिशें दी जा रही है। जतिन चौधरी उर्फ खाटू पर प्रदेश के अलग अलग थानों में 11 मुकदमे दर्ज है।

पुलिस टीम में सीओ लक्सर नताशा सिंह एसओ रविन्द्र कुमार, उप निरीक्षक विपिन कुमार, रोहित कुमार, अजय कुमार, कांस्टेबल वीरेंद्र पवार, जितेंद्र पुंडीर, नवीन कुमार, रविदत्त भट्ट, दीपक चौधरी, मुकेश चौहान, सुखविंदर सिंह, नारायण राणा मौजूद रहे।

सीओ सिटी ने कनखल थाने का किया अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

सैफ सलमानी

हरिद्वार। सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी ने मंगलवार को कनखल थाने का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान सीओ सिटी ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंगलवार को सीओ सिटी थाने पहुंचकर सीसीटीएनएस कक्ष, मालखाना, भोजनालय, कर्मचारी गण बैरिक व निर्माणाधीन थाना भवन तथा थाना परिसर का बारीकी से निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात थाना अध्यक्ष मनोज नौटियाल ने सीओ सिटी को थाना परिसर का भ्रमण कराया। इसके पश्चात सीओ सिटी के निर्देशन पर थाने पर उपस्थित सभी अधिकारी व कर्मचारी गणों द्वारा शस्त्रों का अभ्यास व खुलवाने-बन्द की कार्यवाही की गई। सीओ सिटी ने थाने के समस्त उपनिरीक्षक,व कर्म गणों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये लम्बित विवचनाओं प्रार्थना पत्रों का समय से निस्तारण किया जाए।सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी ने कहा कि थाने की सभी व्यवस्था दुरुस्त पाई गई है। आम लोगों की शिकायतों को थाने के स्तर पर उचित निस्तारण समय से किया जाय। शिकायतों को पेंडिंग न रखा जाए।

पीड़ित कर्मचारी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ किया मुकदमा दर्ज

सीसीटीवी कैमरें से आरोपियों को चिह्नित करना किया शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पथरी क्षेत्र में हुए खूनी संघर्ष में राजन को गोली लगने के बाद उपचार के लिए कनखल थाना क्षेत्र के एक हॉस्पिटल में ले गए जहां मृतक राजन के समर्थनों ने एक कर्मचारी पर हमला कर दिया। जिससे उसे गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस पीड़ित कर्मचारी की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी कैमरें से आरोपियों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है।

गौरव वालिया पुत्र नरेश वालिया निवासी जमालपुर कलां न्यू हरिद्वार ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर बताया कि मल्टीस्पेशिलस्ट हास्पिटल सतीकुंड कनखल में कार्यरत है। रविवार की रात इक्कड़ रेलवे स्टेशन के पास खूनी संघर्ष में गोली लगने के बाद राजन को कनखल के इसी अस्पताल में लाया गया था। साथ ही काफी संख्या में लोग यहां पहुंच गए थे। गौरव वालिया ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 16 मार्च की रात करीब 11 बजे अस्पताल में ड्यूटी के दौरान अस्पताल में ग्राम बहादरपुर जट के कुछ अज्ञात युवक पहुंचे। सभी ने आते ही उससे गाली-गलौज शुरू कर दी और उससे मारपीट करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से उसके सिर पर हमला कर दिया, जिससे सिर में गंभीर चोटें आई। इसके बाद सभी लोगों ने आते हुए उसे हत्या कर देने की धमकी दी। सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज में आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व संवर्द्धन, प्रगति एवं विभागीय प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जनपद में विभागीय राजस्व आय में संवर्द्धन एवं अनुश्रवण हेतु साप्ताहिक समीक्षा बैठक अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में माह: फरवरी, 2025 में प्राप्त विभागीय राजस्व की उपलब्धि एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों से राजस्व संवर्द्धन एवं प्रगति एवं विभागीय प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में वन विभाग द्वारा माह फरवरी, 2025 में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 37.31 प्रतिशत राजस्व की प्राप्ति की गई है, जो काफी कम है। वन विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि इस वर्ष मात्र 03 खनन लाटो में कार्य किया जा सका है। मा० उच्च न्यायालय नैनीताल द्वारा गंगानदी की 4 लाटों में रोक लगाई गई है। इसके अतिरिक्त शासन द्वारा मार्ग संधारण शुल्क विलोपित किया गया है। वर्ष 2022 में हरिद्वार वन प्रभाग की कार्य योजना समाप्त होने के कारण वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में मुख्य पातन की लॉटो का आबंटन नही हो पाया है, जिस

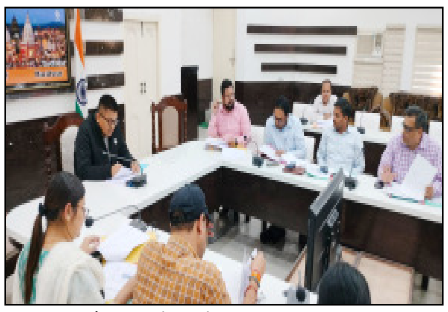

कारण विभाग को प्रकाष्ठ की रायल्टी प्राप्त नहीं हुई है। उक्त भदे ही वन विभाग के राजस्व प्राप्ति की मुख्य मदे है, इस प्रकार मुख्य मदो से राजस्व प्राप्ति की संभावना न होने के कारण आबंटित लक्ष्य को 22.89 करोड़ की प्राप्ति किया जाना संभव नहीं है, वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त को पत्र दिनांकित 31.07.2025 द्वारा उक्तानुसार अवगत कराते हुए इस प्रभाग को आबंटित लक्ष्य को कम करने का अनुरोध किया गया है। आबकारी विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष माह फरवरी, 2025 तक 115.78 प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित की है, जो संतोषजनक है। सहायक सभागीय परिवहन अधिकारी हरिद्वार एवं रूडकी द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कमश: 86.57 प्रतिशत व 91.62 प्रतिशत राजस्व की प्राप्ति की गई है। खनन विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 66 प्रतिशत राजस्य की प्राप्ति की गई है। खनन विभाग के अधिकारियों को राजस्व में वृद्धि हेतु प्रवर्तन की कार्यवाही अभियान के रूप में चलाने के निर्देश दिये गये। सहायक महा प्रबन्धक, रोडवेज, हरिद्वार द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 103 प्रतिशत एवं रुड़की क्षेत्र द्वारा 88 प्रतिशत राजस्व आय की प्राप्ति की गई है।

परिवहन विभाग की ओर से उपस्थित अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि रोडवेज विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि उनके विभाग की लम्बित आर०सी० की सूचना शून्य है। परिवहन विभाग को राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिये गये। विद्युत विभाग द्वारा माह फरवरी, 2025 में अनुमानित लक्ष्य के सापेक्ष 77 प्रतिशत की प्राप्ति की गई है।

स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग हरिद्वार द्वारा विगत वर्ष आलोच्च माह की तुलना में इस वर्ष अब तक 8.20 प्रतिशत अधिक आय प्राप्त की गई है। निबंधन विभाग को निर्देशित किया गया कि वे राजस्व आय को बढ़ाने हेतु और अधिक प्रयास करें। इसके साथ ही अन्य विभाग विद्युत, पर्यटन, सिंचाई, राज्य कर आदि को राजस्व वृद्धि में और अधिक तेजी लाते हुए निधारित वार्षिक लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये गये।

अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि तहसीलो से उपस्थित संग्रह कार्मिको एवं प्रशासनिक अधिकारी/वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, संग्रह को यह निर्देशित किया गया कि वे सही प्रकार से समस्त विभागीय वसूली पत्रो का संबंधित विभागों से मिलान कराते हुए अद्यतन स्थिति सहित बैठक में प्रस्तुत करें। समस्त विभागीय अधिकारियों को यह निर्देशित किया गया कि चूंकि वित्तीय वर्ष समाप्ति पर है। इस कारण निधारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत राजस्व प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु यथासम्भव प्रयास करें। आगामी बैठक में जिन विभागों की प्राप्ति निर्धारित लक्ष्य से कम है अथवा विगत वर्ष की तुलना में कमी है। वें उक्त कमी का सकारण उत्तर भी प्रगति विवरण पत्र के साथ प्रस्तुत करें। बैठक में एसडीएम लक्सर सौरभ असवाल, एसडीएम भगवानपुर जितेंद्र कुमार, एआरटीओ हरिद्वार रश्मि पंत, एआरटीओ रुड़की एल्विन रॉक्सी हसीलदार हरिद्वार प्रियंका रानी, अपर तहसीलदार रुड़की हरिहर उनियाल, डीटीडीओ सुशील नौटियाल, एसडीओ फॉरेस्ट राखी जुयाल, एजीएम रोडवेज केके मल्होत्रा आदि उपस्थित थे।

जिला मुक्केबाजी संघ की बैठक आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जिला हरिद्वार मुक्केबाजी संघ के रानीपुर मोड़ स्थित कार्यालय पर हुई बैठक में वर्ष 2025 में होने वाले विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं अन्य योजनाओं के लिए खिलाड़ियों एवं अभिभावको को जागरूक करने के संबंध में चर्चा हुई। संरक्षक रोहन सहगल ने कहा कि हरिद्वार जिले में खेलों के प्रति रुझान एवं सोच तथा खेलों के प्रति क्रांति लाने के लिए हमें और अधिक प्रयास करने चाहिए। जिससे कि अभिभावक अपने बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलों में भी भेजने हेतु प्रेरित हो। अध्यक्ष डा. विशाल गर्ग ने कहा कि हरिद्वार शहर के सभी खिलाड़ियों के बीच एक सर्व सुविधा संपन्न मुक्केबाजी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाए और इच्छुक बालक बालिकाओं को मुक्केबाजी खिलाड़ी बनने हेतु प्रचार प्रसार कर उन्हें बॉक्सिंग खेल में लाया जाए। डा. प्रदीप चौधरी ने बताया कि मुक्केबाजी खेल में बालिकाओं को अधिक प्रतिभाग करने के लिए एक छात्रवृत्ति की योजना बनाई जाएगी। जिसमें खेल में प्रवीण बालिकाओं को प्रतिमाह 1,000 रूपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी।

संतों व श्रद्धालुओं ने ब्रह्मलीन उषा माता एवं ब्रह्मलीन महादेव को किया नमन

संत समाज की दिव्य विभूति थे ब्रह्मलीन उषा माता एवं स्वामी महादेव : रविदेव शास्त्री

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्रवणनाथ नगर स्थित जय मां आश्रम में आयोजित संत समागम में सतों व श्रद्धालुओं ने जय मां मिशन की संस्थापक ब्रह्मलीन चक्रवर्ती महामंडलेश्वर उषा माता और उनके शिष्य ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी महादेव का भावपूर्ण स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर स्वामी रविदेव शास्त्री ने कहा कि ब्रह्मलीन चक्रवर्ती महामंडलेश्वर उषा माता एवं ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी महादेव संत समाज की दिव्य विभूति थे। ब्रह्मलीन स्वामी महादेव ने अपनी गुरूदेव ब्रह्मलीन चक्रवर्ती महामंडलेश्वर उषा माता द्वारा स्थापित जय मां मिशन की सेवा संस्कृति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। धर्म संस्कृति और मानव सेवा में ब्रह्मलीन उषा माता एवं उनके शिष्य स्वामी महादेव का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। स्वामी हरिहरानंद एवं स्वामी सुतिक्ष्ण मुनि ने कहा कि संत महापुरूषों ने हमेशा ही समाज को कल्याण की राह दिखायी है। ब्रह्मलीन उषा माता एवं स्वामी महादेव दिव्य महापुरूष थे। सभी को उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए मानव सेवा का संकल्प लेना चाहिए। जय मां मिशन की अध्यक्ष साध्वी शरण ज्योति मां एवं साध्वी जीवन ज्योति मां ने कहा कि ब्रह्मलीन चक्रवर्ती महामंडलेश्वर उषा माता एवं ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी महादेव त्याग, तपस्या और सेवा की प्रतिमूर्ति और महान संत थे। सेवा कार्यो के साथ देश की एकता अखण्डता बनाए रखने में ब्रह्मलीन उषा माता महाराज एवं स्वामी महादेव का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। सभी को उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए सेवा कार्यो का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी हरिहरानंद, स्वामी सुतिक्ष्ण मुनि,

स्वामी दिनेश दास, स्वामी विपनानंद, स्वामी नागेंद्र महाराज, स्वामी शिवम महंत, स्वामी गोपालानंद, साध्वी शरण ज्योति मां, साध्वी जीवन ज्योति मां, साध्वी शीतल ज्योति मां, साध्वी शरद ज्योति मां, साध्वी परम् ज्योति मां, साध्वी पूजा ज्योति मां, साध्वी दिव्य ज्योति मां, सुभाष बहल, अनिल कुमार, रेखा, संजय कुमार, जगदीश चावला, बबीता हांडा, पंडित गणेश सहित कई संत महापुरूष व श्रद्धालु मौजूद रहे।

लोगों को पहाड़वाद और मैदानवाद के नाम पर भ्रमित कर रहे नेता : कपिल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। समाजसेवी कपिल शर्मा जौनसारी ने कहा है कि उत्तराखंड में अपने राजनैतिक लाभ के लिए नेताओं ने पहाड़ और मैदान के लोगों में जो दरार उत्तपन्न की है। वह भविष्य के लिए नुकसानदायक साबित होगी। प्रेस को जारी बयान में कपिल शर्मा जौनसारी ने कहा कि नेता अपनी राजनीति को बढ़ाने के लिए लोगों को पहाड़वाद और मैदानवाद के नाम पर भ्रमित कर आपस में लड़वाने का काम कर रहे हैं। जौनसारी ने कहा कि नेताओं को बेतुके बयान नहीं देने चाहिए। जिससे की कोई विवाद उत्पन्न ना हो सके और अपने पद के साथ-साथ सदन की गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिए। यदि शहरी विकास मंत्री जनता से सार्वजनिक माफी मांगते तो शायद इन्हे इस्तीफा देने की नौबत नहीं आती। कपिल शर्मा जौनसारी ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित सुबोध उनियाल को भी अपने पद से जल्द इस्तीफा देना चाहिए। जिससे देव भूमि उत्तराखंड में किसी भी प्रकार से माहौल खराब न हो सके।

वार्ड 48 में चलाया विशेष सफाई अभियान

शहर को स्वच्छ सुंदर बनाने में सभी करें सहयोग : किरण जैसल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मेयर किरण जैसल के संयोजन में वार्डो में चलाया जा रहा विशेष सफाई अभियान मंगलवार से पुनः शुरू हुआ। होली पर्व के दौरान कुछ दिन के विराम के बाद मंगलवार को वार्ड 48 में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़कों, नाले, नालियों की सफाई की गयी। वार्ड पार्षद आशुतोष चक्रपाणी भी सफाई अभियान में शामिल हुए। मेयर किरण जैसल ने सफाई कार्य का निरीक्षण किया और लोगों से सफाई व्यवस्था बनाए रखने में नगर निगम कर्मचारियों का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि गर्मी का मौसम शुरू हो रहा है। इसलिए अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ सुंदर बनाए रखें। कूड़ा करकट सड़कों पर ना फेंके। वार्ड को स्वच्छ सुंदर बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। सभी के सहयोग से ही शहर को स्वस्छ सुंदर बनाया जा सकता है। इसलिए सभी को सफाई के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाते हुए सफाई कर्मचारियों का सहयोग करना चाहिए। पार्षद आशुतोष चक्रपाणि ने कहा कि वार्डों में चलाया जा रहा विशेष सफाई अभियान निश्चित रूप से जनता के हित में है। उन्होंने कहा कि वार्ड को गंदगी मुक्त बनाना है। वार्ड में कहीं भी गंदगी एकत्र नहीं होने दें। साफ स्वच्छ वातावरण में ही रोग मुक्त रहा जा सकता है।

बीमारियों को भगाना है तो सफाई के प्रति जागरूक बनें। इस दौरान मंडल अध्यक्ष वरुण वशिष्ठ, चीफ सेनेटरी इंस्पेक्टर विकास छाछर, सफाई नायक कुसुम पाल, सुनील राजौर, बंटी आदि मौजूद रहे।

पांच नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वार्ड 2 भूपतवाला की पार्षद सुनीता शर्मा ने भूपतवाला में पांच नए आंगनवाड़ी केंद्र खोले जाने की मांग को लेकर बाल विकास परियोजना अधिकारी को ज्ञापन दिया। पार्षद सुनीता शर्मा ने कहा कि भूपतवाला वार्ड 2 में गायत्री विहार कॉलोनी में एक आंगनवाड़ी केंद्र चल रहा है। जबकि भूपतवाला 12000 की आबादी वाला वार्ड है। जहां नगर निगम चुनाव में वार्ड में 4800 से अधिक मतदाता थे। भूपतवाला में शिवनगर गली, शांतिकुंज, रानी गली, शिवम एनक्लेव, ओम विहार कालोनी, गंगा विहार, गंगोत्री विहार, सत्यम विहार, गायत्री विहार, भागीरथी नगर, इंदर एनक्लेव, श्यामलोक कालोनी, हर्ष विहार कालोनी, साई गली, महाजन वाली गली जैसी छोटी-बड़ी लगभग 25 कालोनियां हैं। ऐसे में भूपतवाला में पांच नए आंगनवाड़ी केंद्र खोले जाने की आवश्यकता है। ताकि आम जनता को इसका लाभ मिल सके। भाजपा नेता विदित शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे को धरातल पर उतार कर और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार महालक्ष्मी किट जैसी योजनाएं लाकर बेटियों को सीधा लाभ देने का काम कर रही है। गरीब, वंचित, शोषित वर्ग को योजनाओं को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। इसके लिए वार्ड में नए आंगनवाड़ी केंद्र खोले जाने चाहिए। बाल विकास परियोजना अधिकारी संदीप कुमार ने कहा कि पार्षद सुनीता शर्मा द्वारा नए आंगनवाड़ी केंद्र खोलने की मांग के संबंध में उच्चाधिकारियों को अवगत कराने के साथ केंद्र तक पत्राचार कर किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में भाजपा नेता विदित शर्मा, रामावतार शर्मा, हनी अग्रवाल, शिवकुमार सैनी, लक्षित भारद्वाज, सोमिल पाठक, रविंद्र नवानी, श्वेता पांडे, कमला पांडे, सुषमा शर्मा आदि भी शामिल रहे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के समर्थन में उतरा वैश्य समाज

सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल के समर्थन में उतरे वैश्य समाज ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन किया और उन्हें पुन: मंत्रिमंडल में लेने की मांग की। प्रदर्शन के बाद सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। मंगलवार को पंचपुरी हरिद्वार की समस्त वैश्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के समर्थन में अग्रसेन चौक देवपुरा से सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय तक पैदल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया तथा समाज का सम्मान बरकरार रखते हुए प्रेमचंद अग्रवाल को जल्द से जल्द मंत्रिमंडल में वापस लेने की मांग की। सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन के बाद सिटी मजिस्ट्रेट के

माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया गया। जिसमें प्रेमचंद अग्रवाल को पुन: कैबिनेट मंत्री के रूप में मंत्रिमंडल में समाज को सम्मान दिए जाने की मांग की गयी है।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश चेयरमैन पराग गुप्ता ने कहा कि प्रेमचंद अग्रवाल के बयान पर चंद लोगों द्वारा वैश्य समाज के लोगों को टारगेट करते हुए जो बयानबाजी की गयी। जिससे भारी दबाव के चलते कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को इस्तीफा देना पड़ा। उसकी संपूर्ण वैश्य समाज कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करता है। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा खेद प्रकट करने के बावजूद उनके बयान को जिस प्रकार तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया और कुछ लोगों द्वारा इस बेवजह तूल दिया गया। वह अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहाड़वाद और मैदानवाद का जो विवाद खड़ा किया जा रहा है। वह राज्य के लिए किसी भी दृष्टि से ठीक नहीं है। वैश्य समाज इसका विरोध करता है और मुख्यमंत्री को प्रेमचंद अग्रवाल को पुन: मंत्रिमंडल में लेना चाहिए।

इस अवसर पर अरविंद अग्रवाल, श्रवण गुप्ता, सुयश अग्रवाल, प्रदीप बृजवासी, अनुज गोयल, अशोक अग्रवाल, मनोज बब्बल, पी.के बंसल, प्रदीप मेहता, संजय गुप्ता, नितिन मंगल, कपेश गोयल, विपुल गोयल, कपिल मेहता, पूर्व सभासद नरेंद्र अग्रवाल, प्रत्यय अग्रवाल. ओंकार जैन, श्रवण गुप्ता, आशीष मेहता, दिनेश, प्रदीप, योगेश आर्य, अनीष, अजय गोमल, रविन्द्र गोयल, नमित, विपिन गुप्ता, सुकेश गोयल, वेद प्रकाश अग्रवाल, प्रवर गुप्ता, निकुंज गुप्ता, मांगेराम, आदेश गुप्ता. माणिक गोयल, राजीव गुप्ता, मोहित, रविन्द्र गोयल, आशीष गुप्ता, दीपक बंसल, इंशात मित्तल, अक्षय गोयल, शैलेश गुप्ता, निश्चल गुप्ता, संजीव अग्रवाल, पल्लव मित्तल, वंदना गुप्ता, विपिन गुप्ता सहित बड़ी संख्या में वैश्य समाज के लोग शामिल रहे।

गुरुद्वारे के सेवक का शव गंगा किनारे खेत में मिला, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। क्षेत्र के गांव शाहपुर निवासी गुरुद्वारे के सेवक का शव गंगा किनारे एक खेत मे मिलने से हड़कंप मंच गया। किसानों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त कराई। पुलिस ने शव की शिनाख्त के बाद पंचनामा भर उसे पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्तपाल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पथरी चौकी प्रभारी सुधांशु ने बताया कि पथरी थाना क्षेत्र के गांव शाहपुर निवासी व्यक्ति का शव शाहपुर स्थित गंगा किनारे एक खेत में मिलने से हड़कंप मच गया। किसानो ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मितले मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से उसकी शिनाख्त कराई तो व्यक्ति की शिनाख्त सुखपाल 35 वर्ष पुत्र सियाराम निवासी शाहपुर शीतला खेड़ा के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि व्यक्ति जमनानगर स्थित गुरुद्वारा का सेवक है और अपने घर शाहपुर आया हुआ था। पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया है। साथ ही मृतक के परिजनों को घटना के संबंध में जानकारी दी गई जिसके बाद परिजन अस्पताल में पहुंच गये। पुलिस को मृतक के पास कोई सोसाइड नोट नही मिला है। मौत के कारणों का पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पायेगा। वहीं परिजनों ने युवक की मौत की हत्या की आशंक जताई है। फेरुपुर चौकी प्रभारी सुधांशू कौशिक ने बताया खेत मे शव मिला है जिसकी पहचान हो गई है। शव पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। तहरीर आने के बाद मामले की जांच की जाएगी।

वास्तविक स्थिति से अवगत कराएं

कालागढ़ डैम के पास रह रहे परिवारों को हटाने का मामला

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने कालागढ़ डैम के समीप वन विभाग व सिंचाई विभाग की भूमि पर अवैध रूप से रह रहे सेवानिवृत्त व अन्य

हाईकोर्ट ने यूपी-उत्तराखण्ड के सीएस से वीसी के माध्यम से पेश होने को कहा

करीब 400 से 500 परिवारों को हटाए जाने के मामले पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ती आलोक मेहरा की खंडपीठ ने मामले की वास्तविकता को जानने के लिए

चीफ सेकेट्री यूपी व उत्तराखंड तथा फाइनेंस सेकेट्री यूपी व उत्तराखंड तथा रेबन्यू सेकेट्री यूपी व उत्तराखंड को निर्देश दिए हैं कि वे 21 मार्च शुक्रवार को वीसी के माध्यम से कोर्ट में पेश हों।

बता दें कि पूर्व के आदेश पर डीएम आशीष चौहान ने रिपोर्ट प्रस्तुत की, रिपोर्ट में कहा गया कि वहाँ पर तीन तरह के लोग निवास कर रह रहे हैं जिसमें कुछ कर्मचारी अभी कार्य कर रहे हैं, रिटायर कर्मचारी और उनके परिजन तथा बाकि मजदूर तथा दुकानदार व ठेकेदार व माल सप्लायर हैं। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा है कि इनको विस्थापित करने के लिए उनके द्वारा अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी है, यही नहीं यहाँ पर यूपी सरकार की भी भूमि है, उनकी भी अनुमति लेनी आवश्यक है, जिस पर कोर्ट ने उत्तराखंड व यूपी सरकार के अधिकारियों को वीसी के माध्यम से पेश होने को कहा। मामले के अनुसार कालागढ़ जन कल्याण उत्थान समिति ने उच्च न्यायलय में जनहित याचिका दायर कर कहा है कि तत्कालीन यूपी सरकार ने वर्ष 1960 में कालागढ़ डैम बनाएं जाने के लिए वन विभाग की कई हजार हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण करके सिंचाई विभाग को दी थी, साथ में यह भी कहा था कि जो भूमि डैम बनाने के बाद बचेगी उसे वन विभाग को वापस किया जाएगा। डैम बनने के बाद कई हेक्टेयर भूमि वापस की गई लेकिन शेष बची भूमि पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों व अन्य लोगो ने कब्जा कर दिया। अब राज्य सरकार 213 लोगो को विस्थापित कर रही है जबकि वे भी दशकों से उसी स्थान पर रह रहे हैं उनको नहीं। उन्हें हटने का नोटिस दिया गया है। लिहाजा उनको भी अन्य की तरह विस्थापित किया जाय।

देवभूमि उद्यमिता योजना का शुभारंभ

नैनीताल। उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग और उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से देवभूमि उद्यमिता योजना केंद्र वाणिज्य विभाग डीएसबी परिसर में उद्यमिता विकास कार्यक्रम मंगलवार से शुरू हुआ। यह कार्यक्रम 29 मार्च तक चलेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन कला संकायाध्यक्ष और डीएसबी परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. रजनीश पांडे ने किया। उन्होंने उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला और आयोजकों एवं प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। वाणिज्य विभाग के संकायाध्यक्ष प्रो. अतुल जोशी ने उद्यमिता के विषय में विस्तार से अपने विचार रखे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अभिषेक नंदन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उद्यमिता के गुणों को साझा किया। पहले दिन पंकज पांडे, 2024 के उत्तराखंड उद्यमिता सीड फंड विजेता, ने अपना अनुभव साझा करते हुए सीड ंड प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में बताया। कार्यक्रम में डा. विजय कुमार ने सभी का स्वागत किया और अंत में आभार व्यक्त किया।

औषधीय पौधों के गुण बताए

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर के कला संकाय भवन में मंगलवार को मॉडर्न ट्रेंड इन मेडिसिनल प्लांट विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। यह कार्यशाला विजिटिंग प्रोफेसर निदेशालय और बॉटनी डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित की गई, जिसे कुमाऊं विश्वविद्यालय और यू कॉस्ट ने प्रायोजित किया। कार्यशाला का शुभारंभ पर्यावरण संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील नौटियाल और कुविवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने दीप प्रज्वलन और कुलगीत के साथ किया। प्रो. नौटियाल ने कहा कि आज भी 80: मेडिसिनल प्लांट वनों से आते हैं और इनकी सिंपल वैल्यू चेन बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने औषधीय पौधों के विकास पर जोर देते हुए अश्वगंधा, जटामांसी और तुलसी जैसे पौधों को महत्वपूर्ण बताया। कुविवि के कुलपति प्रो. रावत ने मेडिसिनल प्लांट के महत्व को रेखांकित करते हुए मल्टी-डिसिप्लिनरी शोध को बढ़ावा देने की बात की। कार्यशाला के दौरान विभिन्न विशेषज्ञों ने मेडिसिनल प्लांट्स के विविध पहलुओं पर अपने विचार रखे। पंतनगर विश्वविद्यालय की बॉटनी विभागाध्यक्ष प्रो. प्रीति चतुर्वेदी और अन्य वैज्ञानिकों ने औषधीय पौधों के व्यवसायिक उपयोग और प्रबंधन पर चर्चा की। कार्यशाला में सभी अतिथियों को शॉल और प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए।

नैनीताल से भीख मांगने वालों को खदेड़ा

नैनीताल। नगर के तल्लीताल क्षेत्र में घूमकर मांगने वाले भिक्षुकों को पुलिस ने खदेड़ना शुरू कर दिया है। साथ ही उनके सत्यापन की भी जांच की जा रही है। बता दें कि होली के बाद पर्यटकों के साथ दर्जन से ज्यादा भिक्षुक भी नैनीताल पहुंच गए हैं। जिसके चलते शहर में जगह-जगह भिक्षुक पैंसे मांगकर पर्यटकों व स्थानीय लोगों को परेशान कर रहे हैं। इधर मंगलवार को तल्लीताल क्षेत्र में पुलिस ने अभियान चलाकर भिक्षुकों से पूछताछ कर उनके आधार कार्ड देखे। साथ ही उनके सत्यापन की जांच की जिसके बाद चार से पांच भिक्षुकों को नैनीताल से हल्द्वानी को खदेड़ दिया। एसओ रमेश सिंह बोरा ने बताया कि क्षेत्र में घूम रहे भिक्षुकों को शहर से वापस उनके क्षेत्र को भेजा जा रहा है।

जिला विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण तोड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल में कुमाऊं विवि के कुलपति आवास की दीवार से चिपकाकर अवैध निर्माण करने वाले के खिलाफ जिला विकास प्राधिकरण ने कार्रवाई की है। कुलपति की शिकायत पर डीडीए की टीम ने अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिया है। बता दें कि कुमाऊँ विवि की भूमि पर अवैध निर्माण के मामले सामने आने के बाद कुमाऊँ विवि की ओर से बीते दिनों कार्रवाई की गई थी। इसके बाद अब कुलपति आवास की दीवार से चिपकाकर एक व्यक्ति की ओर से अवैध निर्माण कर लिया गया। कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत की शिकायत के बाद मंगलवार को जिला विकास प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची। जहां अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की गई है। प्राधिकरण सचिव विजयनाथ शुक्ल ने बताया कि कुलपति की शिकायत पर उनके आवास से लगे अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है।

महिला वर्ग के स्ट्रोक टीम इवेंट में जीता स्वर्ण पदक

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल की महिला एवं पुरुष वर्ग वुडबॉल टीम रुद्रपुर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के उपरांत 7 से 10 मार्च 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय वुडबॉल महिला पुरुष प्रतियोगिता 2024-25 जो पारुल विश्वविद्यालय वडोदरा (गुजरात) में आयोजित हुई थी में प्रतिभाग कर महिला वर्ग के स्ट्रोक टीम इवेंट में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

कुमाऊं विवि के क्रीड़ाधिकारी डा. नागेंद्र प्रसाद शर्मा के मुताबिक उक्त स्ट्रोक टीम इवेंट खिलाड़ियों में कशिश शर्मा, आस्था रानी, गरिमा राणा, कामिनी, प्रिया गोस्वामी तथा चेतना पांडे शामिल थी तथा पुरुष वर्ग के मिक्स्ड डबल्स इवेंट में रजत पदक प्राप्त किया, जिसमें योगेश पांडे तथा मनजोत कौर शामिल थे। टीम के मैनेजर लोकेश पांडे, एनपी शर्मा तथा श्वेता भाकुनी एवं लक्ष्मी कुमारी थे। डा. नागेंद्र शर्मा ने बताया अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय वुडबॉल प्रतियोगिता में देश भर के 44 विश्वविद्यालयों के महिला एवं पुरुष वर्ग की टीमों ने प्रतिभाग किया, जिसका उद्घाटन एआईयू नई दिल्ली के संयुक्त सचिव (खेल) डा. बलजीत सिंह सेखों द्वारा किया गया था। दूसरी ओर विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत, कुल सचिव डा. मंगल सिंह मंद्रवाल, परिसर निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा, प्रभारी परिसर निदेशक प्रो. रजनीश पांडेय समेत प्रो. संतोष यादव, वित्त नियंत्रक अनीता आर्य एवं डीएसडब्ल्यू प्रो. संजय पंत, डा. संतोष कुमार, प्रो. ललित तिवारी, प्रो. महेंद्र सिंह राणा, प्रो. राजेश ऊभान, डा. राजेश कुमार, प्रो. एएस बनकोटी, डा. सुरेंद्र सिंह, डा. सुदर्शन कुमार एवं विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों व छात्रों द्वारा टीम को बधाई दी गयी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान एस रावत ने कहा कि मेधावी खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय में आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा।

2,88,88,999 में छूटा लेकब्रिज चुंगी का ठेका

नैनीताल। नगर के प्रवेश द्वार पर बनी लेक ब्रिज चुंगी का इस वर्ष ठेका उमेश मिश्रा के नाम पर 2,88,88,999 रुपये में छूटा। डीएसए मैदान का टेंडर निरस्त हो गया। पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल और टेंडर समिति के समक्ष एक बजे खोली गई। लेक ब्रिज के लिए पांच लोगों ने टेंडर डाले थे। 2.88 करोड़ रुपये में ठेका नैनीताल निवासी उमेश मिश्रा के नाम पर छूटा। दूसरे नंबर पर रहे कोरल एसोसिएट्स राजस्थान ने 2.52 करोड़ रुपये की निविदा भरी थी। डीएसए मैदान के लिए निविदा कमेटी ने निरस्त कर दी। हालांकि इसके लिए भी चार टेंडर पड़े थे। हालांकि दस्तावेज परीक्षण में केवल दो सफल हुए। कमेटी में सीटीओ दिनेश राणा, एई आरईएस केएस कोरंगा, ईओ दीपक गोस्वामी, संजय कनवाल लोक उपस्थित थे।

टैरिफ युद्ध से टेक्नोलॉजी सेक्टर में अस्थिरता की आशंका

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। हाल के वर्षों में व्यापारिक प्रतिस्पर्धा और संरक्षणवादी नीतियों के कारण कई देशों के बीच टैरिफ (आयात शुल्क) विवाद बढ़े हैं, जिसका प्रमुख असर वैश्विक व्यापार पर पड़ रहा है। अमेरिका, भारत, चीन, कनाडा, मैक्सिको और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख वैश्विक आर्थिक केंद्रों ने एक-दूसरे के उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ाया है, जिससे व्यापार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इस विषय पर टिप्पणी करते हुए कंटेंट रणनीतिकार और तकनीकी व मीडिया विश्लेषक केके पांडेय ने कहा कि इस टैरिफ युद्ध का सबसे अधिक प्रभाव टेक्नोलॉजी क्षेत्र पर पड़ सकता है। पांडेय ने बताया कि टेक्नोलॉजी उद्योग अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन पर अत्यधिक निर्भर है,

और जब देशों के बीच व्यापार नीतियों में बदलाव आते हैं और टैरि बढ़ाए जाते हैं, तो इससे इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, आईटी हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और अन्य तकनीकी उत्पादों की लागत में वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा अमेरिका ने हाल ही में भारत, चीन, कनाडा और मैक्सिको सहित कई देशों के उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की है। इसके जवाब में ये देश भी अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने जा रहे हैं। इससे टेक्नोलॉजी सेक्टर में अस्थिरता बढ़ सकती है, और कंपनियों को अपनी रणनीतियों में बदलाव करने की आवश्यकता हो सकती है। पांडेय के मुताबिक, अमेरिका ने भारत के कुछ उत्पादों पर 'सप्रेसिप्रोकल टैरिफ' लागू किया है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी हार्डवेयर की कीमतों में वृद्धि हो सकती है, क्योंकि भारत चीन और अन्य देशों से कच्चा माल और कंपोनेंट्स आयात करता है। साथ ही, चीन के साथ व्यापारिक तनाव के कारण अमेरिका ने सेमीकंडक्टर्स और माइक्रोचिप्स पर भारी टैरिफ लगाए हैं, जिससे स्मार्टफोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। पांडेय ने चेतावनी दी कि यदि यह टैरिफ विवाद लंबा चलता है, तो टेक्नोलॉजी सेक्टर में नए व्यापार संबंधों और आपूर्ति स्रोतों की तलाश तेज हो सकती है। उन्होंने कहा कंपनियों को इस स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देना, वैकल्पिक आपूर्ति शृंखलाएं विकसित करना और नई टेक्नोलॉजी में निवेश करना जरूरी होगा। अन्यथा, उपभोक्ताओं को महंगे टेक उत्पादों और धीमे इनोवेशन का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही, पांडेय ने सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपील की कि वे व्यापार संबंधों में स्थिरता बनाए रखने के लिए नीतिगत कदम उठाएं, ताकि टेक्नोलॉजी उद्योग को नुकसान न पहुंचे और वैश्विक इनोवेशन की गति बनी रहे।

त्रिस्तरीय पंचायतों की तैयारियां तेज

अल्मोड़ा। त्रिस्तरीय पंचायतों को लेकर प्रशासन और शासन की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई है। निर्वाचक नामवलियों को शुद्ध एवं परिपूर्ण तैयार किए जाने के लिए संयुक्त सचिव राज्य निर्वाचन आयोग उत्तराखंड कमलेश मेहता को जनपद का पर्यवेक्षक नामित किया गया है। पर्यवेक्षक नामित होने के बाद कमलेश ने जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक कुमार पांडेय से मुलाकात की। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन को लेकर विस्तार से चर्चा की। पर्यवेक्षक ने पंचास्थानि चुनाव कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने जनपद स्तर पर तैयार की जा रही त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली के संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी के साथ ही पंचास्थानि चुनाव कार्यालय के कार्मिकों जानकारी ली। कार्यालय में रखी गयी मतपेटिकाओं का भी निरीक्षण किया। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली की डाटा एंट्री करने वाले वेंडर कार्यालय का भी निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध एवं पारदर्शी बनाया जाए। इसके अलावा उन्होंने बताया कि निर्वाचक नामावली की चेक लिस्ट, मसौदा सूची जनपद के समस्त 1160 ग्राम पंचायतों की तैयार हो चुकी है। बताया कि निर्वाचक नामावली की रैंडम चैकिंग, पाण्डुलिपि से मिलान के बाद आवश्यक संशोधन किए जाने के लिए निर्वाचक नामावलियां वेंडर को सौंपी जा चुकी है जो की शीघ्र ही मुद्रित करा ली जायेंगी। उन्होंने निर्वाचन में कुल मतदान केंद्रो, स्थलों के बारे में भी जानकारी ली।

34 अधिवक्ताओं ने किया टेंडर मतदान

जिला बार एसोसिएशन के लिए मतदान प्रक्रिया आज

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। जिला बार एसोसिएशन के वर्ष 2025 की नई कार्यकारिणी के चुनाव के लिए मंगलवार को टेंडर वोट डाले गए टेंडर मतदान में कुल 34 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। मुख्य चुनाव अधिकारी नीरज साह ने बताया कि मतदान करने वाले दिन यानी बुधवार (आज) कई अधिवक्ताओं द्वारा जरूरी कार्य से बाहर जाने के आवेदन किए गए थे जिसके आधार पर एक दिन पहले यानी मंगलवार को टेंडर वोट डाले गए। जिला बार के विभिन्न पदों पर चुनाव के लिए बुधवार (आज) को सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक मतदान का समय निर्धारित

है। सह चुनाव अधिकारी संजय सुयाल ने बताया की एसोसिएशन में कुल 274 मतदाता पंजीकृत हैं। बुधवार सुबह 10 बजे से बार कक्ष में मतदान प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। मतदान पूरा होने के बाद मतों की गणना व बुधवार शाम को ही विजयी प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी। बता दें कि अध्यक्ष पद पर जहां कुल चार प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं वही उपाध्यक्ष, सचिव तथा उपसचिव सहित सभी पदों पर दो-दो प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन यानी मंगलवार को उम्मीदवारों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। दूसरी ओर बुधवार (आज) को सकुशल एवं निष्पक्ष मतदान कराने के लिए जिला बार एसोसिएशन की चुनावी टीम ने पूरी तैयारियां कर ली गई हैं। इस दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी नीरज साह, सहायक चुनाव अधिकारी संजय सुयाल, हेमंत धुसिया, मोहन नाथ गोस्वामी, गौरव भट्ट तथा बार क्लर्क मयंक सनवाल आदि मौजूद रहे।

प्रभावी और समृद्ध शिक्षा प्रदान करेंगे: कुलपति

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर स्थित वाणिज्य विभाग में मंगलवार को नव निर्मित शैक्षणिक भवन का उद्घाटन कुलपति प्रो. डीएस रावत और संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल जोशी ने किया। इस नए भवन का निर्माण शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो विद्यार्थियों को अत्याधुनिक सुविधाओं और व्यावसायिक प्रशिक्षण का अवसर प्रदान करेगा। वाणिज्य संकाय में 18 लाख की लागत से तैयार नव निर्मित भवन में दो अत्याधुनिक कक्ष तैयार किए गए हैं, जिनमें डिजिटल मार्केटिंग और कंप्यूटराइज्ड एकाउंटिंग जैसे प्रोफेशनल कोर्सेज की प्रैक्टिकल कक्षाएं समेत अन्य कक्षाओं का संचालन किया जाएगा। इस कदम से विद्यार्थियों को इन क्षेत्रों में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का बेहतर अवसर मिलेगा। नए भवन में उन्नत तकनीकी उपकरणों की व्यवस्था की गई है, जो विद्यार्थियों को एक प्रभावी और समृद्ध शिक्षा प्रदान करेंगे। कुलपति प्रो. डीएस रावत ने उद्घाटन समारोह में कहा कि इस नए भवन के निर्माण से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक क्षमता में वृद्धि होगी और हमारे विद्यार्थियों को उद्योग जगत के लिए बेहतर तैयार किया जाएगा। यह भवन कुमाऊं विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा प्रदान करेगा। वाणिज्य संकाय के डीन प्रो. अतुल जोशी ने कहा, कि यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि हम विद्यार्थियों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कक्ष प्रदान कर पा रहे हैं। डिजिटल मार्केटिंग और एकाउंटिंग जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए यह भवन एक महत्वपूर्ण स्थान साबित होगा। इस शैक्षणिक भवन का उद्घाटन विश्वविद्यालय के भविष्य के दृष्टिकोण को और मजबूत करेगा। इस अवसर पर कुलपति प्रो. रावत ने प्रो. अतुल जोशी, डा. मनोज पांडे और डा. जीवन उपाध्याय द्वारा लिखी गई पुस्तक रिसर्च डिजाइन का विमोचन भी किया। इस मौके पर प्रभारी परिसर निदेशक प्रो. रजनीश पांडे, प्रो. गिरीश रंजन तिवारी, डा. आरती पंत, डा. विजय कुमार, डा. ममता जोशी, डा. निधि वर्मा, डा. जीवन उपाध्याय, डा. विनोद जोशी, डा. हिमानी जलाल, डा. तेज प्रकाश, डा. पूजा जोशी, डा. अंकिता आर्या, डा. गौतम रावत, डा. दीपक मेलकानी, रितिशा शर्मा, पंकज भट्ट, सूबिया नाज, दीक्षा पंत, चंदन जलाल, घनश्याम पालीवाल, बिशन कुमार, अतुल कुमार, अभिषेक नंदन आदि मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लिमि0
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, गोपेश्वर (चमोली)
कारपोरेट आईडेन्टीटी संख्या: U40109UR2001SGC025867

निविदा तिथि विस्तार सूचना

इस खण्ड की निविदा सं0-27/2024-25 से 31/2024-25 जो दिनांक- **19.03.2025** खोली जानी थी, अपरिहार्य कारण से अब दिनांक-**21.03.2025** को दोपहर 12:00 बजे तक प्राप्त एवं दिनांक-**22.03.2025** को 12.00 बजे तक जमा की जा सकती है व उसी दिवस अपराह्न में निविदादाताओं के सम्मुख सांय 14:00 बजे सार्वजनिक रूप से क्रमवार खोली जायेंगी, अन्य नियम व शर्तें यथावत् रहेंगी।

पत्रांक: 1567/वि0वि0ख0गोपे0/निविदा विस्तार दिनांक: 18/03/2025 **अधिशासी अभियन्ता**

राष्ट्र हित में बिजली बचाये, बिजली बचाने हेतु एल0ई0डी0 बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं0 1912) विद्युत बिलों के 24X7 ऑनलाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं (विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं0 1800 180 4185/फैक्स संख्या- 0135-2760911 पर दें।)

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय "उज्ज्वल" महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरभाष: 0135-2763808, फैक्स- 0135-2763508
सी0आई0एन0 सं0: U40101UR2001SGCO25866 | वेबसाइट: www.ujvnl.com

पत्रांक- 198 दिनांक- 18/03/2025

तिथि विस्तार सूचना-01

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (जानपद-प्रथम), यूजेवीएन लिमिटेड, श्रीकोट-श्रीनगर, गढ़वाल के अंतर्गत, आमंत्रित निविदा संख्या 13/अ.अ (जानपद-प्रथम)/श्रीकोट/सी.एस.आर./2024-25 की तिथियां अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार विस्तारित की जाती है-

निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि : 24.03.2025 को 16:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि : 26.03.2025 को 14:30 बजे

निविदा की अन्य समस्त शर्ते यथावत रहेगी। अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाईट **"www.ujvnl.com"** देखें।

अधिशासी अभियन्ता
(जानपद-प्रथम)

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई-टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन **16:00 बजे** तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या	349-DRM-MB-24-25 Dt. 10.03.2025	350-DRM-MB-24-25 Dt. 10.03.2025
कार्य का नाम	Provision of 100 KL RCC OH Tank with plumbing pipe, pump house with bore in lieu of steel tank at KJY in the jurisdiction of ADEN/HPU.	Provision of 100 KL RCC OH Tank with plumbing pipe & with pump house and bore in lieu of steel tank each at HPU & GMS in the jurisdiction of ADEN/HPU.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	11.04.2025	11.04.2025
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत (रु.)	66,39,469.67	1,34,90,579.90
धरोहर राशि (रु.)	1,32,800.00	2,17,500.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 माह	8 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	28.03.2025	28.03.2025

सं.: Sr. DEN-IV/Publication/24-25 दिनांक: 18.03.2025 838/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नाम परिवर्तन सूचना

मैंने अपनी पुत्री का नाम **मनस्वी** से बदलकर **मनस्वी अमोल बिले** रख लिया है। भविष्य में उसे इसी नाम से जाना जाए।
No.15180167W Rank GNR
बिले अमोल तुलशीराम, पता-गावठाण पाचेगांव बीके सोलापुर महाराष्ट्र पिन 413314.

न्यायालय श्रीमान असिस्टेन्ट कलक्टर महोदय, टिहरी, नई टिहरी, टि०ग०।
रे०वा०सं०-34 सन-2023/24
श्रीमती भरोषी देवी
बनाम
कुन्दन सिंह आदि।

नोटिस बनाम- 1. हुकम सिंह पुत्र सरोप सिंह, 2. दीपक सिंह पुत्र जवर सिंह निवासीगण ग्राम-हड़म डंडासली मनियार तहसील-टिहरी, जिला-टिहरी गढ़वाल।

एतद्द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि वादिनी द्वारा एक वाद अन्तर्गत धारा-176 उ०प्र०/उत्तराखण्ड जमींदारी विनाश अधि० का बंटवारे के संबंध में इस न्यायालय में प्रस्तुत कर रखा है जिसमें जवाबदावा हेतु तिथि दिनांक 27-03-2025 नियत है।

यदि आपको उक्त वाद में कोई आपत्ति प्रस्तुत करनी हो तो आप उक्त तिथि को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं अन्यथ उक्त वाद में एक पक्षीय सुनवाई की जाएगी।

आज दिनांक 06 माह 03 सन-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

आज्ञा से
वाचक
असिस्टेन्ट कलक्टर
टिहरी, नई टिहरी, टि०ग०

कार्यालय नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग

पत्रांक:- 1458/मज0 लाई0/2024-25 दिनांक: 18/03/2025

निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद रूद्रप्रयाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु निविदा के आधार पर ठेके पर दिए जाने क्रम में दिनांक 24.03.2025 को अपराह्न 02:00 बजे तक सील बन्द निविदाएं आमन्त्रित की जाती है जो उसी दिन दोपहर 03:00 बजे तक सम्बन्धित निविदादाताओं/अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 24.03.2025 को सांय 2:00 बजे तक निर्धारित मूल्य देकर कार्यालय नगर पालिका परिषद रूद्रप्रयाग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा समिति नगर पालिका परिषद रूद्रप्रयाग में निहित होगा। निविदा स्वीकृति के पश्चात मूल धनराशि के 3 प्रतिशत की धनराशि को स्टाम्प शुल्क के रूप में जमा करना होगा। अन्य जानकारी व शर्तें कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को देखी जा सकती हैं। इस सूचना को जनपद की वेबसाइट http://@rudraprayag.nic.in पर नगर पालिका परिषद के अर्न्तगत भी देखा जा सकता है।

क्र0 सं0	विवरण	अवधि	जमानत धनराशि	निविदा हेतु न्यूनतम धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1.	मजदूरी लाईसेन्स	01.04.2025 से 31.03.2026 तक	15,646/-	5,21,510/-	500+GST

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
रूद्रप्रयाग।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
रूद्रप्रयाग।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, लक्सर
Phone No:-01332-254004 E-Mail I.D.- eecdpwdlaksar@gmail.com

पत्राक : 391/6ए0(निविदा) **ई-निविदा सूचना** दिनांक : 18/03/2025

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, लक्सर द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना http://www.uktenders.gov.in पर दिनांक 21.03.2025 से उपलब्ध होगी।

कं0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराषि (रू0 हजार में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	ठेकेदार की पंजीकृत अर्हता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	वार्षिक अनुरक्षण वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र मंगलौर में खेड़ाजट से नारसन कलां मार्ग का कॉल्ड मिक्स पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	75,000.00	2500.00+ 18% GST	03 माह	45 दिन	मार्ग कार्यों हेतु श्रेणी "डी" एवं उच्चतर।

नोट :- निविदादाता को निविदा अपलोड़ करने की अन्तिम तिथि एवं निर्धारित समय से पूर्व निम्नलिखित अभिलेख अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मूल में उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। जिसके प्रस्तुत न करने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

1. निविदा प्रपत्र की लागत कॉलम 4 के अनुसार का डिमांड बैंक ड्राफ्ट, जो कि अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, लक्सर के नाम बन्धक हो। निविदा प्रपत्र का मूल्य तथा जी0एसटी0 का बैंक ड्राफ्ट अलग-अलग दिये जायें।
2. निविदा की वैधता हेतु अन्डर टेकिंग जो रू0 100.00 मात्र का नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर रू0 1.00 के रैवेन्यू स्टाम्प पर हस्ताक्षर सहित 45 दिन **"दरो की वैधता हेतु"** लिखा हुआ जमा करना होगा।
3. निर्धारित **धरोहर धनराशि, जो कि अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, लक्सर** के नाम बन्धक हो।
4. फर्म के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट की प्रति संलग्न करें।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0,
लक्सर

हल्द्वानी में 21 जून से दौड़ेगी सिटी बस

168 किलोमीटर के दायरे में 6 रूट होंगे, प्राइवेट ऑपरेटर देंगे सेवा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मंगलवार को काठगोदाम स्थित सर्किट हाउस में रीजनल ट्रांसपोर्ट एथॉरिटी की बैठक लेते हुए आयुक्त/सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने निर्णय लिया कि आगामी 21 जून से शहर में सिटी बस सेवा की शुरूआत की जायेगी। सिटी बस सेवा प्राइवेट ऑपरेटरों द्वारा चलाई जाएगी, जिनके पास तीन महीने का समय होगा बसों को खरीदने के लिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सिटी बस सेवा के तहत कुल 168 किलोमीटर के दायरे में छह रूटों पर बसें चलाई जाएंगी। आयुक्त दीपक रावत ने बताया कि इस सेवा का उद्देश्य शहर में बढ़ते ट्रैफिक को नियंत्रित करना और नई बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। सभी बसें पर्यावरण के अनुकूल सीएनजी या बीएसवीआई पर आधारित होंगी, जिससे प्रदूषण में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि सिटी बसों में महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों

के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, और सभी बसों में सीसीटीवी कैमरा, जीपीएस और रूट नंबर बड़े अक्षरों में अंकित होंगे, और सर्दियों में बसों का संचालन सुबह 8 बजे से रात्रि साढ़े 8 बजे तक, और गर्मियों में सुबह साढ़े 6 बजे से होगा। बैठक में नैनीताल शहर के ट्रैफिक प्रबंधन पर भी चर्चा की गई। इसके अंतर्गत कॉलेज छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए तीन नए रूटों की योजना बनाई जा रही है। इसके अलावा, पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों में 35 रूटों पर बसों के संचालन की स्वीकृति भी दी गई। आयुक्त दीपक ने कहा कि कैंचीधाम मंदिर के लिए हल्द्वानी से शटल बसों के संचालन की भी योजना बनाई है, जिसके तहत 25 नई शटल बसें अनुमति प्राप्त करेंगी। वर्तमान में केवल 6 शटल बसें चल रही थीं। बैठक में आरटीओ संदीप सैनी, गुरदेव सिंह, मनोनीत सदस्य विनोद मेहरा, सूरज प्रकाश तिवारी के साथ रोडवेज, केमू और निजी बस एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

इस तरह रहेंगे सिटी बस के रूट

रूट नंबर-1 (45.60 किमी)
रानीबाग से रोडवेज बस स्टैंड, स्टेडियम रोड, मुखानी, कुसुमखेड़ा, ब्लॉक, फतेहपुर, लामाचौड़, भाखड़ा, कठघरिया, चौफुला चौराहा, चंबलपुल, पनचक्की, हाइडिल गेट से वापस रानीबाग।

रूट नंबर-2, (33.60 किमी)
बस स्टेशन से मंगलपड़ाव, गांधी स्कूल, तीनपानी, उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी, टीपीनगर, देवलचौड़, पंचायतघर, पाल कॉलेज, कुसुमखेड़ा, लालडांठ, पनचक्की, मुखानी, कालाढूंगी चौराहे से वापस बस स्टेशन।

रूट नंबर-3 (33.60 किमी)
बस स्टेशन से काठगोदाम रेलवे स्टेशन, सर्किट हाउस, स्टेडियम, तीनपानी, गौरापड़ाव, गन्ना सेंटर, टीपीनगर, एसटीएच, धानमिल, पीलीकोठी, मुखानी, कालाढूंगी चौराहे से वापस बस स्टैंड।

रूट नंबर-4 (12.20 किमी)
बस स्टेशन से सिंधी चौराहा, रामपुर रोड, देवलचौड़, बिडला स्कूल, गैस गोदाम रोड, सेंट्रल अस्पताल से मुखानी, कालाढूंगी चौराहा होकर वापस बस स्टैंड।

रूट नंबर-5 (18.80 किमी)
बस स्टेशन से दुर्गासिटी सेंटर, नवाबी रोड, मुखानी, कुसुमखेड़ा, कमलुवागांजा, लामाचौड़, भाखड़ा।

रूट नंबर-6 (21.60 किमी)
बस स्टेशन से स्टेडियम रोड, मुखानी, कुसुमखेड़ा, ऊंचापुल, कमलुवागांजा, मुखानी होकर वापस बस स्टैंड।

फांसी लगाकर छात्रा ने दी जान

हल्द्वानी एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 12वीं कक्षा की छात्रा ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बताया जा रहा कि छात्रा पिछले कुछ दिनों से काफी परेशान चल रही थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई। पुलिस के अनुसार बीते सोमवार की शात करीब 6 बजे छात्रा अपने कमरे में गई थी। काफी देर तक जब वह बाहर नहीं आई तो परिजनों ने आवाज दी लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला। इसके बाद परिवार वालों ने कमरे में जाकर देखा तो छात्रा फंदे पर लटकी मिली। घटना की जानकारी परिजनों ने पुलिस को दी, जिसके बाद टीपी नगर पुलिस मौके पर पहुंची। शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि छात्रा कई दिनों से परेशान बताई जा रही थी

आयुक्त ने ई-रिक्शा स्वामी को एजेंसी से दिलाए 10 हजार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। आयुक्त/सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने मंगलवार को कैंप कार्यालय में जनसुनवाई कर विभिन्न पक्षों के बीच की समस्याओं से अवगत होकर उसका समाधान किया।

जनसुनवाई में आयुक्त रावत ने ई-रिक्शा स्वामी ईश्वर प्रसाद को एजेंसी से 10 हजार की धनराशि वापस दिलाई। जनसुनवाई में ईश्वर प्रसाद निवासी तीनपानी हल्द्वानी ने बताया कि उन्होंने यात्री एजेंसी ट्रांसपोर्ट नगर हल्द्वानी से 27 मई 2024 को ई-रिक्शा 1,87000 रुपये में क्रय किया था। जिसकी एक वर्ष की वारंटी दी गई थी। जिसमें आतंरिक पार्ट्स व टूट-फूट एजेंसी द्वारा किया जाना था। 6 माह के बाद जब ई-रिक्शा एजेंसी में मरम्मत के लिए भेजा तो एजेंसी ने ओरिजिनल पार्ट्स के स्थान पर डुप्लीकेट पार्ट्स डाल दिये जिससे ई-रिक्शा में बार-बार खराबी आ रही थी। उन्होंने बताया कि बाजार से ई-रिक्शा रिपेयरिंग करवाया गया जिसमें उनके 10 हजार धनराशि व्यय हुई। ईश्वर प्रसाद ने ई-रिक्शा के पार्ट्स जो मरम्मत के उपरांत बदलवाये थे वे आयुक्त के सम्मुख प्रस्तुत किये। उन्होंने बताया कि वह मजदूर है और बैंक की किस्त भी देनी है। उन्होंने आयुक्त से ई-रिक्शा मे मरम्मत में लगी 10 हजार की धनराशि एजेंसी स्वामी से वापस दिलाने की मांग की। आयुक्त के सम्मुख जो पार्ट्स प्रस्तुत किये गए वह सही कंपनी के नहीं पाये गये। आयुक्त ने मौके पर 10 हजार की धनराशि एजेंसी स्वामी से ईश्वर प्रसाद को वापस देने के निर्देश दिये। साथ ही आयुक्त ने आरटीओ संदीप सैनी को शहर में सभी ई-रिक्शा एजेंसी के जांच के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा दोषी पाये जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्यवाही करें। इधर, अमलतास सोसाइटी हल्द्वानी कालोनीवासियों ने आयुक्त को बताया कि उनको कालोनी में एजीएम करानी है जिसमें कालोनाईजर द्वारा विरोध किया जा रहा है। जिस पर आयुक्त ने कहा कि एजीएम कराने में कोई विरोध उत्पन्न करता है उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पंचायत सामान्य निर्वाचन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को नगर निगम सभागार में मुख्य विकास

22 मार्च तक चलेगा निर्वाचक नामावलियां तैयार करने का अभियान: सीडीओ

अधिकारी अशोक कुमार पांडेय ने पत्रकार वार्ता करते हुए बताया कि जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रशासक के माध्यम से बैठक आयोजित कर संबंधित ग्राम पंचायत की मतदाता सूची को प्रदर्शित किया जा रहा है। इन बैठकों में संबंधित क्षेत्र

में तैनात संगणक भी पर्याप्त संख्या में फॉर्म-प्रपत्र-2 परिवर्धन, प्रपत्र-3 संशोधन और प्रपत्र-4 (अपमानजनक, विलोपन) के साथ उपस्थित रहेगा। इस दौरान बताया कि इच्छुक व्यक्ति के लिए फार्म निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही फार्म को भरकर जमा करने की स्थिति में संबंधित संगणक के पास जमा किया जाएगा। बताया कि प्राप्त फार्म/आवेदन को संगणक द्वारा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण के पास जमा किया जाएगा। प्राप्त आवेदनों को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पंचस्थानी चुनावालय नैनीताल को संस्तुति सहित प्रेषित करेगा, जिसे जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से स्वीकृति के लिए आयोग को प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायतों की त्रुटिहीन, शुद्ध और परिपूर्ण निर्वाचक नामावलियां तैयार कराये जाने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंडों में 22 मार्च तक यह विशेष अभियान जारी रहेगा। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए पर्याप्त मात्रा में मतपेटी उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तैयारी पंचस्थानीय चुनावालय की और से की जा रही है।

चेक बाउंस मामले में आरोपी को कोर्ट ने किया बरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। चेक बाउंस के एक मामले में न्यायालय ने आरोपी को बरी कर दिया है। जानकारी के अनुसार, ब्लॉक क्षेत्र के निवासी प्रकाश सिंह पर दो लाख रुपये के चेक बाउंस होने का आरोप था। बचाव पक्ष के वकील चंदन बोहरा के मुताबिक, मामले में आरोपित पर लगे आरोपों को साबित करने में अभियोजन पक्ष नाकाम रहा। न्यायालय में कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं किए जा सके, जिसके चलते न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय विशाल गोयल की कोर्ट ने प्रकाश सिंह को आरोपों से दोषमुक्त कर दिया।

श्री गोरक्षा समिति का प्रतीक्षा कार्यक्रम दूसरे दिन भी जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। श्री गौ रक्षा समिति के तत्वाधान में आयोजित प्रतीक्षा

हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा

कार्यक्रम मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। समिति के संयोजक ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से शाम 4 बजे तक निरंतर चलेगा। समिति द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि जल्द ही गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किए जाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा, और यह प्रतीक्षा कार्यक्रम तब तक जारी रहेगा जब तक केंद्र सरकार द्वारा गौ माता को राष्ट्र माता घोषित नहीं कर दिया जाता। कार्यक्रम में सनातन धर्म के सर्वोच्च गुरु, जगतगुरु शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज के आदेश का भी इंतजार किया जा रहा है। समिति के कार्यकर्ता बताते हैं कि गौ भक्त धीरे-धीरे इस कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं, हालांकि जगतगुरु शंकराचार्य ने निर्देशित किया है कि इस विषय में फिलहाल कोई शक्ति प्रदर्शन न किया जाए। इस कारण, समिति द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आचार्य नवीन कांडपाल, संतोष कबड़वाल, आर्येंद्र शर्मा, सुरेश मेहरा, भवानी दत्त कबड़वाल, शिरामणि पंत, डिंपल पांडे, मनोज कवि, दयाल दुर्गादत्त कबड़वाल, पंडित मदन मोहन जोशी, हीरा कोरंगा थे।

25 मार्च तक बंद रहेगा बैली ब्रिज

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 87 (नया नंबर 109) पर काठगोदाम-नैनीताल मोटर मार्ग के कल्सिया गधेरे स्थित बैली ब्रिज की मरम्मत कार्य के चलते 19 मार्च से 25 मार्च तक यातायात बंद रहेगा। राष्ट्रीय मार्ग खंड के अधिशासी अभियंता ने बताया कि ब्रिज की डेक प्लेट्स को हटाकर उनकी मरम्मत और पुन: स्थापित किया जाना आवश्यक हो गया है। यह कदम वाहनों की सुरक्षा और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उठाया गया है। अधिकारियों ने सभी वाहन चालकों से इस अवधि के दौरान सहयोग की अपील की है और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने का अनुरोध किया है। इस दौरान बैली ब्रिज यातायात के लिए पूरी तरह से बंद रहेगा।

एक नजर

स्कूटी सवार पर हुआ मुकदमा

हल्द्वानी। हीरानगर चौकी क्षेत्र में एक व्यक्ति ने गलत दिशा में स्कूटी चलाकर एक अधेड़ को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को सौंपी तहरीर में बताया गया कि बीते 28 दिसंबर 2024 की शाम को गोपाल दत्त निवासी आदर्श नगर अपने घर के पास खड़े थे। इस दौरान संदीप भोज नामक व्यक्ति ने रांग साइड से तेजी से स्कूटी चलाकर गोपाल को टक्कर मार दी। टक्कर से गोपाल के बांये पैर में गंभीर चोटें आईं। घायल का इलाज फिलहाल दिल्ली के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। इधर पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर स्कूटी सवार संदीप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

युवक ने गटका जहर, मौत

हल्द्वानी। संदिग्ध परिस्थितियों के चलते एक युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। आनन फानन में परिजनों द्वारा उसे उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया। जहां पर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार मूलरूप से ओखलकांडा निवासी 43 वर्षीय प्रमोद सिंह रैकुली अपने परिवार के संग टीपीनगर चौकी क्षेत्र के फूलचौड़ के पास किराए के मकान में रहते थे। बताया जा रहा कि कुछ दिन पहले प्रमोद की पत्नी मायके गई थी। बीते सोमवार को प्रमोद ने घर में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। प्रमोद की हालत बिगड़ती देख परिजनों ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रमोद को उठाकर उसे उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

लावारिस शव की हुई शिनाख्त

हल्द्वानी। आखिरकार तीन दिन से मोर्चरी में पड़े लावारिश शव की पुलिस ने शिनाख्त कर ली है। मंगलवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बता दें कि बीते 13 मार्च को नैनीताल रोड स्थित भोटियापड़ाव क्षेत्र में सड़क किनारे एक अज्ञात व्यक्ति बेसुध हालत में पड़ा हुआ मिला था। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बेसुध पड़े व्यक्ति को उठाकर उपचार के लिए सुशीला तिवारी में भर्ती कराया गया। जहां पर शनिवार को उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्त करने के लिए पुलिस ने हरसंभव प्रयास किए। लेकिन तीन दिन बाद पुलिस ने लावारिश व्यक्ति की शिनाख्त काशीपुर निवासी 45 वर्षीय छोटे लाल पुत्र तेजू के रूप में की। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचित किया। बताया जा रहा कि मृतक छोटे लाल हल्द्वानी में रहकर टोकरी बनाने का काम करता था।

पुरानी पेंशन: मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

हल्द्वानी। पुरानी पेंशन बहाली और अन्य पूर्व प्रस्तावित मांगों को लेकर मंगलवार को देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश संगठन मंत्री अमित कुमार के नेतृत्व में सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को संबोधित ज्ञापन भेजा। सीएम को भेजे गए ज्ञापन में संघ के पदाधिकारियों ने ठेका प्रथा समाप्त करने, संविदा और समिति कर्मचारियों को नियमित करने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में संघ के तत्वावधान में इन मुद्दों को लेकर प्रदेशभर में आंदोलन किया गया था। इस दौरान मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में समझौता वार्ता भी हुई थी, जिसमें यह आश्वासन दिया गया था कि संघ की मांगें कर्मचारी हित में उचित और न्यायपूर्ण हैं और इन्हें शीघ्र पूरा किया जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि आज तक इन समस्याओं का कोई समाधान नहीं निकाला गया है, जिससे सफाई कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से चेताया कि अगर शीघ्र ही कर्मचारियों की समस्याओं का निस्तारण नहीं किया जाता है तो संघ पुन: आंदोलन के लिए बाध्य होगा। ज्ञापन देने वालो में विजय पाल, अशोक चौधरी, दिनेश चौधरी, रोहित मसीह, मुकेश, रोहित टांक, श्याम बाबू, विशाल, रतन, राजेश, विजय, प्रमोद, अनूप मौजूद रहे।

अधेड़ से मारपीट पर युवक के खिलाफ मुकदमा

हल्द्वानी। घर में घुस कर एक व्यक्ति से मारपीट करने के मामले में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मरपीट की घटना में अधेड़ को काफी चोटें आई हैं। उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंगोलीहाट टुंडाचौड़ा कंडारछीना गंगोलीहाट निवासी राकेश बिष्ट ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 15 मार्च की दोपहर को दो नहरिया मल्ली बमौरी निवासी विशाल बिष्ट कमरे में घुस गया और उसके पिता खुशाल सिंह पर जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट में उसके पिता को गंभीर चोट आई हैं जिसके बाद उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर मुकदम दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

ले. सोनी, तीन पूर्व सैनिकों का सम्मान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिला पूर्व सैनिक लीग कार्यालय में मंगलवार को आयोजित हुए कार्यक्रम में गौरव सेनानियों ने लेफ्टिनेंट सोनी बिष्ट, भूमिका

गौरव सेनानियों ने बढ़ाया हौसला

जंतवाल और सुरेश नेगी को सम्मानित किया। बता दें कि लेफ्टिनेंट सोनी नेगी के विवाह के 34 दिन में उनके पति की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, उसके बाद उनकी माता को हार्टअटैक आने से वेंटीलेटर में रखना पड़ा और भाई को भी अचानक परालीसिस हो गया जिसमें कारण वह भी आईसीयू में भर्ती था। सोनी ने बताया कि उस दिन उनकी पास दो ही

विकल्प थे, या तो रो-रो कर अपने भाग्य को कोसना और या फिर दिल मजबूत करके सर्विस सेलेक्शन बोर्ड के लिए जाना।

सोनी ने दूसरा विकल्प चुना और परिसखा पास करने के बाद उनका बोर्ड में सेलेक्शन हो गया। अपने मजबूत इरादे और दृढ़ इच्छाशक्ति से आज वे भारतीय सेना में कमिशंड ऑफिसर बन गई है। सोनी बिष्ट ने बताया कि उन्हें साहस, ढाढ़स बधाने में पिता सेनि. सूबेदार कुंदन सिंह की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं सूबेदार कुबेर सिंह की बेटी भूमिका जंतवाल वर्तमान में दिल्ली यूनिवर्सिटी में बीकॉम ऑनर्स में तृतीय वर्ष मे अध्ययनरत है। उन्होंने 38वे राष्ट्रीय खेलों मे ताइक्वांडो में रजत पदक हासिल किया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट सोनी बिष्ट को वीरांगना पदमा नेगी ने फूल माला पहनाई और सेनि. जनरल इंद्रजीत सिंह बोरा ने शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। जबकि भूमिका बिष्ट को सेनि. कर्नल एमएस चौहान और सेनि. कर्नल बीडी कांडपाल ने सम्मानित किया। सुरेश नेगी को भी सेनि. जनरल बोरा ने शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर बलिदानी सैनिकों की वीरांगनाएं शांति हर्बोला, पार्वती देवी, प्रेमा डोर्बी, बीना अधिकारी, लक्ष्मी देवी, रामा भंडारी, सेनि. मेजर केएस महर, एमएस राठौड़, सीबीएस बसेरा, खिलानन्द, नारायण सिंह, भूपाल सिंह महर, खुशाल सिंह महर, खुशाल सिंह रावल, प्रमोद शर्मा, जय दत्त, डीएस कन्याल, प्रहलाद सिंह परिहार, डीएस राठौड़ सहित कई पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

बकाया वसूली पर बिजली कर्मियों से मारपीट

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बिजली बिल का बकाया वसूलने गई ऊर्जा निगम की टीम के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं उन्होंने सरकारी कागजात फाड़ डाले। जेई ने मामले की तहरीर पुलिस को दी है जिसके बाद पुलिस ने दो भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। बता दें कि बीती 11 मार्च को ऊर्जा निगम के अवर अभियंता रजनीश कुमार, कर्मचारी संजय कुमार, पियूष मिश्रा, सतीश पाल बिजली बिल का बकाया वसूलने के लिए कुसुमखेड़ा स्थित कोहली कालोनी में विपिन पंत के घर गई थी। जब उपभोक्ता से बकाया जमा करने को कहा गया तो उन्होंने मना कर दिया। जेई ने बिजली का कनेक्शन काटने की बात कही तो विपिन पंत व उसका भाई मोहन पंत ने जेई रजनीश व कर्मचारी संजय कुमार, लाइन स्टाफ पीयूष मिश्रा के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि दोनों भाईयों ने उनके साथ मारपीट करने के साथ ही जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान दोनों ने राजस्व वसूली को लाई गयी रसीद भी फाड़ डाली। विभागीय कर्मचारियों ने किसी तरह से भाग जान बचाई। जेई की तहरीर के आधार पर पुलिस ने विपिन और मोहन के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है।

मां-बेटी ने महिला को पीटा, मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी। मां-बेटी ने घर में घुसकर एक महिला को जमकर पीट दिया। दोनों उसे जान से मारने की धमकी देकर गई हैं। पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार लामाचौड़ फतेहरपुर में रहने वाली चांदनी बेगम ने मुखानी पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि बीते रविवार को वह पड़ोस में रहने वाली महिला के साथ घर में सिलाई का काम कर रही थी। महिला का आरोप है कि तभी पड़ोस में रहने वाली मुमताज और उसकी बेटी सना घर में आ धमकी और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर शराबा हुआ तो पड़ोस की महिलाएं पहुंच गई जिसके बाद दोनों उसे जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गए। पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर ममले की जांच शुरू कर दी है।

धेनुमानस गोकथा प्रारम्भ

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में मंगलवार से डीएसए मैदान में धेनुमानस गौ कथा शुरु हो गयी है। इससे पूर्व पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती

खेतवाल ने दीप प्रज्वलन कर गौ कथा का शुभारंभ किया। मुख्य यजमान के रूप में कृष्ण शर्मा और उनकी पत्नी रश्मि शर्मा रहे। पहले दिन यानी मंगलवार को कथा सुनाते हुए व्यास गोपाल मणि ने कहा कि अठारह वेदों का सार, चार वेद तथा महाभारत का निचोड़ धेनुमानस गौ कथा में है। कहा कि हमारी गौ माता जो हमारी आदर्श है उनकी पूरी दुनिया में बहुत दुर्दशा हो रही है। हमारी पहचान गाय से थी लेकिन आज तक गौ को माता का सम्मान नहीं मिला और उसकी हत्या हो रही है। इतना पतन इसीलिए हुआ क्योंकि हम अपने आदर्शो को भूल गए हैं और हमारी आदर्श गौ माता है। कहा कि आज पूरे राष्ट्र में गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मुहिम चल रही है। आयोजक मंडल ने बताया कि कथा निरंतर 21 मार्च शुक्रवार तक चलेगी और उसी दिन को पूर्णाहुति भंडारा होगा। इस दौरान आचार्य राकेश, काशीराम नौटियाल, सुभाष नौटियाल, अमित खंडूरी, विशंभर दत्त, गीता साह, प्रमिला पंत, कुसुम तिवारी, गौरी पांडे तथा भावना रावत सहित काफी संख्या में गौ भक्त मौजूद रहे।

संगीतमय श्रीराम कथा शुरू

लोहरियासाल तल्ला में निकाली गई भव्य कलश यात्रा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लोहरियासाल तल्ला स्थित कालिका कॉलोनी में मंगलवार को संगीतमय श्रीराम कथा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर एक भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलोनी की महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर सिर पर कलश रखकर श्रीराम भजनों की धुन पर कलश यात्रा निकाली। यात्रा में महिलाएं, बच्चे और पुरुष सभी श्रीराम के भजनों पर झूमते हुए शामिल हुए, और जय श्रीराम के उद्घोष से वातावरण गूंज उठा। इस दौरान कथा वाचक गोपालानंद महाराज (अयोध्या धाम) ने संगीतमय राम कथा का वाचन करने का आह्वान किया। उन्होंने

कथा में मौजूद श्रद्धालुओं से इस दिव्य कथा में सम्मिलित होने की अपील की। इस अवसर पर ओम तिवारी, हिम्मत सिंह नेगी, गुसाईं सिंह राणा, दीप तिवारी, चंद्रशेखर रेखारी, रिवर वैली कॉलोनी अध्यक्ष कैप्टन सोबन सिंह भड़, जीसी जोशी, पीयूष शाह, गोरखनाथ जोशी, गोविंद बल्लभ बिनवाल, बृजेश भट्ट, पार्षद मनोज भट्ट सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति और श्रद्धालु मौजूद रहे।

एसपी सिटी को थानों में दुरुस्त मिले इंतजाम

प्रकाश चंद्र ने मुखानी और बनभूलपुरा थानों का किया वार्षिक निरीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एसपी सिटी प्रकाश चंद्र ने थाना बनभूलपुरा और थाना मुखानी का वार्षिक निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सर्वप्रथम थानाध्यक्ष बनभूलपुरा नीरज भाकुनी और उसके बाद थानाध्यक्ष मुखानी विजय सिंह मेहता ने अपने थानों के भवन, मालखाने का भ्रमण व निरीक्षण करवाया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय/परिसर में साफ-सफाई दुरुस्त मिली और मालखाने में माल को अच्छे से तरतीब वार रखा हुआ मिला। एसपीसिटी ने थाना क्षेत्र की संवेदनशीलता को

देखते हुए थाने में उपस्थित सभी पुलिस कर्मियों को शस्त्रों के संबंध में जानकारी दी और पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा शस्त्रों को खोला व जोडा गया।

उन्होंने थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए पुलिस कर्मियों को लगातार शास्त्राभ्यास कराते रहे। थाना अभिलेखों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि थाने के महत्वपूर्ण रजिस्टर, ग्राम अपराध रजिस्टर एवं त्योहार रजिस्टर को अप-टू-डेट रखे। महिला हेल्पडेस्क के निरीक्षण के दौरान उन्होंने हेल्पडेस्क में नियुक्त पुलिस कर्मियों को प्राप्त होने वाली शिकायतों का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। थाने पर प्राप्त होने वाली ऑनलाइन शिकायतों, अन्य शिकायती प्रार्थना पत्रों को चेक करने पर सभी प्रार्थना पत्र अध्यावधिक पाए गए। इस बीच एसपी सिटी ने सभी अधिकारी/कर्मचारियों के साथ बैठक करते हुए उनकी समस्याओं का समाधान किया। उन्होंने सभी कर्मियों को बीट पुलिसिंग को प्रभावी करने तथा थाना क्षेत्र में अधिक से अधिक निरोधात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही बीट बुक को अपडेट करने तथा किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर तत्काल उस स्थान पर जाकर तस्दीक करने के निर्देश दिए। उन्होंने थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि अपने थाने में मौजूद समस्त कर्मचारियों को टास्क निर्धारित करते हुए जिम्मेदारी दी जाए। निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष बनभूलपुरा नीरज भाकुनी, थानाध्यक्ष मुखानी विजय सिंह मेहता समेत समस्त उपनिरीक्षक व थाने के कर्मचारी मौजूद रहे।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

केकेआर-आरसीबी के बीच होगा IPL का आगाज

शुरुआत 22 मार्च से होगी, 12 बार होंगे डबर हेडर, फाइनल मैच ईडन गार्डंस स्टेडियम में

मुंबई, वार्ता। आईपीएल के 18वें सीजन की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच ईडन गार्डन्स स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से होगा। ओपनिंग सेरेमनी भी कोलकाता में ही होगी। इस सीजन में 10 ही टीमें हिस्सा ले रही हैं।

बीसीसीआई ने 2022 में टीमों को 8 से बढ़ाकर 10 कर दिया था। तब से लीग में 10 टीमें ही खेल रही हैं। 10 टीमों को 5-5 के दो ग्रुप में बांटा गया है। हर टीम अपने ग्रुप की 4 टीमों से 2-2 मैच खेलेगी, जबकि दूसरे ग्रुप की 4 टीमों से एक-एक और पांचवीं टीम से 2 मैच खेलेगी। मान लीजिए ग्रुप-ए की टीम सीएसके अपने ग्रुप में केकेआर, त्त, आरसीबी और पीबीकेएस से 2-2 मैच खेलेगी। वहीं, दूसरे ग्रुप-बी की एक टीम मुंबई के खिलाफ चेन्नई के 2 मैच होंगे, वहीं हैदराबाद, गुजरात, दिल्ली और लखनऊ के खिलाफ 1-1 मैच होगा। 13 वेन्यू पर मैच खेले जाएंगे। 10 टीमों के होम वेन्यू के अलावा, 3 टीमों ने सब्स्टिटयूट वेन्यू भी रखे हैं। गुवाहाटी राजस्थान रॉयल्स (आरआर) का दूसरा होमग्राउंड है। यहां टीम के 2 मैच होंगे। धर्मशाला पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) का दूसरा होम ग्राउंड है।

यहां टीम के 3 मैच होंगे। विशाखापटनम दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का दूसरा होमग्राउंड है। यहां टीम 2 मैच खेलेगी। सबसे ज्यादा 9-9 मुकाबले कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम और हैदराबाद के राजीव गांधी उप्पल इंटरनेशनल स्टेडियम में होंगे। यहां टीम के 7 होम मैचों के अलावा प्लेऑफ के 2-2 मुकाबले भी होंगे। आईपीएल में परंपरा रही है कि टूर्नामेंट का ओपनिंग और फाइनल मैच पिछली चैंपियन के होम ग्राउंड पर खेला जाता है। इस बार भी कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में यह दोनों मैच होंगे। कोलकाता में 23 मई को क्वालिफायर-2 भी खेला जाएगा। पिछले सीजन की रनर-अप टीम सनराइजर्स हैदराबाद के होम ग्राउंड राजीव गांधी उप्पल स्टेडियम में भी 2 प्लेऑफ मैच होंगे। यहां 20 मई को क्वालिफायर-1 और 21 मई को एलिमिनेटर खेला जाएगा। मेगा ऑक्शन के बाद कुछ टीमों ने अलग-अलग कारणों से अपने खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट जारी किए। हैरी ब्रुक निजी कारणों की वजह से नहीं खेल रहे हैं। वहीं अल्लाह गजनफर, लिजाड विलियम्स, ब्रायडन कार्स और उमरान मलिक इंजरी के कारण बाहर हो गए हैं। लीग के दौरान शनिवार और रविवार को डबल हेडर मैच होते हैं। डबल हेडर यानी कि एक दिन में दो मुकाबले। इस बार 12 डबल हेडर होंगे। 22 मार्च से हर दिन मैच खेले जाएंगे। 18 मई को ग्रुप स्टेज खत्म होगा। प्लेऑफ के दौरान 19, 22 और 24 मई को मैच नहीं होंगे। 18वें सीजन का पहला डबल हेडर 23 मार्च को होगा। दोपहर 3.30 बजे से एसआरएस और आरआर हैदराबाद में भिड़ेंगी। वहीं शाम 7.30 बजे से मुंबई और चेन्नई के बीच मुकाबला खेला जाएगा। मार्च में इसके बाद 30 तारीख को ही डबल हेडर होगा। अप्रैल में 5, 6, 12, 13, 19, 20 और 27 तारीख को एक दिन में 2 मैच होंगे। वहीं मई में 4, 11 और 18 तारीख को डबल हेडर खेले जाएंगे। सभी डबल हेडर शनिवार या रविवार को ही होंगे। लेऑफ स्टेज 20 मई को शुरू होगा, इस दिन क्वालिफायर-1 खेला जाएगा। फिर 21 मई को एलिमिनेटर, 23 मई को क्वालिफायर-2 होगा। फिर 25 मई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस सीजन भी इम्पैक्ट प्लेयर्स रूल रहेगा। बीसीसीआई ने 28 सितंबर 2024 को गवर्निंग काउंसिल की बैठक के बाद इम्पैक्ट प्लेयर्स रूल को 2025 से 2027 तक जारी रखने का फैसला किया था। इम्पैक्ट प्लेयर रूल के तहत टीमें बीच मैच में किसी एक प्लेयर को बेंच पर बैठे खिलाड़ी से रिप्लेस कर सकती हैं। हालांकि, रिप्लेस किया गया खिलाड़ी उस मैच में वापस नहीं आ सकता है। इस तरह एक मुकाबले में एक टीम से 12 खिलाड़ी खेलते हैं। किसी टीम की प्लेइंग-11 में विदेश के 4 खिलाड़ी ही खेल सकते हैं, बाकी 7 भारतीय खिलाड़ियों को मौका देना होगा। टीमें चाहें तो 11 भारतीय प्लेयर के साथ भी उतर सकती हैं। दोनों टीमें अगर अपनी-अपनी पारियों में बराबर रन बनाती हैं तो मैच टाई होता है। इसके बाद फैसले के लिए सुपर ओवर खेला जाता है। इसमें दोनों टीमें 1-1 ओवर बैटिंग करती हैं, ज्यादा रन बनाने वाली टीम विजेता होती है। सुपर ओवर भी टाई रहा तो अगला सुपर ओवर होगा। यह तब तक होगा, जब तक नतीजा नहीं आ जाता।

मयंक यादव ने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में गेंदबाजी अभ्यास शुरू किया

- **मयंक को पिछले साल चोट लगी थी और तभी से वह रिहैब से गुजर रहे है**

बंगलुरु, वार्ता। आईपीएल 2025 सत्र की शुरुआत से पहले लखनऊ सुपरजाएंट्स के लिए राहत की खबर आई है। टीम के तेज गेंदबाज मयंक यादव ने बंगलुरू स्थिति भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में गेंदबाजी अभ्यास शुरू कर दिया है।

मयंक को पिछले साल चोट लगी थी और तभी से वह रिहैब से गुजर रहे हैं। आईपीएल के आगामी सत्र की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है, लेकिन माना जा रहा है कि मयंक शुरुआती चरण का हिस्सा नहीं होंगे। मयंक 2023 सीजन में चोट के कारण बाहर रहे थे, लेकिन उन्होंने पिछले सीजन पंजाब किंग्स के खिलाफ डेब्यू मैच में ही तीन विकेट झटके थे। इसके बाद रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अगले मैच में भी उन्होंने तीन विकेट लिए जिससे लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। हालांकि, उनका अभियान सिर्फ चार मैचों तक ही सीमित रहा क्योंकि साइड स्ट्रेन के कारण वह आगे नहीं खेल सके। पिछले सीजन ज्यादातर समय बाहर रहने के बावजूद लखनऊ फेंचाइजी ने उन पर भरोसा जताया और मेगा नीलामी से पहले मयंक को 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया।

मयंक की स्थिति में हालांकि सुधार दिख रहा है और उन्होंने नेट्स पर गेंदबाजी भी शुरू कर दी है। मयंक ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह कोच की देखरेख में सीमित रनअप के साथ गेंदबाजी करते नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से पता चला था कि मयंक नेट्स पर अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं और उनमें मैच की तैयारी दिख रही है। लखनऊ की टीम को अब सेंटर ऑफ एक्लीसेंस से हरी झंडी मिलने का इंतजार है जिससे मयंक टीम से जुड़ सकें। बताया जा रहा है कि मयंक अप्रैल के दूसरे सप्ताह में टीम के साथ जुड़ सकते हैं। लखनऊ फेंचाइजी को उम्मीद है कि मयंक 11 या 12 अप्रैल को टीम के साथ जुड़ेंगे।

न्यूजीलैंड ने पाक को रौंदा

डनेडिन (न्यूजीलैंड), वार्ता। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद टिम साइफर्ट (45) और फिन ऐलन (38) की शानदार आतिशी पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने मंगलवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 11गेंदे शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया। इसी के साथ पांच मैचों की सीरीज में न्यूजीलैंड ने 2-0 से बढ़त बना ली है।

पाकिस्तान के 135 रनों के स्कोर के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड टिम साइफर्ट और फिन ऐलन की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़। पांचवें ओवर में मोहम्मद अली ने अर्द्धशतक की ओर बढ़ रहे टिम साइफर्ट को आउटकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। टिम साइफर्ट ने 22 गेंदों में तीन चौके और पांच छक्के लगाते हुए (45) रनों की पारी खेली। सातवें ओवर में जहानदाद खान ने फिन ऐलन को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। फिन ऐलन ने 16 गेंदों में एक चौका और पांच छक्के लगाते हुए (38) रन बनाये। इसके बाद खुशदिल शाह ने मार्क चैपमैन (एक) को आउट किया। डैरिल मिचेल (14) और जिमी नीशम (पांच) को हारिस रउफ ने आउट किया। न्यूजीलैंड ने 13-1 ओवर में पांच विकेट पर 137 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। मिचेल हे 16 गेंदों में (21) और कप्तान माइकल ब्रेसवेल (पांच) रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की ओर से हारिस रउफ ने दो और मोहम्मद अली, खुशदिल शाह और जहानदाद खान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां बारिश के कारण टॉस देर से हुआ। जिसके बाद ओवरों की संख्या घटाकर 15-15 ओवर कर दी गई। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 19 के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिये। हसन नवाज (शून्य) और मोहम्मद हारिस (11) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान आगा सलमान और इरफान खान ने पारी संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में ईश सोढ़ी ने इरफान खान (11) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर सोढ़ी ने खुशदिल शाह (शून्य) को भी आउट कर पाकिस्तान को चौथा झटका दिया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तानी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके। 10वें ओवर में बेन सीयर्स ने कप्तान आगा सलमान को आउट किया।

खेल विशेष

पाक मूल के क्रिकेटर जुनैदा की ऑस्ट्रेलिया में मौत

ऑस्ट्रेलियाई क्लब मैच के समय मैदान पर गिरे, 41.7 डिग्री सेल्सियस पर 40 ओवर फील्डिंग की थी

एडिलेड, वार्ता। ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट मैच के दौरान पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटर जुनैद जफर खान की मौत हो गई। एडिलेड में हुई इस घटना में ऑस्ट्रेलियाई क्लब क्रिकेटर जुनैद की उम्र 40 साल थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी मौत तेज गर्मी की वजह से हुई। शनिवार 15 मार्च को कॉनकॉर्डिया कॉलेज में प्रिंस अल्फ्रेड ओल्ड कॉलेजियंस और ओल्ड कॉनकॉर्डियंस के बीच मैच खेला जा रहा था। जुनैद ओल्ड कॉनकॉर्डियंस की तरफ से खेल रहे थे। मुकाबले के समय तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस था। बेहोश होकर मैदान पर गिरे रोजे पर रहे जुनैद ने गर्मी में करीब 40 ओवर फील्डिंग की। मैच के समय शाम 4 बजे के करीब उनकी तबीयत खराब हुई और वे बेहोश होकर मैदान पर गिर पड़े। जिसके बाद उन्हें तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्ध्हें बचाया नहीं जा सका। जुनैद ने ओल्ड कॉनकॉर्डियंस क्रिकेट क्लब के लिए करीब 7 ओवर बल्लेबाजी भी की थी। इस दौरान वे 16 रन बनाकर नाबाद रहे थे।

जुनैद 2013 में पाकिस्तान से एडिलेड आए थे। जुनैद रमजान के दौरान रोजे रख रहे थे, लेकिन उन्होंने पूरे दिन पानी पिया। क्योंकि इस्लामिक नियमों के अनुसार अगर कोई व्यक्ति बीमार या अस्वस्थ महसूस करता है तो उसे रोजे के दौरान पानी पीने की अनुमति होती है। क्लब जुनैद के क्रिकेट क्लब ने दुख जताते हुए कहा, शहम अपने एक स्टार सदस्य की मौत से बहुत दुखी हैं। मैच के दौरान अचानक उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्या हुई। पैरामेडिक्स की कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके परिवार, दोस्तों और टीम के साथियों के साथ हमारी संवेदनाएं हैं।

चोटिल फुटबॉलर लियोनेल मेसी विश्व कप क्वालीफायर से हुए बाहर

- **मेसी अंटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में हो गए थे चोटिल**

ब्यूनस आयर्स, वार्ता। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण आगामी फीफा विश्वकप क्वालीफायर मैचों से बाहर हो गए हैं। क्वालीफायर के लिए घोषित 25 सदस्यीय टीम में मेसी को शामिल नहीं किया गया है। 37 वर्षीय मेसी अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी द्वारा जीते गए मुकाबले में रविवार को चोटिल हो गए थे। इंटर मियामी ने मेसी की मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि की है। क्लब ने कहा है कि मेसी ने अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ मैच में दर्द की शिकायत के बाद उनका एमआरआई स्कैन कराया। जांच में मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि हुई है। चिकित्सक दल ने उन्हें फिलहाल आराम करने की सलाह दी गई है। पिछले हफ्ते जमैका की टीम कैवेलियर के खिलाफ कॉनकाकफ चैंपियंस कप की जीत में बेंच से उतरने और स्कोर करने से पहले मेसी को मियामी के तीन मैचों के लिए आराम दिया गया था।

मोदी ने विशेष ओलंपिक पदक विजेता एथलीटों से की मुलाकात

नई दिल्ली, वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में पदक जीतने वाले भारतीय एथलीटों से संसद भवन में मुलाकात कर उन्हें बधाई दी।

मोदी ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि मुझे अपने एथलीटों पर बहुत गर्व है जिन्होंने इटली के ट्यूरिन में आयोजित विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में 33 पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने संसद में भारतीय एथलीट दल से मुलाकात की और उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई दी। विशेष ओलंपिक शीतकालीन खेलों के पदक विजेता एथलीटों से मुलाकात करने की फोटो साझा करते हुए उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की है। उल्लेखनीय है कि इटली के ट्यूरिन हुए विशेष ओलंपिक शीतकालीन खेलों में भारतीय दल ने आठ स्वर्ण, 18 रजत और सात कांस्य सहित कुल 33 पदक जीते है।

न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच तीसरा महिला टी-20 मैच बारिश के कारण हुआ रद्द

डुनेडिन (न्यूजीलैंड), वार्ता। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच मंगलवार को तीसरा महिला टी-20 मैच भारी बारिश के कारण बेनतीजा रहा। इसी के साथ दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हो गई। यहां यूनिवर्सिटी ओवल में श्रीलंका की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए सूजी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए आठ ओवर में 60 रन जोड़े। चामरी अटापट्टू ने सूजी बेट्स को आउटकर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। बेट्स ने 28 गेंदों पर 31 रन बनाये। एम्मा मैकलियोड (चार) और ब्रुक हैलीडे (शून्य) पर आउट हुई। बारिश होने के कारण खेल को रोकने के समय जॉर्जिया प्लिमर 37 गेंदों में (नाबाद 46) और इजी शार्प (नाबाद 17) क्रीज पर मौजूद थी और न्यूजीलैंड ने 14-1 ओवर में तीन विकेट पर 101 रन बनाये थे। श्रीलंका की ओर से इनोशी प्रियदर्शनी, कविशा दिलहारी और चामरी अटापट्टू ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। बारिश के कारण मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका। इसके बाद मैच को रद्द घोषित कर दिया गया। श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया।

टीम बदलाव के दौर से निपटने में सक्षम : मेहदी हसन

छह से सात खिलाड़ी ऐसे है जिन्हे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है

ढाका, वार्ता। बंगलादेश के दाएं हाथ के बल्लेबाज मेहदी हसन मिराज का मानना है कि टीम में पर्याप्त अनुभवी खिलाड़ी है और वे प्रमुख वरिष्ठ खिलाड़ियों के हाल ही में संन्यास लेने के बाद चल रहे बदलाव के दौर से उबरने में सक्षम है। शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मेहदी ने कहा कि फिलहाल टीम में छह से सात खिलाड़ी ऐसे हैं जो सात से 10 साल से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्हें अब नया नहीं कहा जा सकता। यह एक प्रक्रिया है। हमें अभी फैसला लेना चाहिए और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए।

विश्वकप में अभी दो से ढाई साल का समय है, इसलिए हमें तुरंत टीम तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि चयन में निरंतरता महत्वपूर्ण है। टूर्नामेंट से दो या तीन महीने पहले ही तैयारी शुरू करना बहुत मुश्किल होगा। मुशफिकुर भाई (रहमान) और पिछली पीढ़ी के अन्य खिलाड़ियों ने सात से आठ वर्ष तक टीम की सेवा की है और बंगलादेश क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अब, हम भी लंबे समय से यहां हैं। हमारा लक्ष्य बंगलादेश क्रिकेट को अगले स्तर तक ले जाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली पीढ़ी ने एक अच्छी आधारशिला रखी है। अब हमारा काम टीम को और आगे ले जाना है।

ओलंपिक 2028 में मुक्केबाजी को शामिल किया

- **दुनियाभर के मुक्केबाज लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलेंगे**

कोस्टा नवारिनो (यूनान), वार्ता। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के खेल कार्यक्रम में मुक्केबाजी को शामिल करने को मंजूरी दे दी है। निवर्तमान आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक ने कोस्टा नवारिनो के रोमानोस रिसॉर्ट में आईओसी कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में इसकी पुष्टि की। बाक ने कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद कहा कि फरवरी में विश्व मुक्केबाजी को अस्थायी मान्यता मिलने के बाद हम यह फैसला लेने की स्थिति में थे। सत्र में इसे मंजूरी के लिये रखा जायेगा और मुझे यकीन है कि इसे मंजूरी मिल जायेगी। इसके बाद दुनिया भर के मुक्केबाज लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेल सकेंगे अगर उनके राष्ट्रीय महासंघ को विश्व मुक्केबाजी से मान्यता मिली हुई है। उल्लेखनीय है कि मुक्केबाजी 1904 से ओलंपिक खेल रहा है, लेकिन शासन, संचालन और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित मुद्दों के कारण आईओसी ने वर्ष 2019 में अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ की मान्यता को निलंबित कर दिया था।

टोरेंट ग्रुप ने गुजरात टाइटंस में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल करने की प्रक्रिया की पूर्ण

- **टोरेंट और इरेलिया ने समझौतों पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की थी**

अहमदाबाद, वार्ता। टोरेंट ग्रुप ने गुजरात टाइटन्स में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल करने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली है।

टोरेंट ग्रुप कि ओर से बताया गया है कि स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा क्षेत्रों में मजबूत उपस्थिति वाले व्यावसायिक समूह टोरेंट ग्रुप ने बीसीसीआई सहित सभी आवश्यक संस्थानों से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, इरेलिया कंपनी पी-टी-इ- लिमिटेड से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फेंचाइजी गुजरात टाइटन्स (इरेलिया स्पोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) में 67 प्रतिशत बहुलांश हिस्सेदारी हासिल करने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। इससे पहले इस वर्ष 12 फरवरी को टोरेंट और इरेलिया ने इस प्रक्रिया के लिए विशिष्ट समझौतों पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की थी, जिसमें कहा गया था कि अधिग्रहण प्रथागत संविदात्मक शर्तों और अनुमोदन के अधीन होगा। इन शर्तों की पूर्ति के साथ ही स्थानांतरण प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। करार के मुताबिक सीवीसी द्वारा फंडित संस्था इरेलिया 33 प्रतिशत अल्पसंख्यक हिस्सेदारी के साथ इस फेंचाइजी में अपनी संबद्धता बनाए रखेगी। आईपीएल के इतिहास की सबसे युवा और सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक गुजरात टाइटन्स को अब टोरेंट जैसे बड़े पैमाने पर कारोबार के निर्माण और संचालन में कार्यरत समूह की व्यापक विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा।

पुलिस ने 36 घंटे में दबोचा पत्नी का हत्यारा पति

बाइक की चाबी न देने पर पति ने पीट-पीटकर कर दी थी पत्नी की हत्या

शाह टाइम्स संवाददाता

बुग्गावाला। थाना बुग्गवाला पुलिस ने पत्नी के हत्यारे पति को 36 घंटे के अंदर दबोच कर जेल भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना पुलिस ने पत्नी के हत्यारे पति को 36 घंटे में पकड कर जेल भेज दिया है। दिनांक 15.03.2025 को इशरार पुत्र फक्कर निवासी रसूलपुर कला थाना फतेहपुर जिला सहारनपुर उ0प्र0 की तहरीर पर इरशाद व 09 अन्य के खिलाफ वादी की बहन इशराना को दहेज के लिये प्रताड़ित कर मारपीट करने व इस मारपीट के कारण उक्त विवाहिता की मृत्यु हो जाने के आरोप में थाना बुग्गावाला पर मु0अ0स 12/25 धारा 80(2) बनाम इरशाद आदि मुकदमा पंजीकृत किया गया। वही उक्त घटना पर तत्काल कार्यवाही करते हुये मृतका का पंचायतनामा/पोस्टमार्टम की कार्यवाही कर शव को अन्तिम संस्कार हेतु मृतका के परिजनों को सुपुर्द किया गया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुये

एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा वारदात कर मौके से फरार हत्या के मुख्य आरोपी पति एवं अन्य आरोपित की गिरफ्तारी एवं घटना के शीघ्र अनावरण के

❖मृतका के परिजनों ने आरोपी सहित कुल 10 के खिलाफ दर्ज कराया था दहेज हत्या का मुकदमा

संबंध में दिए गए। निर्देश पर गठित पुलिस टीमों द्वारा आरोपित की तलाश शुरु की। सक्रिय मुखवीर तन्त्र की मदद से पुलिस टीम ने दिनांक 17/03/2025 को कुड़कावाला तिराह पर बाहर भागने की फिराक मे खड़े इरशाद को जाल बिछाकर दबोचा लिया। पकड़े गए आरोपी को न्यायालय समक्ष पेश किया जा रहा है। जहां से पकडे गये आरोपी को जेल भेज दिया गया है। पकडा गया आरोपित-इरसाद पुत्र शफक्कत नि0 ग्राम बन्दरजूड थाना बुग्गावाला जनपद हरिद्वार उम्र 35 वर्ष है। वहीं नाम पता मृतका- इशराना पत्नी इरशाद निवासी ग्राम बन्दरजूड थाना बुग्गावाला जनपद हरिद्वार उम्र 33 वर्ष है। आरोपी को पकडने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक भगवान महरअ0उ0नि0 बिजेन्द्र सिंह हे0का0 गोपाल कुमार कानि0 हरिओम आदि शामिल रहे।

भगवानपुर पुलिस ने दबोचा एक नशा तस्कर 310 ग्राम चरस बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। थाना पुलिस ने एक नशा तस्कर को दबोच कर उसके पास से 310 ग्राम अवैध चरस बरामद की है। पकडे गये आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री उत्तराखंड के ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन को सफल बनाने हेतु एसएसपी हरिद्वार द्वारा नशा तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके अनुपालन में भगवानपुर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रांतर्गत दौराने चौकिंग दिनाक 17/03/2025 को अभियुक्त फुरकान पुत्र जमशेद निवासी आधेवादी मस्जिद सिकन्दरपुर थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार को 310 ग्राम अवैध चरस के साथ अबीना मिल्क फैक्ट्री रोड खुब्बनपुर से दबोचा गया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना हाजा पर मु0अ0स0 77/2025, धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम पंजीकृत किया गया। अभियुक्त फुरकान से पुलिस ने 310 ग्राम अवैध चरस बरामद कर ली है। उसे पकडने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 शहजाद अली, का0 संजय नेगी, का0 मुकेश नोटिया आदि शामिल रहे।

लक्सर में तहसील दिवस का आयोजन एसडीम ने सुनी जनसमस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर में आज दिवस का आयोजन किया गया है जिसमें 29 शिकायत आई है। छह शिकायतो का मौके पर निसतारण कर दिया गया है।

लक्सर उप जिला अधिकारी सौरभ अस्वाल ने बताया की आज तहसील दिवस में आम जनता की 29 शिकायत आ ई हैं उनमे से छह शिकायतो का मौके पर ही निसतारण कर दिया गया है। उन्होंने कहा ज्यादातर शिकायत जमीन की पैमाइश की आई है। उन्होंने यह भी कहा की कुछ पीछली बार शिकायत आई थी उसमें 60 से 70% शिकायतों का निस्तारण हो गया है और बाकी

शिकायत उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। क्योंकि उनका निस्तारण उच्च अधिकारियों के द्वारा ही किया जाएगा और बाकी शिकायत के लिए सभी संबंधित कर्मचारियों को भेज दिया गया है और सभी को आदेशित किया गया है की टाइम बाउंड के अंदर सभी शिकायतों का मौके पर जाकर निसतारण करे।

थिथौला में अवैध पार्किंग बने तेल माफियाओं के लिए सुरक्षित ठिकाने

मांगेराम गोर

लंढौरा। औधोगिक क्षेत्र लंढौरा के थिथौला गांव मे अवैध रूप से संचालित तेल टेंकर पार्किंग तेल माफियाओं के लिए जहां सुरक्षित ठिकाचने बनें हुए हैं। वहीं प्रशासन की बिना अनुमति के चल इन पार्किंगों किसी भी क्षण हो सकने वाली दुर्घटना का डर भी ग्रामीणों को सताने लगा है। लोगों का कहना है कि आबादी के पास ही सात पार्किंग बने हुए हैं।

लंढौरा औधोगिक क्षेत्र के थिथौला गांव मे इंडियन आयल व हिंदुस्तान पेट्रोलियम के तेल डिपो है इसके अलावा एक गैस डिपो है। इन तीनों डिपो में करीब 305 गाड़ियों से समूचे उत्तराखंड में तेल और गैस की सप्लाई होती है। तेल डिपों के आसपास ही सात लोगों ने अपनी जमीनों की चाहरदीवारी करके टैंकरों के लिए पार्किंग बना रखे हैं। जब तेल की गाड़ियां खाली होकर आती

है तो चालक गाड़ियों को पार्किंगों में खड़ी कर देते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि टैंकर खाली होने के बाद भी उनमें कुछ लीटर तेल बच जाता है। आरोप है कि चालक परिचालक पार्किंग में उक्त तेल को निकाल कर तेल कारोबारियों को बेच देते हैं। मजेदार बात तो यह है कि पार्किंग स्वामियों की ओर से प्रशासन से कोई अनुमति नहीं ली गई है और न ही पार्किंगों के आसपास अग्निशमन का कोई बंदोबस्त किया गया है। मालूम हो कि थिथौला गांव मे वर्ष 2003 में एक घर में रखे तेल में अचानक आग लग गई थी। हादसे में तीन लोगों की जान चली गई थी और तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे। यही कारण है। कि औधोगिक क्षेत्र में बिना अनुमति के पार्किंग चलाने तथा अग्निशमन की समुचित व्यवस्था न होने के भय से ग्रामीणों व दुकानदारों को हर समय इस बात का भय बना रहता है कि अगर एक साथ खड़े वाहनों में आग लग जाए तो बड़ा हादसा हो सकता है। इंस्पेक्टर शांति कुमार गंगवार का कहना है कि बिना अनुमति के पार्किंग चलाए जाने का मामला उनके संज्ञान में आया है। शीघ्र ही पार्किंग संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भगवानपुर तहसील दिवस में सीडीओ ने सुनी जन समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। तहसील दिवस भगवानपुर में आज कुल 36 शिकायतें आई जिनमें मुख्य शिकायतें तहसील कर्मियों से संबंधित ही थी। इसके अलग पुलिस और खंड विकास से संबंधित शिकायतें आई। सीडीओ हरिद्वार ने बताया कि जल्द ही सभी शिकायतों का निपटारा करवाया जाएगा। साथ ही उपस्थित अधिकारियों को भी हिदायत दी कि वो अपने स्तर से अगर समाधान करेंगे तो यहां तक शिकायतें नहीं पहुंचेंगी।,स्थानीय विधायक ममता राकेश भी तहसील दिवस में उपस्थित रही।

दरअसल आज तहसील भगवानपुर में तहसील दिवस का आयोजन किया गया था जिसमें सीडीओ हरिद्वार आकांक्षा कोन्डे और कांग्रेस विधायक ममता राकेश और सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। तहसील के अलग अलग गांवों से आए 36 फरियादियों ने अपनी अपनी शिकायतें रखी जिनमें मुख्यरूप से अवैध कब्जों और भूमि विवादों से संबंधित थी इसके अलग यूसीसी को

लेकर वकीलों ने अभी अपनी शिकायत दर्ज करवाई। सबसे ज्यादा शिकायतें तहसील अधिकारियों से संबंधित थी जिसे लेकर सी डी ओ मैडम ने संबंधित अधिकारियों को नसीहत देते हुए कहा कि अगर इनका निपटारा आप लोग अपने स्तर से करदे तो यहां तक लोगो को पहुंचना न पड़ें। उन्होंने कहा कि ये भी एक बड़ा सवाल है कि तहसील से संबंधित शिकायतें सबसे ज्यादा है। वहीं मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जो भी शिकायतें आई है उनका निस्तारण जल्द ही करवाया जाएगा और आगे सभी को निर्देशित किया गया है कि जनता के काम मुस्तैदी के साथ किए जाएं।

वहीं इस अवसर पर स्थानीय विधायक ममता राकेश ने भी कहा कि अफसोस है कि तहसील दिवस में ज्यादा शिकायतें तहसील कर्माचारियों से संबंधित ही आई है। कर्मचारियों की हीलाहवाली है जिसके कारण जनता के काम अधर में लटक जाते है और जो सभी शिकायतें आई है उनका जल्द निस्तारण हो ऐसा वो प्रयास करेंगी।

अवैध शराब प्रकरण में फरार आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। पुलिस ने अवैध शराब के फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिरान कलियर थाना प्रभारी दिलवर सिंह नेगी ने बताया कि निकाय चुनाव के दौरान 15 जनवरी को पुलिस ने नहर पटरी धनौरी तिरछे पुल के पास से एक स्विफ्ट कार से चार पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की थी।कार चालक कार को छोड़कर मौके से फरार हो गया था।पुलिस ने कार चालक के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर कार को सीज कर दिया था। और फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने सोमवार कार चालक रविद्र कुमार निवासी रामखेडी थाना बिलासपुर यमुनानगर हरियाणा को कलियर से गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया हैं। टीम में एएसआई राम अवतार, भादु राम वर्मा आदि शामिल रहें।

होटल का किराया नहीं देने का आरोप

रुड़की। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के ढंडेरी निवासी मांगेराम का बाईपास पर होटल है। उन्होंने सोमवार को पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि कुछ दिन पहले नारसन निवासी एक व्यक्ति को होटल किराये पर दिया था। कुछ माह तक किराया देने के बाद उसने किराया देना बंद कर दिया। होटल पर काम नहीं होने का बहाना बनाकर वह कई माह तक किराया नहीं दिया। अब किराया के लिए दबाव बनाने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रेमिका का मैसेज पढ़ने के बाद पति से मारपीट

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र निवासी एक महिला ने पति के मोबाइल में उसकी प्रेमिका के मैसेज देख लिए। जिसके बाद दोनों के बीच जमकर विवाद और मारपीट हुई। महिला ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला ने पुलिस को बताया कि सोमवार को पति के मोबाइल पर लगातार मैसेज आ रहे थे। शक था कि उसकी प्रेमिका ही कर रही है। इसके बाद महिला ने उसकी प्रेमिका के सारे मैसेज पढ़ लिए। जब पति बाथरूम से बाहर आया तो दोनों के बीच मैसेज पढ़ने को लेकर जमकर विवाद हो गया। महिला अपने मायके पहुंची और परिजनों को मामले से अवगत कराया। इसके बाद महिला अपने परिजनों को साथ लेकर ससुराल पहुंची। यहां पर इनके बीच जमकर मारपीट हो गई। **वहीं दूसरी ओर सामुदायिक** स्वास्थ्य केंद्र पर रेबीज का इंजेक्शन नहीं मिलने से क्षेत्र वासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोग मजबूर होकर स्वास्थ्य केंद्र से वापस लौट रहे हैं। भगवानपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पिछले कई दिनों से रेबीज के इंजेक्शन नहीं मिल रहे हैं। जिसके चलते इंजेक्शन लगवाने पहुंचे लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है।

लक्सर शुगर मिल में श्रमिक की मौत, नाले में मिला शव

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। मनोज की तबीयत ठीक नहीं थी। काम के दौरान दोपहर के समय वह पानी पीने के लिए गया था लेकिन इसके बाद काफी देर तक वह नहीं लौटा। साथ काम करने वाले श्रमिकों ने उसकी तलाश की तो उसका शव नाले में पड़ा मिला।

लक्सर शुगर मिल में काम करने वाले एक श्रमिक की कार्य के दौरान मौत हो गई। शव मिल परिसर में नाले से बरामद हुआ है। जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन और ग्रामीण एकत्रित होकर मिल पहुंचे। मृतक आश्रित को नौकरी व आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग करते हुए मिल परिसर में ध रने पर बैठ गए। वार्ता के बाद मिल प्रबंधन की ओर से मृतक की पत्नी को 13 लाख की सहायता राशि और योग्यता के अनुसार नौकरी दिए जाने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद मामला शांत हुआ। लक्सर क्षेत्र के अकौढ़ा कलां गांव निवासी मनोज कुमार (34) लक्सर शुगर मिल में ठेकेदार के पास काम करता था। सोमवार को वह मिल में काम करने के लिए पहुंचा था। बताया जा रहा है कि मनोज की तबीयत ठीक नहीं थी। काम के दौरान दोपहर के समय वह पानी पीने के लिए गया था लेकिन इसके बाद काफी देर तक वह नहीं लौटा। साथ काम करने वाले श्रमिकों ने उसकी तलाश की तो उसका शव नाले में पड़ा मिला। सूचना पर मिल प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने शव को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। इस बीच जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन और ग्रामीण शुगर मिल पहुंच गए और एंबुलेंस को रोक लिया। इसके बाद परिजन और ग्रामीण मृतक की पत्नी को 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और नौकरी दिए जाने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। सूचना पर एसएसआई मनोज गैरोला व चौकी प्रभारी नवीन चौहान पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं विध ायक मोहम्मद शहजाद भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान मिल प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच वार्ता हुई जिसके बाद मिल प्रबंधन की ओर से मृतक की पत्नी को 13 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक देने नौकरी दिए जाने का आश्वासन दिया गया।

बाइक और ई रिक्शा की भिड़ंत में एक घायल

रुड़की। कलियर महेवड कांवड़ पटरी पर सोमवार को बाइक व ई-रिक्शा की भिड़ंत में बाइक सवार घायल हो गया। घायल को राहगीरों ने उपचार के लिए निजी अस्पताल भिजवाया।

जानकारी के अनुसार दिलशाद निवासी अलीपुर अपने साथी नोशाद के साथ बाइक पर सवार होकर रुड़की से अपने घर वापस जा रहे थे। जैसे ही वह कांवड़ पटरी पर इंजिनीयरिंग कॉलेज के पास पहुंचे तो सामने से ओवरटेक कर रही ई-रिक्शा ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दिलशाद घायल हो गया। राहगीरों ने घायल को अस्पताल भिजवाया।

वहीं दूसरी ओर रात सुल्तानपुर चौकी प्रभारी लोकपाल परमार ने सिपाही अजीत तोमर व हिमांशु चौधरी के साथ क्षेत्र में वाहन चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान अवैध खनन में दो ट्रैक्टर ट्राली पकड़ लिए। पुलिस ने दोनों ही वाहनों को सीज कर दिया।

ठगों ने शिक्षिका के खाते से हजारों रुपये उड़ाए

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। रुड़की। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के पनियाला रोड निवासी अनीता शहर के एक स्कूल में शिक्षिका हैं। उसने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उन्होंने हाल ही में ऑनलाइन शॉपिंग कर कुछ कपड़े खरीदे थे। उनके मोबाइल पर सोमवार की सुबह एक फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि वह एक ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी का कर्मचारी है। उसने बताया कि कंपनी की तरफ से गर्मी के कपड़े खरीदने के लिए ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर दिया जा रहा है। उसने महिला के मोबाइल के व्हाट्सऐप पर एक लिंक भेजा। उसने लिंक को ओपन कर खाते से जुड़ी औपचारिकता पूरी करने के लिए कहा। उसके बाद उसके खाते से हजारों रूपये निकाल लिये गये है। पुलिस छानबीन कर रही है।

घर में घुसकर मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। घर में घुसकर गाली गलौज तथा मारपीट करने वाले युवकों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बूढ़पुर निवासी रामधन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि दो दिन पहले वह अपने घर पर बैठा हुआ था। इसी बीच गांव के ही अजय कुमार, शुभम तथा अंकुश बाइक पर सवार होकर उनके घर में घुस गए और परिजनों के साथ गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने परिजनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर जब आसपास के लोग वहां इकट्ठा हुए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। इसके बाद देर शाम गांव का ही सोनी कुमार अपने कुछ साथियों के साथ उसके घर पहुंचा और गाली गलौज की।

जीआईसी इमलीखेड़ा के बच्चों को शुद्ध पानी के लिए

फ्यूजनफाइनेंस कंपनी ने दिया प्यूरीफायर वॉटर कूलर

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। राजकीय इंटर कॉलेज इमलीखेड़ा में बच्चों के लिए शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था के लिए मंगलवार को फ्यूजन फाइनेंस लिमिटेड के सौजन्य से संस्था आशीर्वाद इंडिया फाउंडेशन की और से प्यूरीफायर एवं वाटर कूलर लगाया गया। और एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि इमलीखेड़ा नगर पंचायत के अध्यक्ष मनोज कुमार सैनी,इमलीखेड़ा चौकी प्रभारी उमेश कुमार लोध ी,राजकीय इंटर कॉलेज प्रधानचार्य मनीष ,फ्यूजन फाइनेंस लिमिटेड के रीजनल मैनेजर ललित मोहन ,डिविजनल मैनेजर अमित कुमार ,आशीर्वाद इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।उन्होंने कहा कि वाटर कूलर एवं वॉटर प्यूरीफायर स्थापित किया गया हैं। यह वॉटर प्यूरीफायर बिना इलेक्ट्रिसिटी के कार्य करता हैं। तथा एक घंटे में 100 लीटर

पानी प्यूरीफायर करता हैं। इस अवसर पर ललित मोहन ने बताया कि फ्यूजन फाइनेंस लिमिटेड एक एनबीएफसी कंपनी है जो आरबीआई से रजिस्टर्ड हैं।कंपनी लेन देन के साथ साथ सामाजिक कार्यों शिक्षा ,स्वास्थ्य, पर्यावरण, आपदा, कृषि, जल आदि क्षेत्रों में भी बढ़ चढकर अपनी भागीदारी निभा रही हैं। कार्यक्रम में राकेश कुमार, राहुल त्यागी, मीनू ठाकुर, विपिन कुमार, आशा आदि मौजूद रहें।

कोर यूनिवर्सिटी में छात्रों ने किया हंगामा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कोर यूनिवर्सिटी में एग्जाम के समयकुछ छात्रों की फीस जमा ना होने को लेकर उन्हें क्लास रूम से बाहर निकालने को लेकर छात्रों ने कॉलेज परिसर में धरना देते हुए यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर धमकाने का आरोप लगाया। छात्रों के साथ एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष ने भी शामिल होकर धरने में उनका साथ दिया।

मिली जानकारी के अनुसार कोर यूनिवर्सिटी में एग्जाम के समय छात्रों की फीस जमा ना होने को लेकर उन्हें क्लास रूम से बाहर करने पर हंगामा किया। वही जब मीडिया पूरे मामले की कवरेज करने कोर यूनिवर्सिटी पहुँचे तो उन्हें भी कवरेज करने से रोका गया जिसके बाद छात्रों ने यूनिवर्सिटी के गेट पर आकर अपना विरोध प्रदर्शन जाहिर किया। छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर धमकाने का आरोप भी लगाया। छात्रों का कहना है कि यूनिवर्सिटीछोटी- छोटी बातों पर छात्रों का उत्पीडन करती है। छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। लेकिन यूनिवर्सिटी द्वारा किसी भी छात्र का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आखिर जिला न्यायालय से चैंपियन को मिली जमानत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। खानपुर के पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह को जिला न्यायालय से जमानत मिल गई है। वह खानपुर विधायक उमेश कुमार के कैम्प कार्यालय पर फायरिंग करने के आरोप में 27 जनवरी से न्यायिक हिरासत में हैं। हरिद्वार जिला जज कोर्ट से पूर्व खानपुर विधायक व वरिष्ठ भाजपा नेता कुंवर प्रणव सिंह चौंपियन की जमानत मंजूर हो गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवीण तोमर ने जानकारी देते हुए इसकी पुष्टि की है। प्रवीण तोमर के अनुसार बुध वार शाम को वह रिहा हो जायेंगे। वहीं चौंपियन की जमानत की खबर सुनने के बाद समर्थकों में खुशी की लहर है। पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह ने 26 जनवरी को खानपुर विधायक उमेश कुमार के कैम्प कार्यालय पर फायरिंग

की थी जिसके बाद देहरादून पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। 27 जनवरी को कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था पहले उनके ऊपर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज हुआ था बाद में पुलिस द्वारा दाखिल चार्जशीट में धाराओं में कमी की गई। वहीं 27 जनवरी से अब तक कभी वह जिला अस्पताल और कभी जेल में रहे। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवीण तोमर ने बताया कि 19 मार्च को वह रिहा होंगे।

रोगों के मुहाने पर दिल्ली

लोकल सर्किल्स द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि बुखार, गले में खराश, खांसी, सिरदर्द, पेट की परेशानी, जोड़ों में दर्द और सांस की समस्याएं स्वाइन फ्लू (एच5एन1) के लक्षणों में से हैं, जो दिल्ली के 54 प्रतिशत घरों में मौजूद हैं। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि छोटे बच्चों और बुजुर्गों (50 से अधिक उम्र के) को इन लक्षणों के होने का सबसे अधिक खतरा है। दिल्ली-एनसीआर इलाके में मौसमी इन्फ्लुएंजा में वृद्धि की हालिया रिपोर्टों के मद्देनजर, एक बार फिर यह समय एहतियाती सूचना जारी करने और देश में व्यस्क टीकाकरण पर जोर बढ़ाने के लिए नए प्रयास करने का है। इलाज कर रहे कई फिजीशियनों और श्वास-रोग विशेषज्ञों ने बताया है कि इस मौसम से संबंधित प्रमुख स्ट्रेन इन्फ्लुएंजा ए और इन्फ्लुएंजा बी हैं। इन्फ्लुएंजा, जिसे फ्लू भी कहा जाता है, वायरस से होने वाला एक संक्रामक श्वास रोग है। इसे अक्सर आम सर्दी में शामिल कर लिया जाता है, क्योंकि मौजूद लक्षण एक जैसे होते हैं, अचानक खांसी और गले में खराश, साथ में तेज बुखार, मांसपेशियों में दर्द, बदन दर्द, सिरदर्द, थकान और भरी हुई नाक, लेकिन, दोनों कतई एक नहीं हैं। दोनों अलग-अलग वायरस की वजह से होते हैं और लक्षणों व गंभीरता में भिन्नता हो सकती है। फ्लू के कारण हल्की से लेकर गंभीर अस्वस्थता होती है जिसमें कभी-कभी अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ती है और कुछ मामलों में, ज्यादातर भर्ती में देर होने पर, मौत भी हो सकती है। भारत में मौसमी इन्फ्लुएंजा दो बार चरम पर होता है, एक बार जनवरी से मार्च के दौरान और दूसरी बार दक्षिण- पश्चिम मानसून के उत्तरार्ध में अगस्त से अक्टूबर के दौरान। भारत ने स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में सामने आने वाले इन्फ्लुएंजा जैसी अस्वस्थता (आईएलआई) और सिवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन्स (एसएआरआई) के मामलों की लगभग वास्तविक समय (रियल टाइम) में निगरानी की व्यवस्था विकसित कर ली है। कोविड-19 महामारी के दौरान और उसके बाद इस कार्यक्रम को ज्यादा मजबूत बनाया गया। नैदानिक प्रयोगशालाओं (डायग्नोस्टिक लैब्स) के देशव्यापी नेटवर्क के जरिए भी रियल टाइम निगरानी की जाती है। महामारी विशेषज्ञों का कहना है कि फैल रहे स्ट्रेनों पर नजर रखने और मौसमीपन (सीजनेलिटी) को परिभाषित करने के लिए इन्फ्लुएंजा की निगरानी सबसे महत्वपूर्ण औजार है। इसके अलावा, यह फैल रहे प्रासंगिक स्ट्रेनों के साथ टीकाकरण के समन्वय में अहम भूमिका निभाता है। इन सारी सूचनाओं की मौजूदगी को देखते हुए, मामलों में कोई भी मौसमी वृद्धि स्वास्थ्य प्रबंधकों की नजर से चूकने की संभावना बहुत कम है। हालांकि, सरकारों के लिए जो काम हाथ में है वह थोड़ा ज्यादा जटिल है। यह है, पूर्वानुमान लगाकर बीमारी के प्रकोप को संभालने के लिए तैयार होना और बचाव की भावना जगाना, खासकर उच्च जोखिम वाले समूहों में, जिसमें बहुत कम और बहुत ज्यादा उम्र के लोग आते हैं। बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और सांस की पुरानी तकलीफ वाले लोगों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अनुशंसित हस्तक्षेपों में सबसे महत्वपूर्ण है इन्फ्लुएंजा के लिए टीकाकरण पर जागरूकता बढ़ाना। वास्तव में, फ्लू का उन्नत (अपडेटेड) टीका समय-समय पर लगवाने से सभी उम्र के लोग लाभान्वित होंगे।

सहारनपुर स्टेशन मां शाकंभरी देवी और देवबंद स्टेशन मदनी साहब के नाम पर हो

सहारनपुर रेलवे स्टेशन का नामकरण मां शाकंभरी देवी और देवबंद रेलवे स्टेशन का नाम मौलाना हुसैन अहमद मदनी साहब के नाम पर किया जाए, मां शाकंभरी देवी का इस क्षेत्र से गहरा धार्मिक संबंध है। वहीं, देव. बंद की पहचान विश्वविख्यात इस्लामिक शिक्षण संस्थान दारुल उलूम देवबंद के कारण होती है, जहां मौलाना हुसैन अहमद मदनी साहब ने समाज और राष्ट्रहित में अतुलनीय योगदान दिया, इन नामकरणों से क्षेत्र की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को सम्मान मिलेगा, सहारनपुर से प्रयागराज के लिए सीधी ट्रेन , अलीगढ़ होते हुए लखनऊ तक वंदे भारत ट्रेन की और मेरठ-दिल्ली रैपिड रेल का विस्तार सहारनपुर तक किया जाना चाहिए।

इमरान मसूद
सांसद कांग्रेस

चिंताजनक है सरकारी अधिकारियों का दुरुपयोग

2014 का व्हिसल ब्लोअर प्रोटेक्शन एक्ट उन लोक सेवकों के लिए सुरक्षा प्रदान करता है, जो गलत कामों की रिपोर्ट करते हैं, नागरिकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने से विश्वास बढ़ता है और शत्रुता कम होती है

प्रियंका सौरभ

सरकारी अधिकारियों के साथ बढ़ता दुर्व्यवहार एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनता जा रहा है, क्योंकि वे अपने कर्तव्यों को निष्पक्ष और बिना किसी पक्षपात के निभाने का प्रयास करते हैं। कई सिविल सेवकों को अक्सर अपने विकल्पों से असंतुष्ट व्यक्तियों या समूहों से धमकियों, उत्पीड़न और अनुचित दबाव का सामना करना पड़ता है। यह परेशान करने वाली प्रवृत्ति शासन की अखंडता को नष्ट कर सकती है, नैतिक व्यवहार को बाधित कर सकती है और सार्वजनिक संस्थानों को कमजोर कर सकती है। इस समस्या से निपटने के लिए, नैतिक मानकों को बनाए रखना, कानूनी सुरक्षा प्रदान करना और यह सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत समर्थन प्रदान करना आवश्यक है कि अधिकारी प्रतिशोध के डर के बिना अपनी भूमिका निभा सकें। सरकारों को पारदर्शिता, जवाबदेही और कानून के शासन के प्रति सम्मान की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए, साथ ही जनता को लोकतंत्र और न्याय को बनाए रखने में सिविल सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में शिक्षित करना चाहिए।

कानून प्रवर्तन, उद्योग विनियमन और चुनाव निरीक्षण के लिए ज़िम्मेदार सरकारी अधिकारियों को लगातार धमकियों, उत्पीड़न और विभिन्न प्रकार के दुरुपयोग का सामना करना पड़ रहा है। यह प्रवृत्ति चिंता. जनक है क्योंकि यह लोक सेवकों को अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने से रोक सकती है और लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास को कमजोर कर सकती है। अधिकारियों, विशेष रूप से चुनाव, न्यायपालिका और नियामक निकायों में शामिल लोगों को अक्सर अपने निर्णयों को प्रभावित करने के उद्देश्य से धमकी का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, झूठे आरोप और बदनामी अभियान उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल कर सकते हैं और उनके अधिकार को कम कर सकते हैं। हालांकि कुछ देशों में लोक सेवकों की सुरक्षा के लिए कानून हैं, लेकिन इन कानूनों का प्रवर्तन असंगत या कमजोर हो सकता है। इस तरह के दुरुपयोग से उत्पन्न तनाव और भय के परिणामस्वरूप बर्नआउट, इस्तीफे और योग्य उम्मीदवारों को आकर्षित करने में चुनौतियां हो सकती हैं। सरकारी अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार एक बढ़ती चिंता है, क्योंकि वे निष्पक्ष रूप से अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करते हैं। इन अधिकारियों के प्रति दुर्व्यवहार और शत्रुता की बढ़ती घटनाएं प्रशासनिक नैतिकता और कानून के शासन के लिए एक महत्त्वपूर्ण चुनौती बन गई हैं। ऐसी घटनाएं न केवल लोक सेवकों का मनोबल गिराती हैं, बल्कि शासन में जनता का विश्वास भी कम करती हैं, जिससे अधिकारियों को इन कठिनाइयों से निपटने में मदद करने के लिए एक मज़बूत नैतिक ढांचे की आवश्यकता है। सरकारी अधिकारी-जिसमें चुनाव कार्यकर्ता, न्यायाधीश, नियामक और कानून प्रवर्तन कर्मियों को बढ़ती हुई धमकी, उत्पीड़न और यहां तक कि शारीरिक धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। यह सब राजनी. तिक विभाजन, ग़लत सूचना और सोशल मीडिया के प्रभाव जैसे विभिन्न कारकों से प्रेरित है, जो आक्रामक बयानबाजी को बढ़ाता है। कुछ मामलों में, अधिकारियों को डोक्स किया गया है, उनकी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन जारी की गई है और उन्हें संगठित उत्पीड़न अभियानों या शारीरिक हमलों का लक्ष्य बनाया गया है।

शिकायतों के लिए स्पष्ट और खुले चैनल बनाने से शत्रुता को कम करने में मदद मिल सकती है। केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली पोर्टल ऑनलाइन नागरिक शिकायतों के प्रबंधन के लिए एक प्रभावी उपकरण है। संघर्ष समाधान और सार्वजनिक संपर्क में अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने से शत्रुता से निपटने की उनकी क्षमता में सुधार होता है। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी प्रशिक्षण ढांचे में संकट प्रबंधन पर केंद्रित घटक शामिल हैं। भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले अधिकारियों की सुरक्षा अनैतिक प्रथाओं को हतोत्साहित करने में महत्त्वपूर्ण है। 2014 का व्हिसल ब्लोअर प्रोटेक्शन एक्ट उन लोक सेवकों के लिए सुरक्षा प्रदान करता है जो ग़लत कामों की रिपोर्ट करते हैं। नागरिकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने से विश्वास बढ़ता है और शत्रुता कम होती है। राजस्थान में जन सुनवाई (सार्वजनिक सुनवाई) पहल ने जवाबदेही को बढ़ावा दिया है और समुदाय के भीतर विश्वास का निर्माण किया है। वरिष्ठ अधिकारियों को अपने कनिष्ठ सहयोगियों को प्रेरित करने के लिए नैतिक व्यवहार का मॉडल अपनाना चाहिए। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी. एन. शेषन ने सख्त चुनावी मानकों को लागू करके एक मज़बूत उदाहरण पेश किया। ईमानदारी, लचीलापन और पारदर्शिता को अपनाकर, सिविल सेवक प्रभावी रूप से शत्रुता से निपट सकते हैं और साथ ही जनता का विश्वास भी बढ़ा सकते हैं।

कठिन परिस्थितियों में नैतिक शासन बनाए रखने के लिए संवैधानिक सिद्धांतों को बनाए रखना और सक्रिय उपायों को लागू करना आवश्यक है। जब सरक. ारी अधिकारियों को अपने कर्तव्यों को निष्पक्ष रूप से निभाने के लिए दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है, तो इससे संस्थाओं और न्याय प्रणाली में जनता का विश्वास ख़त्म हो सकता है। यह प्रवृत्ति प्रभावी शासन में बाधा डाल सकती है, क्योंकि अधिकारी प्रतिशोध के डर से न्यायपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कार्य करने में संकोच कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार और अन्याय हो सकता है। ऐसे शत्रुतापूर्ण व्यवहार का सामना करते समय सिविल सेवकों का मार्गदर्शन करने वाले नैतिक मानकों का विश्लेषण करना और जवाबदेही और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के तरीकों की जांच करना महत्त्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सरकारी अधिकारी अपने कार्यों के लिए जवाबदेह हैं और जो लोग अपने अधिकार का दुरुपयोग करते हैं, उन्हें उचित परिणाम भुगतने होंगे, मज़बूत जवाबदेही प्रणाली महत्त्वपूर्ण है। सरकारी गतिविधियों की पारदर्शिता और निगरानी को बढ़ावा देने से कदाचार को रोकने और सार्वजनिक विश्वास बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सरकारी संस्थानों की अखंडता में जनता का विश्वास बनाना महत्त्वपूर्ण है, जिसे नैतिक मानकों का पालन करके और अधिकारियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह सुनिश्चित करके हासिल किया जा सकता है।अपने कर्तव्यों को निष्पक्ष रूप से निभाने का प्रयास करने वाले सरकारी अधिका. रियों का उत्पीड़न लोकतंत्र और प्रभावी शासन के लिए एक महत्त्वपूर्ण ख़तरा है। मज़बूत सुरक्षा, कानूनी जवाब. देही और उत्पीड़न के प्रति सामाजिक प्रतिरोध के बिना, सार्वजनिक संस्थानों की अखंडता खतरे में पड़ जाती है। सरकारों, कानून प्रवर्तन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और नागरिकों के लिए यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करना आवश्यक है कि अधिकारी प्रतिशोध के डर के बिना अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा कर सकें।

अशांति का बिजनेस...

हिटलर के मानस पुत्रों और अंग्रेजी हुकूमत के अप्रत्क्ष/अप्रत्यक्ष निकटतम सहयोगी रहे लोगों से यदि आप शांति सौहार्द, प्रेम, समानता सहिष्णुता की कामना/आशा/उम्मीद करते तो आप ग़लत सोचते हैं, वह आपकी लाशों को भी पचा जाएंगे और डकार तक न लेंगे, 'कोविड' से लेकर 'स्नान' तक के घटनाक्रम इसके ज्वलंत उदाहरण हैं, अशांति भी एक बहुत बड़ा बिजनेस है, जिसके भीतर तथाकथित रूप से छद्म राष्ट्रवाद, तथाकथित रूप से धर्म और पुरातनपंथी परंपरागत सड़ी हुई अव्यावहारिक व्यवस्थाओं और अतीत में ले जाकर तथाकथित रूप से गौरवान्वित होने की हवा भरी जाती है

1933 से 1945 के बीच नाजी जर्मनी का यहूदियों पर अत्याचार लगातार कट्टरपंथी होता गया, इस कट्टरता में 60 लाख यहूदियों की सामूहिक हत्या हुई
यहूदी-स्वामित्व वाले व्यवसायों का बहिष्कार करने का आह्वान हुआ, स्टॉर्म ट्रूपर्स के सदस्य, बहिष्कार के संकेतों के साथ यहूदी-स्वामित्व वाली दुकान के प्रवेश द्वार को अवरुद्ध कर दिया करते थे

पवन सिंह

पूरे विश्व में तमाम ऐसे राजनैतिक संगठन और उनके अलंबरदार हुए हैं जिनका समूचा राजनैतिक भविष्य केवल अहिंसा, अशांति, नफरत, वैमनस्य, घृणा, गुरबत और अशिक्षा को प्रश्रय देने पर ही टिका रहा है! जब-जब ऐसी 'ब्लैक स्पाट' ताकतें जहां-जहां भी हुकू. मत में रही है, वहां-वहां कभी शांति और सद्भाव नहीं रहा है। हिटलर के मानस पुत्रों और अंग्रेजी हुकूमत के अप्रत्क्ष/अप्रत्यक्ष निकटतम सहयोगी रहे लोगों से यदि आप शांति, सौहार्द, प्रेम, समानता, सहिष्णुता की कामना/आशा/उम्मीद करते तो आप ग़लत सोचते हैं। वह आपकी लाशों को भी पचा जाएंगे, और डकार तक न लेंगे। 'कोविड' से लेकर 'स्नान' तक के घटनाक्रम इसके ज्वलंत उदाहरण हैं।

अशांति भी एक बहुत बड़ा बिजनेस है। जिसके भीतर तथाकथित रूप से छद्म राष्ट्रवाद, तथाकथित रूप से धर्म और पुरातनपंथी परंपरागत सड़ी हुई अव्यावहारिक व्यवस्थाओं और अतीत में ले जाकर तथाकथित रूप से गौरवान्वित होने की हवा भरी जाती है। वर्तमान में भारत में अशांति का सफलतम बिजनेस चल रहा है और दुखद यह है कि जो समाज स्वयं असमानता, अत्याचार और गरीबी व अशिक्षा का शिकार है, वही सबसे ज्यादा गौरवान्वित महसूस कर रहा है। अशांति के बिजनेस को जितना मैं समझ पाया हूं। इसे संचालित करने में लंबा वक्त लगता है लेकिन जब यह बिजनेस चल निकलता है तो बहुत ही कम समय में तमाम मानवीय मूल्यों का विध्वंस कर देता है। अशांति के बिजनेस के पूरे विश्व में आपको सैकड़ों उदाहरण और उनके भग्नावशेष मिलेंगे और कुछ ताजातरीन भी जैसे श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान आदि। श्रीलंका में सिंहली गौरव को इतनी हवा दी गई कि अंततः श्रीलंका तबाह हो गया। पाकिस्तान में शियाओं व अहमदियों से नफरतों और पंजाबी मुसलमानों के भीतर सर्वश्रेष्ठता का गुमान अंततः पाक को तबाह कर गया! अफगानिस्तान के तालिबानियों को लगा कि शरिया कानून ही अल्लाह के सबसे नजदीक है। फिर अंतर्राष्ट्रीय ताकतें भी इस नफरत में हाथ साफ करने निकलीं और एक खूबसूरत देश अफगानिस्तान तबाह हो गया।

अब एके-47 हाथों में उठाए तालिबा. नियों की समझ में आया कि विकास और शांति राइफल की नाल में नहीं 'कलम की निब' में होती है। इतनी सी बात समझने में न जाने कितनी इंसानी जिदंगियां खाक हो गईं। भारत को भी उसी ठर्रे पर लाया जा चुका है। एक धर्म विशेष के प्रति नफरतों का उफान, उनके धर्म स्थलों पर हमले, उनके धर्म स्थलों पर जाकर कमर मटकाने के अलावा तथाकथित हिंदुओं जिन्हें आप दलित/ओबीसी कह सकते हैं के प्रति असम्मान, असहिष्णुता, अत्याचार और असमान व्यवहार उसी का हिस्सा है। इधर अनेक लोगों ने मुझसे विभिन्न नौकरियों को लेकर जारी नियुक्तियों की सूचियां साझा कीं। उन्हें देखकर साफ लगता है कि किस तरह से तथाकथित रूप से इन तथाकथित हिन्दुओं के साथ अन्याय हुआ है! लेकिन इन तथाकथित हिन्दू जातियों का भी हिन्दुत्व के लिए लहराते रहना आश्चर्यजनक ही नहीं हास्यास्पद भी है। इन जातियों को मोक्ष, पुण्य, पुनर्जन्म, स्नान, यात्रा और भवसागरों की लहरों में ऐसा फेंका गया है कि ये सब उसी में तैर रही हैं। ये जातियां अपने ही शोषण का आनंद लें रही हैं। दरअसल यही अशांति के बिजनेस की ताकत है जो आपसे आपका विवेक छीन लेती है और अपमान के भाव को गौरवपूर्ण बना देती है। हिन्दुत्व ने भारतीयता को पराजित कर दिया है और यही अशांति के बिजनेस की सफलता है।

थोड़ा सा होलोकॉस्ट यानी यहूदियों के अंत पर चर्चा कर ली जाए। जर्मनी में होलोकॉस्ट नाजियों ने 60 लाख से ज्यादा यूरा. पीय यहूदियों का राज्य-प्रायोजित उत्पीड़न और हत्या की थी। होलोकॉस्ट एक उभरती हुई प्रक्रिया थी जो 1933 और 1945 के बीच पूरे यूरोप में हुई। इसके मूल में यहूदी-विरा. धवाद था जैसे भारत में इस वक्त मुस्लिम विरोध को हवा दी जा रही है। यहूदियों के प्रति घृणा या पूर्वाग्रह, नाज़ी विचारधारा का मूल सिद्धांत था। वर्ष, 1933 से 1945 के बीच नाज़ी जर्मनी का यहूदियों पर अत्याचार लगातार कट्टरपंथी होता गया। इस कट्टरता में 60 लाख यहूदियों की सामूहिक हत्या हुई।

यहूदी-स्वामित्व वाले व्यवसायों का बहिष्कार करने का आह्वान हुआ। स्टॉर्म ट्रूपर्स के सदस्य, बहिष्कार के संकेतों के साथ, यहूदी-स्वामित्व वाली दुकान के प्रवेश द्वार को अवरुद्ध कर दिया करते थे। प्रसार होता था कि-जर्मन! अपना बचाव करें! यहूदियों से सामान मत खरीदो! जैसा कि आज आप भारत में देख रहे हैं। मुसलमानों से सामान न खरीदें। मुसलमानों से दूरी बनाएं आदि। हिटलर से सबसे ज्यादा प्रभावित भारत का एक तथाकथित राष्ट्रवादी संगठन और उसका आका रहा और उसका संगठन निरंतर 70 सालों तक अपने प्रोपेगैंडा में लगा रहा और अंततः सफल रहा।

बर्लिन से ज्यादा ऊंची नफरत की दीवारों पर खामोश हैं मोदी जी

1989 में बर्लिन की दीवार के ध्वस्त होने के साथ मान लिया गया था कि भौगोलिक विभाजन व जमीनी साम्राज्यवाद के जमाने अब खत्म होते जाएंगे

श्रवण गर्ग

यह एक अलग तरह का युद्ध है जिसकी तैयारी शायद अलग-अलग प्रयोगशालाओं में सालों से की जाती होगी! ऐसा युद्ध जिसमें हथियारों का इस्तेमाल कम से कम दिखता है पर लड़ाई निरंतर चलती रहती है। उस समय भी जारी रहती है जब लगने लगता है कि अब सबकुछ सामान्य हो गया या हो रहा है। इस तरह के युद्ध में प्रतिद्वंद्वी का शरीर नहीं बल्कि उसका अपने होने या बने रहने की ज़रूरत में यक़ीन ख़त्म कर दिया जाता है। युद्ध की खूबी यह होती है कि इसे 'प्रेम और सौहार्द' की थीम पर लड़ा जाता हैं पर अंतिम नतीजे के रूप में नफ़रत को हासिल किया जाता है।

नवम्बर 1989 में बर्लिन की दीवार के ध्वस्त होने के साथ मान लिया गया था कि भौगोलिक विभाजन और ज़मीनी साम्राज्यवाद के ज़माने अब ख़त्म होते जाएंगे। मोदी जी ने इस संदर्भ में एक टिप्पणी सिख धर्मावलम्बियों के पाकिस्तान में करतारपुर स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब में जाने के लिए पंजाब सीमा पर कॉरिडोर के निर्माण के सिलसिले में की थी। गुरु पर्व के अवसर पर उन्होंने कहा था: किसने सोचा था कि बर्लिन की दीवार गिर सकती है! शायद गुरु नानक देवजी के आशीर्वाद से करतारपुर काकॉरिडोर (भारत-पाक के) जन-जन को जोड़ने का बड़ा कारण बन सकता है।

यूक्रेन युद्ध और हाल की अन्य घटनाएं बताती हैं कि न सिर्फ़ भौगोलिक विभाजन फिर से ज़िंदा हो गया है नए युद्ध शुरू हो गए हैं। ये युद्ध समाजों को धर्म के आधार पर विभाजित करने के हैं। मोदी जी पोलैंड की राजधानी वारसा से दस घंटों की ट्रेन यात्रा करके सिर्फ़ सात घंटों के लिए यूक्रेन की राजधानी कीव इसलिए जाते हैं क्यूंकि महाशक्ति रूस के साथ उस छोटे से देश की लड़ाई ख़त्म करवा सकें पर अपने ही देश के भीतर एक बड़े धर्म और छोटे संप्रदाय के बीच उनकी ही पार्टी के तत्वों द्वारा चलाए जा रहे युद्ध के प्रति प्रधानमंत्री बहुत ही सहजता से आँखें मूंद लेते हैं। आपसी गिले-शिकवे दूर करने के त्योहार होली के अवसर पर 'सांप्रदायिक प्रेम और सोहार्द' क़ायम रखने के नाम पर उत्तर प्रदेश में जो कुछ हुआ वह दहशत पैदा करने वाला है। आबादी के मान से यूपी को एक राष्ट्र मान लिया जाए तो उसे दुनिया के कुल 234 मुल्कों में इंडोनेशिया और पाकिस्तान के बीच पांचवे क्रम पर रखना पड़ेगा। ये दोनों ही इस्लामी हुकूमतें हैं। होली को लेकर अल्पसंख्यक समुदाय में जिस तरह की दहशत पैदा हुई वह राष्ट्रीय स्तर पर दिल दहलाने वाली है।

आज़ादी के बाद (या शायद पहले भी) कभी ऐसा नहीं हुआ होगा कि मस्जिदों को तिरपालों से ढाका गया हो या नमाज़ों का वक्त बदला गया हो। मुस्लिमों से कहा गया कि वे घरों के भीतर रहते हुए चल रहे रमज़ान के महीने के दौरान अपनी शुक्रवार की नमाज़ पढ़ें। मुल्क की ज़िंदगी में इस तरह के हालत किसी विदेशी ताक़त से सामरिक युद्ध या असाधारण कर्फ्यू के दौरान ही पैदा होते रहे हैं। जो हो रहा है वह इसलिए ख़तरनाक है कि एक भौगोलिक पाकिस्तान के निर्माण के लिए तो गांधी को गुनहगार ठहराकर उन्हें सज़ा भी दे दी गई पर मुल्क की एक बड़ी आबादी के दिलों और गांव-शहरों की बस्तियों में जिन हज़ारों-लाखों छोटे-छोटे पाकिस्तानों का निर्माण जाने-अनजाने हो रहा है उसके लिए आगे आने वाला भविष्य किस 'गांधी' को दोषी ठहराएगा? यूपी की घटनाओं के बाद सोशल मीडिया पर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं कि मुल्क को आखिर किस दिशा में ले जाया जा रहा है? क्या कुछ ऐसा हो रहा है कि एक राज्य अलग दिशा में जा रहा है और दूसरा अलग दिशा में और राष्ट्र किसी तीसरी दिशा में जाने की तैयारी में जुटा है? राष्ट्र के भविष्य को लेकर नरेंद्र मोदी का स्वप्न क्या यूपी पर योगी के स्वप्न से भिन्न हो सकता है जबकि दोनों नेता एक ही पार्टी के घोषणापत्र और संवैधानिक निष्ठाओं से बंधे हुए हैं। अब मामला यूपी का नहीं बचा! भय यह है कि होली के अवसर पर यूपी में जो कुछ हुआ वह 'एक्सीडेंटल' था या उसे किसी 'प्रयोग' के तौर आज़माया गया था? अगर 'प्रयोग' था तो उसकी सफलता-असफलता का प्रभाव आने वाले त्योहारों और अन्य राज्यों के अमन-चैन पर कितना पड़ने वाला है।

शादी और त्योहारों के बीच डाइट फॉलो करना नहीं होगा मुश्किल

इन दिनों शादियों और त्योहारों का सीजन चल रहा है। ऐसे में खाने-पीने का ख्याल रख पाना थोड़ा सा मुश्किल हो जाता है। खासकर तब जब आप खुद को फिट और हेल्दी रखने के लिए डायट फॉलो कर रहे हों। तो वहीं कुछ लोगों की यह भी शिकायत होती है कि अगर एक बार बाहर का खाना खा लिया जाए, तो फिर डाइट को फॉलो करना मुश्किल हो जाता है।

अगर आपके साथ भी ऐसा ही कुछ होता है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं, जिनको फॉलो कर आप अपनी डाइटिंग को ज्यों का त्यों बरकरार रख सकते हैं।

शुगर या फिजी ड्रिंक से बनाएं दूरी

मीठे ड्रिंक्स का सेवन करे से आप ढेर सारी कैलोरी को शरीर में शामिल कर सकते हैं। फिर चाहे वह फलों का रस हो, चीनी वाली चाय हो या कॉफी और फिजी ड्रिंक्स आदि में चीनी शामिल हो सकती है। ऐसे में अगर आप किसी शादी या फिर त्योहार के आयोजन में शामिल हो रहे हैं, तो आप शुगर या फिर शुगर वाली चीजों से बचकर रहना चाहिए।

अल्कोहल से बनाएं दूरी

इसके साथ ही अल्कोहल में हाई कैलोरी होती है क्योंकि अगर आप अल्कोहोलिक ड्रिंक पीते हैं, तो आपका हेल्दी फूड और एक्टिविटी प्लानिंग पर टिके रहना मुश्किल हो सकता है। इसलिए अल्कोहल से दूरी जरूर बनाएं।

भूख लगने पर ही खाएं

जब भी हम किसी पार्टी में शामिल होते हैं, तो तरह-तरह के फूड्स को देखकर क्रेविंग होना लाजमी है। इस बात का खास ख्याल रखें कि आप तभी खाएं, जब आपको भूख लगी हो। आप ऐसा भी तय कर सकते हैं कि आप दिन में सिर्फ तीन बार खाना खाएं। वहीं दो समय हेल्दी स्नैकिंग कर सकते हैं।

हेल्दी खाना

शादी या फिर किसी पार्टी में शामिल होने के दौरान आप हेल्दी खाने को अपनी प्रियॉरिटी बनाएं। आप फ्रूट्स या सब्जियों का सलाद खा लें। वहीं ज्यादा भूख लगने पर आप दाल-चावल खा सकते हैं।

सुनीता विलियम्स की 9 महीने बाद अंतरिक्ष से होगी वापसी

फ्लोरिडा। अंतरिक्ष में फंसे एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर 9 महीने 13 दिन बाद पृथ्वी पर लौट रहे हैं। उनके साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में मौजूद क्रू-9 के दो और एस्ट्रोनॉट निक हेग और अलेक्सांद्र गोरबुना. वे भी आज, 18 मार्च को स्पेस स्टेशन से रवाना हुए। चारों एस्ट्रोनॉट के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार होने के बाद सुबह 8:35 बजे इस स्पेसक्राफ्ट का हैच यानी, दरवाजा बंद हुआ और 10:35 बजे स्पेसक्राफ्ट इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से अलग हुआ। यह 19 मार्च को सुबह लगभग 3:27 बजे फ्लोरिडा के तट पर लैंड होगा। इस सफर में करीब 17 घंटे लगेंगे। नासा की ओर से इस इवेंट का एक अनुमानित शेड्यूल जारी किया गया है। इसमें मौसम के कारण बदलाव भी हो सकता है। नासा के अनुसार 19 मार्च को सुबह 2:41 बजे डीऑर्बिट बर्न शुरू होगा। यानी, कक्षा से उल्टी दिशा में स्पेसक्राफ्ट का इंजन फायर किया जाएगा। इसके बाद स्पेसक्राफ्ट की पृथ्वी के वातावरण में एंट्री होगी और सुबह फ्लोरिडा के तट पर पानी में लैंडिंग होगी। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर भारतीय समयानुसार बुधवार तड़के 3:27 बजे धरती पर लौटेंगे। सुनीत विलियम्स समेत तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री आज सुबह आईएसएस से अनडॉक हो गए। अंतरिक्ष यात्रियों का यह सफर 17 घंटे का होने वाला है। वे फ्लोरिडा के तट पर उतरेंगे। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने पिछले साल 5 जून 2024 को नासा के मिशन के तहत बोइंग के अंतरिक्ष यान पर बैठकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए उड़ान भरी थी। वे वहां सिर्फ एक सप्ताह रुकने वाले थे लेकिन अंतरिक्ष यान में तकनीकी खराबी आने की वजह से दोनों धरती पर वापस नहीं आ सके। दोनों के लिए 10 दिन का मिशन 9 महीने से अधिक के इंतजार में बदल गया। मिशन प्रबंधक इस बीच, सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने उनके स्थान पर पहुंचे चारों नए अंतरिक्ष यात्रियों को मिशन से संबंधित जानकारियां साझा कीं और कई प्रमुख बातें सिखाईं।

मोदी ने लिखा सुनीता विलियम्स को लेटर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नासा की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को पत्र लिखकर भारत आने का निमंत्रण दिया है। 1 मार्च को लिखे गए इस लेटर को नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो ने भेजा था। इसे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने X पर शेयर किया है। लेटर में पीएम मोदी ने लिखा है-आपके लौटने के बाद हम आपको भारत में देखने के लिए उत्सुक हैं। भारत के लिए अपनी सबसे शानदार बेटियों में से एक की मेजबानी करना खुशी की बात होगी। सुनीता विलियम्स 5 जून 2024 को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ISS पहुंची थीं। वे 9 महीने तक अंतरिक्ष में रहने के बाद 19 मार्च को धरती पर वापस आने वाली हैं।

भारत-फ्रांस के बीच द्विपक्षीय नौसेनिक अभ्यास वरुण कल से

नई दिल्ली। भारत और फ्रांस के बीच स्थाई समुद्री साझेदारी का प्रतीक 23वां द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास वरुण का 23वां अभ्यास कल से शुरू होगा। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि 2001 में शुरुआत के बाद से, वरुण सहयोग की आधारशिला के रूप में विकसित हुआ है और नौसेना की अंतर-संचालन क्षमता तथा परिचालन तालमेल को बढ़ाने के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस वर्ष के संस्करण में समुद्री अभ्यासों, उप-सतह, सतह और वायु क्षेत्रों में जटिल युद्धाभ्यासों की एक रोमांचक श्रृंखला शामिल की गई है। अभ्यास में विमानवाहक पोत विक्रांत और चार्ल्स डी गॉल की संयुक्त भागीदारी, उनके लड़ाकू विमानों, विध्वंसक, फ्रिगेट और एक भारतीय स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी के साथ, दोनों नौसेनाओं की सहयोगी ताकत देखने को मिलेगी। वरुण-2025 में उन्नत वायु रक्षा अभ्यास और लड़ाकू अभ्यास किए जाएंगे, जिसमें फ्रांसीसी राफेल-एम और भारतीय मिग-29के बीच कृत्रिम मुकाबला शामिल है। इसे सामरिक और परिचालन क्षमताओं को परिष्कृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पनडुब्बी रोधी युद्ध अभ्यास पानी के नीचे के क्षेत्र में जागरूकता में कठोर प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जबकि सतह पर युद्ध संचालन भारतीय और फ्रांसीसी बेड़े द्वारा समन्वित युद्धाभ्यास और जुड़ाव का प्रदर्शन करेगा। समुद्री गश्ती विमान परिस्थितिजन्य जागरूकता को बढ़ाएंगे, और समुद्र में पुन: पूर्ति अभ्यास रसद सहयोग को मजबूत करेंगे। यह सहयोग एक स्वतंत्र, खुले और सुरक्षित समुद्री वातावरण की सुरक्षा के साझा दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। सर्वोत्तम प्रथाओं और आपसी समझ के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर, यह अभ्यास इन दोनों देशों की सबसे जटिल समुद्री परिदृश्यों में भी निर्बाध रूप से संचालन करने की क्षमता की पुष्टि करता है।

आखिरी बार 2013 में भारत आई थीं सुनीता

सुनीता और बुच विल्मोर ने ट्रम्प और एलन मस्क का जताया आभार

फ्लोरिडा। नासा अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति आभार व्यक्त किया है। मस्क द्वारा एक्स पर पोस्ट एक वीडियो में सुनीता ने कहा, हम जल्द ही वापस आ रहे हैं, इसलिए मेरे बिना वे योजनाएं न बनाएं। हम जल्द ही वापस आ जाएंगे। बुच विलमोर ने कहा, हम सभी मस्क के प्रति अत्यंत सम्मान रखते हैं और जाहिर तौर पर हमारे राष्ट्रपति ट्रंप के प्रति भी सम्मान और प्रशंसा रखते हुए हम उनकी सराहना करते हैं।

नई दिल्ली। सुनीता विलियम्स का भारत से खास नाता रहा है। सुनीता अमेरिकी नागरिक हैं, लेकिन उनकी जड़ें भारत में हैं। सुनीता विलियम्स के पिता डॉ दीपक पंड्या गुजराती मूल के भारतीय-अमे. रिकी डॉक्टर थे। उनकी मां बोनी पंड्या यूरोप के स्लोवाकिया से थीं। सुनीता दो बार भारत के दौरे पर आ चुकी हैं। वह आखिरी बार 2013 में भारत आई थीं। सुनीता दौरे पर कोलकाता गई थीं। उनसे ईश्वर या किसी अज्ञात शक्ति के अस्तित्व के बारे में उनके विचार पूछे गए, तो उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि अंतरिक्ष में कुछ अज्ञात है। वह नई दिल्ली भी गई थीं। उन्होंने नेशनल साइंस सेंटर में छात्रों से मुलाकात की थी और अपने अनुभव साझा करने को कहा था। साथ ही सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया था। सुनीता गुजरात में मेहसाणा के झूलासन स्थित अपने पैतृक गांव भी गई थीं। उनके पिता डॉ. दीपक पंड्या इसी गांव से थे और अमेरिका जाने से पहले 1950 के दशक के अंत में अहमदाबाद के वाडीलाल साराभाई अस्पताल में डॉक्टर थे। सुनीता लोगों के साथ नोट्स का आदान-प्रदान करते हुए बहुत खुश थीं। गांव के बच्चों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया जिसे सुनीता ने गौर से देखा।

नीदरलैंड पाक को हथियार सप्लाई न करे: राजनाथ

नीदरलैंड के रक्षा मंत्री रूबेन ब्रेकेलमैन्स के साथ बैठक के बाद रक्षा मंत्री ने कहा: दक्षिण एशिया की शांति को खतरा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत नीदरलैंड के साथ रक्षा साझेदारी को और अधिक बढ़ाने के लिए तत्पर है। श्री सिंह ने मंगलवार को यहां नीदरलैंड के रक्षा मंत्री रूबेन ब्रेकेलमैन्स के साथ बैठक के बाद यह बात कही। इस दौरान उन्होंने अपील की कि नीदरलैंड्स पाकिस्तान को डिफेंस इक्विपमेंट या तकनीकी सहायता न दे। राजनाथ सिंह का कहना था कि पाकिस्तान को हथियार और टेक्निकल सहायता देना दक्षिण एशिया में शांति सुरक्षा को कमजोर करता है।

नीदरलैंड्स ने पाकिस्तान कुछ समय पहले माइन-हंटर्स दिए थे। इसके अलावा नीदरलैंड्स के डेमन शिपयार्ड से पाकिस्तान 1,900 टन के मल्टीरोल वाले पाकिस्तान को अक्कफशोर पेट्रोल वेसेल की सप्लाई भी कर रहा है। कई डच कंपनियां मिलिट्री के क्षेत्र में, खासकर नौसेना के क्षेत्र में पाकिस्तान के साथ बातचीत कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा , नई दिल्ली में नीदरलैंड के युवा और गतिशील रक्षा मंत्री रूबेन बर्केलमैन्स से मिलकर बहुत खुशी हुई। हमने भारत-नीदरलैंड रक्षा सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की। हम अपनी रक्षा साझेदारी को और भी गहरा और उन्नत करने के लिए तत्पर हैं। हमारी चर्चा के क्षेत्रों में रक्षा, साइबर सुरक्षा, इंडो-पैसिफिक और एआई जैसी उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ शामिल थी।

इस बीच रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों रक्षा मंत्रियों ने रक्षा, सुरक्षा, सूचना आदान-प्रदान, हिन्द प्रशांत और नई एवं उभरती प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने जहाज निर्माण, उपकरण और अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया जिससे दोनों देशों के कौशल, प्रौद्योगिकी और मानकों को एक दूसरे का पूरक बनाया जा सके। उन्होंने संबंधित रक्षा प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थानों और संगठनों को जोड़ने के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और संबंधित प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर भी चर्चा की।

जॉब अलर्ट

NOW HIRING : YOUR FUTURE AWAITS...

अब खबरें आपके मोबाइल फोन पर www.shahtimesnews.com

आवश्यकता है।

पद : एकाउन्टेंट
स्थान : मुजफ्फरनगर
नौकरी का प्रकार : पूर्ण कालिक
नौकरी का विवरण: एक कुशल एवं अनुभवी एकाउन्टेंट की आवश्यकता है जिसे जी0एस0टी0 का पूर्ण ज्ञान हो, तथा कम से कम दो वर्षों का अनुभव हो।
योग्यता : कॉमर्स क्षेत्र में स्नातक की डिग्री

कैसे आवेदन करें:
इच्छुक उम्मीदवार अपने रिज़्यूमे और कवर पत्र भेजें:
शाह आलम : 80772 43100
Email:- shahtimes0105@gmail.com

आवश्यकता है।

पद : कम्प्यूटर ऑपरेटर/सब-एडिटर
स्थान : मुजफ्फरनगर
नौकरी का प्रकार : पूर्ण कालिक
नौकरी का विवरण: एक कुशल एवं अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर/ सब-एडिटर की आवश्यकता है जिसे कम्प्यूटर का पूर्ण ज्ञान हो, तथा कम से कम दो वर्षों का अनुभव हो।
योग्यता : कम्प्यूटर में डिप्लोमा / डिग्री

कैसे आवेदन करें:
इच्छुक उम्मीदवार अपने रिज़्यूमे और कवर पत्र भेजें:
मौ0 आसिफ : 9837515048
Email:- shahtimes0105@gmail.com

आवश्यकता है।

पद : महिला रसोइया
स्थान : मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
नौकरी का प्रकार : पूर्णकालिक
नौकरी का विवरण: हम एक कुशल और स्वच्छ महिला रसोइया की तलाश कर रहे हैं, जो विभिन्न प्रकार के व्यंजन, जैसे मुगलाई, कॉन्टिनेंटल, और अन्य मल्टी-कुजीन डिशेज तैयार कर सके। आदर्श उम्मीदवार को खाना बनाने का जुनून होना चाहिए और एक साफ-सुथरे और व्यवस्थित रसोईघर को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

प्रमुख जिम्मेदारियाँ:
- मुगलाई, कश्वन्टिनेंटल, और अन्य मल्टी-कुजीन व्यंजनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न डिशेज तैयार करना।
- स्वच्छता मानकों के अनुसार खाद्य पदार्थो की तैयारी।
- रसोई को साफ और अच्छी तरह से बनाए रखना।
- दैनिक खाना पकाने के लिए मेनू की योजना बनाना।
- खाना पकाने के समय का प्रबंधन करना।

योग्यताएँ:
- रसोइया के रूप में सिद्ध अनुभव, विशेष रूप से मुगलाई और कॉन्टिनेंटल व्यंजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए।
- खाद्य स्वच्छता और सुरक्षा मानकों का मजबूत ज्ञान।
- स्वतंत्र रूप से और कुशलता से काम करने की क्षमता।

कार्य समय:
- समय: सुबह 9:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक

सहायक प्रबंधक : प्रिंट मीडिया
स्थान : मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
नौकरी का प्रकार : पूर्णकालिक
नौकरी का विवरण: सहायक प्रबंधक के रूप में, आप प्रबंधन टीम का समर्थन करेंगे और क्षेत्रीय संचालन की देखरेख करेंगे।

प्रमुख जिम्मेदारियाँ:
- क्षेत्रीय प्रबंधक के साथ दैनिक गतिविधियों में सहायता करना।
- स्टाफ की देखरेख और मार्गदर्शन करना, सकारात्मक कार्य वातावरण को बढ़ावा देना।
- टीम के प्रदर्शन की निगरानी करना और सुधार के लिए रणनीतियाँ लागू करना।

योग्यताएँ:
- व्यवसाय प्रबंधन या संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री।
- प्रबंधन भूमिका में न्यूनतम 2 साल का अनुभव।

पद : मार्केटिंग एजेंट
स्थान : दिल्ली
नौकरी का प्रकार : पूर्णकालिक

नौकरी का विवरण:
मार्केटिंग एजेंट के रूप में, आप हमारे उत्पादों और सेवाओं का प्रचार करेंगे, ग्राहक संबंध बनाएंगे, और बिक्री वृद्धि को बढ़ावा देंगे।

प्रमुख जिम्मेदारियाँ :
- बाजार अनुसंधान करना और संभावित ग्राहकों की पहचान करना।
- ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध स्थापित और बनाए रखना।
- मार्केटिंग अभियानों के विकास और निष्पादन में सहायता करना।

योग्यताएँ:
- मार्केटिंग या व्यवसाय में स्नातक की डिग्री।
- बिक्री या मार्केटिंग में पूर्व अनुभव वांछनीय है।

कैसे आवेदन करें:
इच्छुक उम्मीदवार अपने रिज़्यूमे और कवर पत्र भेजें:
शाह आलम : 80772 43100
Email:- shahtimes0105@gmail.com

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108

साल बचाएं, डायरेक्ट करे, सीधे प्रवेश
CMS & ED
करें स्थानीय CMO के यहाँ रजिस्ट्रेशन करायें।
(एलोपैथिक मे सम्मानित चिकित्सक बने)
जो चिकित्सक सेवाएं दे रहे है वो भी मेडिकल कोर्स करें।
DPT, BPT, MPT, DMLT, BMLT
X-RAY Tech, Ultra Sound Technician
OT, Lab Tech, DNYS, BNYS YOGA
Dental Machenic, Dental Hygiene
BA, MA, BSc, MSc, B.Com, M.Com, BBA, MBA
BCA, MCA, B.Ed, BPEd, MPEd, LLB, BSW, MSWE
ANM, GNM, BSc Nursing & Many More Courses..
सम्पर्क करें।
डा0 सम्राट क्लीनिक
नावल्टी सिनेमा चौक, मुजफ्फरनगर
M.: 9412211108, 9359406499